www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 248 ●ठाणे, मंगलवार 9 जून, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

शिल्पा शेट्टी इन बिजनेस से कमाती हैं तगड़ा पैसा

पेज 8

1 ओवर में 7 छक्के लगाने वाला दुनिया का एकमात्र बल्लेबाज

8 पेज

सुप्रभात

एकता चापलूसी से स्थापित नहीं की जा सकती। जब तक जीव मात्र के साथ एकता महसूस न हो, तब तक प्रार्थना,उपवास, जप-तप सब थोथी बातें हैं। - **महात्मा गांधी**

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (9 जून) 7:15 बजे, सूर्योदय (10 जून) 6:01 बजे, **तापमान: 33 डिग्री से. (गरज के साथ बौछार।)**

भारत के चालू खाता सरप्लस में गिरावट

व्यापार घाटा 83.4 अरब डॉलर पहुंचा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

भारत का चालू खाता अधिशेष वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 7.1 अरब डॉलर यानी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 0.7 प्रतिशत रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में चालू खाता अधिशेष 13.7 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 1.4 प्रतिशत था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान चालू खाते पर घाटा रहा और यह 25.2 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 0.6 प्रतिशत रहा। 2024-25 में यह 22.9 अरब डॉलर यानी जीडीपी का 0.6 प्रतिशत था। आरबीआई के वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान भारत के भुगतान संतुलन पर जारी आंकड़ों के अनुसार, शुद्ध सेवा प्राप्तियां वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में बढ़कर 60.4 अरब डॉलर हो गईं, जो एक वर्ष पहले 53.3 अरब डॉलर थीं। कंप्यूटर सेवाओं और अन्य व्यावसायिक सेवाओं जैसी प्रमुख श्रेणियों में सेवाओं के निर्यात में सालाना आधार पर वृद्धि हुई है। वहीं दूसरी ओर 2025-26 की चौथी तिमाही में वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 83.4 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल 59.3 अरब डॉलर था।

विशाखापट्टनम स्टील प्लांट में हादसा

8 मजदूरों की मौत

1600 डिग्री पर पिघला गर्म लोहा क्रेन से ले जा रहे थे, बैलेंस बिगड़ने से उन पर ही गिरा

हिंदमाता नेटवर्क @ विशाखापट्टनम

आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम स्थित स्टील प्लांट में सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में करीब 1600डिग्री तापमान वाला पिघला हुआ लोहा (मोल्टन आयरन) मजदूरों पर गिर गया। हादसे में 8 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्लांट में क्रेन की मदद से एक बड़े बकेट में पिघला हुआ लोहा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान बकेट का संतुलन बिगड़ गया और उसमें भरा गर्म लोहा नीचे काम कर रहे कर्मचारियों पर गिर गया। हादसा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) के स्टील प्लांट में हुआ। हादसे के बाद प्लांट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। राहत और बचाव दल ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। अधिकारियों ने कहा कि फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। पता लगाया जा रहा है कि कही दुर्घटना की वजह तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों में किसी तरह की चूक तो नहीं हुई।

सीएम चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने हादसे पर दुख जताया। वहीं गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने विशाखापट्टनम के कलेक्टर और सिटी पुलिस कमिश्नर से फोन पर बात कर हादसे की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को घायलों को बेहतर इलाज दिलाने और रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने के निर्देश दिए।

मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए की आर्थिक मदद की घोषणा

हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि इस दुर्घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति उनकी संवेदनाएं हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है। मोदी ने पीड़ितों प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा भी की।

दादर में प्लाजा सिनेमा के पास बेस्ट बस ने कई वाहनों को मारी टक्कर

2 की मौत और कई घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के दादर पश्चिम स्थित प्लाजा सिनेमा के पास सोमवार को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जब एक बेस्ट बस ने अचानक नियंत्रण खो दिया और कई वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में दो व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और प्लाजा सिनेमा जंक्शन के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। इसके बाद बस ने सड़क पर चल रहे दोपहिया और चारपहिया वाहनों को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

राहत और बचाव कार्य

हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग, पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें मौके पर पहुंचीं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। मृतक की पहचान और हादसे के अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

सामने आए वीडियो

घटना के वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें कई वाहन क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहे हैं। टक्कर की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कुछ वाहन सड़क किनारे तक धकेल दिए गए। मुंबई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि बस की तकनीकी स्थिति, चालक की भूमिका और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच की जाएगी। जरूरत पड़ने पर संबंधित लोगों के बयान भी दर्ज किए जाएंगे।

एक्सीडेंट में डिलीवरी बॉय नियाज की मौत

17 जून को अपनी शादी के लिए उसे जाना था गांव

दादर प्लाजा इलाके में हुए एक भयानक बेस्ट बस एक्सीडेंट के बाद दो परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। एक्सीडेंट में दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मरने वालों में से एक 23 साल का लड़का था, जिसकी कुछ ही महीनों में शादी होने वाली थी। मिली जानकारी के मुताबिक, प्लाजा से कला किला रूट पर बेस्ट बस नंबर 463 अपने पहले फेरे के लिए निकल रही थी। बस में ड्राइवर, कंडक्टर और बेस्ट इंस्पेक्टर मौजूद थे। शुरुआती जानकारी में पता चला है कि बस स्टार्ट करते समय हैंडब्रेक छूटने के बाद गाड़ी अचानक आगे बढ़ गई। पता चला है कि ड्राइवर ने यह भी कहा कि बस के ब्रेक काम नहीं कर रहे थे। तेज रफ्तार बस ने सामने से गुजर रहे चार पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी। पता चला है कि इसके बाद ड्राइवर ने बस को कंट्रोल में करने के लिए गाड़ी को प्लाजा की तरफ मोड़ दिया। शिवाजी पार्क की तरफ जाने वाली सड़क पर गाड़ियां होने की वजह से एक बड़ा एक्सीडेंट टालने के लिए यह फैसला लिया गया।

नियाज शेख डिलीवरी बॉय था

एक्सीडेंट में मरने वाले युवक की पहचान नियाज अहमद शेख के तौर पर हुई है। वह पिछले पांच साल से मुंबई में रह रहा था। मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला नियाज नौकरी की तलाश में मुंबई आया था। वह स्विगी में डिलीवरी बॉय का काम करता था और नलबाजार इलाके में रहता था। एक्सीडेंट वाले दिन भी वह काम से बाहर गया था। डिलीवरी के लिए जाते समय उसकी बाइक को एक बस ने टक्कर मार दी। वह 17 तारीख को अपने होमटाउन जा रहा था। उसके बाद अगले दो-तीन महीने में उसकी शादी होनी थी। लेकिन एक पल में उसके रिश्तेदारों ने ऐसा महसूस किया कि उसके सारे सपने टूट गए।

घायल ऋषभ का इलाज

एक्सीडेंट में गंभीर रूप से घायल 24 साल के ऋषभ गुप्ता का सायन हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। ऋषभ बीकॉम की पढ़ाई कर रहा है और पढ़ाई के साथ-साथ इंस्टा मार्ट के लिए डिलीवरी का काम भी कर रहा था। एक्सीडेंट वाले दिन, उसने अपना कॉलेज असाइनमेंट पूरा किया था। उसके बाद, वह एक डिलीवरी के लिए निकला था। दादर इलाके से गुजरते समय, वह बेस्ट बस की टक्कर में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर और सीने में गंभीर चोटें आई हैं। परिवार वालों ने बेस्ट एडमिनिस्ट्रेशन से नाराजगी जताई है, उनका आरोप है कि अधिकारियों ने एक्सीडेंट के बाद मामूली जांच भी नहीं की।

ड्राइवर विकास पाडवे के खिलाफ केस दर्ज

इस मामले में बेस्ट बस ड्राइवर विकास पाडवे के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में कार्रवाई की है। एक्सीडेंट में ड्राइवर भी घायल हो गया और उसका भी सायन हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। एक्सीडेंट का सही कारण जानने के लिए आगे की जांच चल रही है।

लापरवाही का शिकार बेस्ट प्रबंधन!

एक ओर जहां सरकार मेट्रो और भूमिगत मेट्रो के विकास के लिए, सड़कों और समुद्र पर पुल बनाने के लिए जी-तोड़ श्रम और कौशल खपा रही है, वहीं मुंबई की दूसरी लाइफलाइन कही जानेवाली बेस्ट बसों को लेकर लापरवाही साफ नजर आती है। पिछले कुछ दिनों से आए दिन शहर में बेस्ट बसों की दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। दरअसल जबसे बेस्ट प्रशासन इलेक्ट्रिक बसें चला रहा है, तब से बेस्ट में अस्थायी ड्राइवर ठेके पर रखे जा रहे हैं। पहले बेस्ट के ड्राइवर बेहद प्रशिक्षित और निपुण होते थे, लेकिन अब ठेके के ड्राइवर मुंबई की ट्रैफिक में आसानी से बसें चलाने के लिए सिद्धहस्त नहीं होते हैं। कभी-कभी ठेके के ड्राइवरों के चलते बसों की फेरी भी रद्द करनी पड़ जाती है। कुल मिलाकर मुंबई में बेस्ट बसों के सुरक्षित संचालन में भयंकर लापरवाही बरती जा रही है।

दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार विवाद

पूर्व जज गौतम पटेल के पूरे परिवार को खत्म करने की सुपारी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

लंदन में बेटी को मिला जर्मनी से आया धमकी भरा खत!

दाऊदी बोहरा समुदाय के 2024 के उत्तराधिकार विवाद मामले में फैसला सुनाने वाले बॉम्बे हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश गौतम पटेल और उनका परिवार इस वक्त गहरे संकट में है। उन्हें भारत से लेकर ब्रिटेन तक लगातार जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, पिछले दस महीनों से पूर्व जज के परिवार को डराने-धमकाने के लिए लगातार पत्र भेजे जा रहे हैं। इस मामले में सबसे चौंकाने वाला और ताजा मोड़ पांच जून को आया। जस्टिस पटेल की बेटी, जो लंदन में रहती हैं, उन्हें एक चिट्ठी मिली। इस पत्र में साफ तौर पर हिंसा की चेतावनी दी गई है। पत्र भेजने वाले ने दावा किया है कि इस परिवार को खत्म करने के लिए बाकायदा 'कॉन्ट्रैक्ट' यानी सुपारी दी जा चुकी है। जर्मनी के डाक टिकट वाले इस पत्र के साथ एक डिजिटल स्टोरेज डिवाइस (पेनड्राइव) भी भेजी गई है। फिलहाल इस डिवाइस और पत्र को लंदन पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

यूट्यूब पर माफी मांगने का भारी दबाव

धमकी देने वाले अपराधी पूर्व न्यायाधीश गौतम पटेल पर एक अजीब और गैर-कानूनी दबाव बना रहे हैं। इन पत्रों के जरिए मांग की जा रही है कि जस्टिस पटेल यूट्यूब पर अपना एक वीडियो रिकॉर्ड करके अपलोड करें। इस वीडियो में उन्हें यह कहना होगा कि 2024 का दाऊदी बोहरा उत्तराधिकार संबंधी फैसला उन्होंने किसी के दबाव और जबरदस्ती में आकर सुनाया था। इसके साथ ही उनसे इस फैसले के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने के लिए भी कहा गया है। इस कायराना हरकत के बाद बॉम्बे बार एसोसिएशन भी मैदान में उतर आया है। एसोसिएशन ने सोमवार को एक प्रस्ताव पारित कर पूर्व जज और उनके परिवार को दी जा रही धमकियों की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने सरकार और जांच एजेंसियों से दोषियों को तुरंत गिरफ्तार करने की मांग की है।

क्या था 2024 का वह फैसला?

यह पूरा विवाद दाऊदी बोहरा समुदाय के सर्वोच्च धार्मिक गुरु यानी 53वें दाई अल-मुतलक के पद को लेकर है। 24 अप्रैल 2024 को जस्टिस गौतम पटेल की एकल पीठ ने अपने फैसले में सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को इस पद पर वैध माना था। कोर्ट ने कहा था कि सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की नियुक्ति पूरी तरह से वैध है। इसके साथ ही कोर्ट ने खुजैमा कुतुबुद्दीन की ओर से 2014 में दायर मुकदमे को खारिज कर दिया था। खुजैमा का दावा था कि उनके भाई और 52वें सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन ने उन्हें गुप्त रूप से अपना उत्तराधिकारी चुना था। 2016 में खुजैमा की मौत के बाद उनके बेटे ताहिर फखरुद्दीन ने इस कानूनी लड़ाई को आगे बढ़ाया। लेकिन जस्टिस पटेल ने कहा कि याचिकाकर्ता अपने दावे के पक्ष में कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर पाए। इस फैसले के अगले ही दिन यानी 25 अप्रैल 2024 को जस्टिस पटेल सेवानिवृत्त हो गए थे। वर्तमान में यह मामला बॉम्बे हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के सामने लंबित है।

शॉर्ट स्टोरी

परीक्षा के पैकेट के लिए एम-17 हेलीकॉप्टर तैनात

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

21 जून को होने वाली नीट यूजी 2026 की दोबारा परीक्षा के लिए प्रश्न पत्र के पैकेट सुरक्षित रूप से पहुंचाने के लिए, भारतीय वायु सेना एमआई-17 हेलीकॉप्टर तैनात करेगी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, परीक्षा को सुचारू और सुरक्षित रूप से आयोजित करने के लिए इन पैकेटों को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के तहत ले जाया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वायु सेना इस परीक्षा के लिए मदद करेगी। इसके तहत प्रश्न पत्र के पैकेट 18 तय जगहों से वितरण केंद्रों और परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाए जाएंगे।

15% आइसोब्यूटेनॉल डीजल में मिलाएंगे!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश में पेट्रोल के बाद अब डीजल के लिए भी वैकल्पिक ईंधन की दिशा में काम तेज होता दिख रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि डीजल में 15% आइसोब्यूटेनॉल मिलाने की तैयारी चल रही है। उनका मानना है कि यह ईंधन भविष्य में डीजल का विकल्प बन सकता है। गडकरी के इस बयान के बाद आइसोब्यूटेनॉल एक बार फिर चर्चा में आ गया है। हाल ही में देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार के लॉन्च के मौके पर नितिन गडकरी ने कहा कि हम डीजल में इथेनॉल तो डाल नहीं सकते, इसलिए इथेनॉल से आइसोब्यूटेनॉल भी बन रहा है और आइसोब्यूटेनॉल डीजल का विकल्प बन सकता है।

देश का पहला रेल फाटक मुक्त राज्य बनेगा महाराष्ट्र

सीएम फडणवीस ने महारेल के 65 प्रोजेक्ट्स को दी मंजूरी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर रोड ओवर ब्रिज और अंडरपास बनाकर महाराष्ट्र को रेल फाटक-मुक्त राज्य बनाने के विषय पर एक बैठक की अध्यक्षता की। महारेल के मैनेजिंग डायरेक्टर राजेश कुमार जायसवाल ने चल रही परियोजनाओं और महाराष्ट्र को रेल फाटक-मुक्त राज्य बनाने के लिए मुख्य पहलों की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। महाराष्ट्र रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को कुल 131 प्रोजेक्ट्स पर काम करना है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में इनमें से पहले चरण के लिए 65 प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई। यह बैठक सह्याद्रि गेस्ट हाउस में हुई। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्रसिंह राजे भोसले ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में हिस्सा लिया, जबकि लोक निर्माण राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक और विधायक प्रसाद लाड मौजूद थे। महारेल राज्य के लोक निर्माण और शहरी विकास विभागों के अधिकार क्षेत्र में आने वाली सड़कों पर रेलवे ओवरब्रिज, पैदल यात्रियों के लिए पुल और अंडरपास से जुड़े प्रोजेक्ट्स को पूरा करेगा। बैठक में इन मामलों पर विस्तार से चर्चा हुई और मुख्यमंत्री फडणवीस ने कई निर्देश जारी किए।

एक भी लेवल क्रॉसिंग नहीं होनी चाहिए

सीएम फडणवीस ने बैठक में कहा कि महाराष्ट्र में किसी भी रेलवे लाइन पर एक भी लेवल क्रॉसिंग नहीं होनी चाहिए। राज्य को रेलवे लेवल क्रॉसिंग से मुक्त बनाने के लिए रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास किया जाना चाहिए।

80 रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की योजना तैयार

बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए, शहरों के लिए 80 रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की योजना बनाई गई है। इन प्रोजेक्ट्स के लिए संबंधित म्युनिसिपल कमिश्नरों और जिला कलेक्टरों की एक कमेटी बनाई जाएगी। यह कमेटी योजनाबद्ध कामों की जांच करेगी, जिसके बाद महारेल उन्हें पूरा करने का काम करेगी।

किस शहर को मिली कितनी रेलवे परियोजनाएं?

महाराष्ट्र में कुल 80 प्रस्तावित रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं विभिन्न शहरों में प्रस्तावित हैं। इनमें सबसे अधिक 17 परियोजनाएं मुंबई महानगर क्षेत्र में प्रस्तावित हैं, जबकि पुणे शहर में 15 और नागपुर में 13 परियोजनाएं शामिल हैं।

किस शहर को मिली कितनी रेलवे परियोजनाएं?

महाराष्ट्र में कुल 80 प्रस्तावित रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाएं विभिन्न शहरों में प्रस्तावित हैं। इनमें सबसे अधिक 17 परियोजनाएं मुंबई महानगर क्षेत्र में प्रस्तावित हैं, जबकि पुणे शहर में 15 और नागपुर में 13 परियोजनाएं शामिल हैं।

महंगाई की नई ईएमआई

- अब दाढ़ी-बाल कटाने पर कटेगी जेब, 20% बढ़े दाम
- उज्ज्वला योजना में सब्सिडी वाले सिलिंडर 9 से घटाकर 4 किए

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण वैश्विक स्तर पर रसोई गैस, खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की जरूरतों के बाद अब महंगाई का असर ग्रूमिंग सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है। महाराष्ट्र में नाई समुदाय ने बाल कटिंग, शेविंग, दाढ़ी ट्रिमिंग, फेशियल और हेयर स्पा समेत विभिन्न सेवाओं के शुल्क में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी है। नई दरों के तहत फेशियल ट्रीटमेंट की शुरूआती कीमत 700 रुपए और हेयर स्पा की शुरूआती कीमत 600 रुपए निर्धारित की गई है। सामान्य हेयरकट के लिए ग्राहकों को अब 180 रुपए चुकाने होंगे, जबकि शेविंग का शुल्क 120 रुपए निर्धारित किया गया है। दाढी ट्रिमिंग के लिए 150 रुपए देने होंगे। इसके अलावा हेड मसाज की कीमत 180 रुपए और हेयर वॉश का शुल्क 120 रुपए कर दिया गया है। इसी के साथ ही प्रीमियम ग्रूमिंग सेवाएं भी महंगी हो गई है।

सब्सिडी वाले सिलिंडर 9 से घटाकर 4 किए

गैस की बढ़ती कीमतों और सब्सिडी पर होने वाले ज्यादा खर्च को देखते हुए, केंद्र सरकार ने सोमवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों के लिए सालाना मिलने वाले सब्सिडी वाले गैस सिलिंडरों की संख्या नौ से घटाकर चार कर दी है। मई 2016 में शुरू की गई इस प्रमुख योजना के तहत, लाभार्थियों को शुरू में हर साल 12 सब्सिडी वाले एलपीजी सिलिंडर मिलते थे। पिछले साल इसे घटाकर 9 सिलिंडर और अब चार कर दिया गया है।

हिंदमाता एंकर: इंडिया ब्लॉक की मीटिंग में 25 पार्टियों ने लिया हिस्सा, सियासी गलियारे में 'इंडिया' के बजाय 'मेगा कांग्रेस' के गठन की चर्चा

सड़क से संसद तक मोदी सरकार को घेरने की तैयारी, इंडिया ब्लॉक की बैठक में पांच मुद्दों पर बनी सहमति

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सोमवार को दिल्ली में आयोजित इंडिया ब्लॉक की बैठक में विपक्ष की 25 पार्टियां शामिल हुईं। बैठक बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नें प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में एसआईआर, चुनाव में देरी, वोट लूट के मुद्दे पर जल्द ही मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने पर सहमति बनी है। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी दोहराई।

हैदराबाद में होगी अगली बैठक

इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अगली बैठक के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि यह तय हुआ कि इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां हर दो महीने में बैठक करेंगी। अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी।

बैठक में इन फैसलों पर बनी सहमति

- इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल विपक्षी दलों के बीच इन अहम मुद्दों पर सहमति बनी है।
- स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर), वोटर लिस्ट में कथित हेरफेर और चुनावों की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला।
- केंद्रीय शिक्षा मंत्री के तुरंत इस्तीफे की भी मांग। उनका आरोप है कि नीट और सीबीएसई परीक्षाओं से जुड़ी समस्याओं के कारण लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं।
- केंद्र सरकार से बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट और जनता से जुड़े अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग।
- इंडिया ब्लॉक की पार्टियां हर दो महीने में बैठक करेंगी और अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी।
- मानसून सत्र के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में संसदीय समन्वय जारी रहेगा।

उद्धव-हेमंत वर्चुअल जुड़े

इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, उद्धव ठाकरे और हेमंत सोरेन ने भी वर्चुअली अपने विचार रखे। वे भी इन सभी मुद्दों पर सहमत हैं।

'राहुल गांधी पीएम बनें और क्षेत्रीय दलों को मौका दें'

इंडिया बैठक के परिदृश्य में शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री तो राहुल गांधी को ही बनना है, प्रधानमंत्री हमें या किसी अन्य क्षेत्रीय दल को तो बनना नहीं है। उन्होंने कांग्रेस को सलाह दी कि वह बड़ा दिल दिखाते हुए राज्यों में मजबूत क्षेत्रीय दलों को प्रमोट करे। जब कांग्रेस क्षेत्रीय दलों को उनका हक देगी, तो बदले में सभी क्षेत्रीय दल भी पूरी ताकत से राहुल गांधी को देश के प्रधानमंत्री के रूप में प्रमोट करेंगे।

मेगा कांग्रेस बनाने का प्रयास?

संजय राउत ने कहा था कि बीजेपी से लड़ने के लिए कांग्रेस को मजबूत बनना चाहिए और कांग्रेस से अलग हुए नेताओं को अपनी पार्टियों का फिर से कांग्रेस में मर्जर कर लेना चाहिए। कहा जा रहा है कि कांग्रेस की तरफ से ऐसी कोशिशें शुरू हो गई हैं और कांग्रेस हाईकमान ने इस बारे में ममता बनर्जी से संपर्क किया है। ऐसी चर्चा है कि शरद पवार की एनसीपी, वाईएसआर कांग्रेस, पीडीपी, एनआर कांग्रेस को साथ लाकर 'मेगा कांग्रेस' बन सकती है।

ठाणे नगर निगम मुख्यालय की चौथी मंजिल पर लगी भीषण आग

सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे महानगर पालिका मुख्यालय की चौथी मंजिल पर सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। दमकल कर्मियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना ऑफिस में रखी फाइलें व कुछ सामान जलकर खाक हो गया। हालांकि गनीमत रही कि इस अग्निकांड में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

सुबह-सुबह मची अफरा-तफरी

सोमवार की सुबह जब महाराष्ट्र के ठाणे नगर निगम मुख्यालय में कामकाज शुरू होने की तैयारी चल रही थी, तभी सुबह करीब 8:07 बजे मुख्य भवन की चौथी मंजिल से अचानक धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते वहां मौजूद कर्मचारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। आग की ये लपटें मुख्यालय के नगर विकास विभाग के दफ्तर में फैली थीं।

दमकल कर्मियों ने आधे घंटे में आग पर काबू पाया

अधिकारियों ने बताया कि नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को सुबह 8.07 बजे मुख्य भवन की चौथी मंजिल पर स्थित नगर विकास विभाग में आग लगने की सूचना मिली। आग घटना की जानकारी मिलती ही सुरक्षाकर्मी, आपदा प्रबंधन कर्मचारी और दमकल कर्मियों मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया गया। सुबह 8.35 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ प्रमुख यासीन ताडवी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक ठाणे महानगर पालिका मुख्यालय के यूपीएस यूनिट, कुछ कागजात और एक पंखे में आग लगी थी। आग मामूली थी और कार्यालय के एक हिस्से तक ही सीमित थी।

भायंदर में मर्डर केस का 3 घंटे में खुलासा

• सड़ी-गली लाश की पहचान कर तीन आरोपियों को दबोचा

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा- भायंदर

मीरा-भायंदर के नवघर पुलिस स्टेशन ने एक सनसनीखेज हत्या के मामले का मात्र तीन घंटे के भीतर पर्दाफाश कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। पुलिस ने सड़ी-गली और आंशिक रूप से जली हुई अवस्था में मिले अज्ञात शव की पहचान कर हत्या के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक 16 वर्षीय नाबालिग बालक को भी हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, 5 जून की शाम करीब 6 बजे भायंदर पूर्व स्थित सचिन तेंडुलकर मैदान के सामने मैंग्रोव जंगल क्षेत्र में 30 से 40 वर्ष आयु के एक अज्ञात व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। जांच के दौरान पुलिस को 1 जून को लापता हुए भायंदर पूर्व के पूजा नगर, लक्ष्मी चॉल निवासी 25 वर्षीय गौरव विजयप्रकाश बडसर के संबंध में जानकारी मिली। घटनास्थल से बरामद वस्तुओं और लापता युवक के सामान का मिलान करने पर पुलिस को अहम सुराग मिला। आगे की जांच में स्पष्ट हुआ कि गौरव बडसर की हत्या की गई थी। इसके बाद नवघर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया।

तकनीकी जांच और सीसीटीवी से खुला राज

पुलिस ने मृतक के मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इन साक्ष्यों के आधार पर आरोपी विमल प्रेमकुमार राजभर (19) और विशाल प्रेमकुमार भारद्वाज उर्फ राजभर (25), दोनों निवासी कविता अपार्टमेंट, गणेश गली, नवघर रोड, भायंदर पूर्व, तथा एक 16 वर्षीय बालक की संलिप्तता सामने आई। जांच में पता चला कि आरोपियों और मृतक के बीच पुरानी रंजिश थी। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने गौरव को शराब पिलाकर सचिन तेंडुलकर मैदान के सामने स्थित मैंग्रोव क्षेत्र के सुनसान इलाके में ले गए। वहां चाकू से हमला करने के बाद पत्थर से सिर कुचलकर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को जलाने का भी प्रयास किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मिली सफलता

मामले का खुलासा पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय शिंदे, पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण, सहायक पुलिस आयुक्त सोहेल शेख तथा नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मुकुंद यादव के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्रवाई में पुलिस निरीक्षक दत्तात्रेय धूमे (अपराध), पुलिस निरीक्षक तृप्ति देशमुख (प्रशासन), सहायक पुलिस निरीक्षक अमोल तालेकर, नितिन बेंद्रे सहित अपराध जांच शाखा के अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दो किलो गांजे के साथ आरोपी गिरफ्तार

क्राइम ब्रांच यूनिट-3 की कार्रवाई, एक लाख रुपए मूल्य का गांजा बरामद, संदिग्ध की गिरफ्तारी

हिंदमाता संवाददाता @ विरार

मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा कक्ष-3 ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2 किलोग्राम गांजा के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपए बताई गई है।

गश्त के दौरान कार्रवाई

पुलिस के अनुसार 6 जून 2026 को अपराध शाखा कक्ष-3 की टीम मांडवी पुलिस थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान शाम करीब 4.30 बजे विरार पूर्व स्थित विरार फाटा के पास संदिग्ध रूप से घूम रहे जावेद बाबू हवारी (41) को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 2 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ।

पूछताछ में खुलासा

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह गांजा बिक्री के उद्देश्य से लेकर आया था। जांच में यह भी सामने आया कि यह मादक पदार्थ उसे जमील शेख नामक व्यक्ति से प्राप्त हुआ था, जो अहिल्यानगर जिले के श्रीरामपुर का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस उसके संबंध में अधिक जानकारी जुटा

मामला दर्ज

इस मामले में मांडवी पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 152/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 8(क) और 20(ब) के अंतर्गत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों का मार्गदर्शन

यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त दत्तात्रय शिंदे, पुलिस उपायुक्त (अपराध) संदीप डोईफोडे तथा सहायक पुलिस आयुक्त मदन बल्लाळ के मार्गदर्शन में की गई। कार्रवाई को सफल बनाने में पुलिस निरीक्षक शाहुराज रणवरे, उपनिरीक्षक प्रकाश तुपलोंढे और अपराध शाखा कक्ष-3 की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

62 ग्राम पंचायतों का आरक्षण 12 जून को

भिवंडी तालुका में लॉटरी पद्धति से तय होगा आरक्षण, चुनावी गतिविधियां हुई तेज, आरक्षण प्रक्रिया तय

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी तालुका की 62 ग्राम पंचायतों के आगामी चुनावों के लिए आरक्षण निर्धारण की प्रक्रिया 12 जून 2026 को पूरी की जाएगी। प्रशासन ने बताया कि आरक्षण का फैसला लॉटरी पद्धति से किया जाएगा। यह प्रक्रिया राज्य के गैर-अनुसूचित एवं आंशिक रूप से अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों के आम चुनावों के मद्देनजर आयोजित की जा रही है।

विशेष बैठक आयोजित

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों का कार्यकाल वर्ष 2024, 2025 तथा कुछ मामलों में 2026 में समाप्त हो रहा है। इसी कारण आरक्षण निर्धारण के लिए विशेष बैठक आयोजित की जा रही है। अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने का भरोसा दिया है।

सुरक्षा के इंतजाम

भिवंडी के तहसीलदार अभिजीत खोले ने विभिन्न पुलिस थानों को पत्र भेजकर बैठक के दौरान पर्याप्त पुलिस बंदोबस्त उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। प्रशासन का मानना है कि आरक्षण प्रक्रिया में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, इच्छुक उम्मीदवार और नागरिक उपस्थित रहेंगे, इसलिए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सुरक्षा आवश्यक है।

राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ीं

आरक्षण की तारीख घोषित होने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। संभावित उम्मीदवारों ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं और स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का दौर भी बढ़ गया है। आरक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद चुनाव कार्यक्रम घोषित किए जाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे ग्रामीण राजनीति में और तेजी आने की उम्मीद है।

विधायक पर जांच की मांग

भिवंडी पूर्व के विधायक रईस शेख पर विकास कार्यों में अनियमितता के आरोप

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के विधायक रईस कासम शेख के खिलाफ विकास कार्यों में कथित अनियमितताओं और सरकारी निधियों के दुरुपयोग के आरोप लगाते हुए उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। समाजवादी पार्टी के सचिव एवं सामाजिक कार्यकर्ता हमीद शेख ने मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर वर्ष 2024 से 2026 के बीच प्रस्तावित विकास कार्यों की तकनीकी और वित्तीय जांच कराने का अनुरोध किया है।

अनियमितता के आरोप

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि विधायक निधि, महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान अभियान तथा महानगरपालिका क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों के तकनीकी अनुमान और लागत पत्रकों में सरकारी मानकों तथा जिला दरसूची की अनदेखी की गई है। शिकायतकर्ता का दावा है कि कुछ कार्यों में बाजार दर से अधिक लागत दर्शाकर सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका पैदा हुई है।

कार्य गुणवत्ता पर सवाल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि कुछ स्थानों पर निविदा प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही विकास कार्य शुरू कर दिए गए। भुयारी नालों, जलवाहिनियों और सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए गए हैं। आरोप है कि तकनीकी मानकों का पालन नहीं किया जा रहा और घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।

जांच की मांग

मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में नगरविकास विभाग के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय जांच समिति गठित करने तथा जांच पूरी होने तक संबंधित प्रस्तावों पर प्रशासनिक रोक लगाने की मांग की गई है।

प्रतिक्रिया का इंतजार

हालांकि शिकायत में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। विधायक रईस शेख, संबंधित ठेकेदारों अथवा प्रशासन की ओर से इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

भिवंडी में मनपा की बड़ी कार्रवाई

खतरनाक इमारत के सात अवैध जल कनेक्शन काटे

हिंदमाता संवाददाता @ भिवंडी

मानसून के मद्देनजर संभावित हादसों को रोकने के लिए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका ने जर्जर और खतरनाक इमारतों के खिलाफ सख्त अभियान तेज कर दिया है। इसी अभियान के तहत प्रभाग समिति क्रमांक-2 अंतर्गत पिरानी पाड़ा, नदिया पार क्षेत्र स्थित एक खतरनाक घोषित इमारत के सात अवैध जल कनेक्शन काट दिए गए। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मनपा प्रशासन के अनुसार घर क्रमांक 1921/0 स्थित इमारत को पहले ही असुरक्षित और खतरनाक घोषित किया जा चुका था। इसके बावजूद भवन में लोगों के रहने और अवैध रूप से जलापूर्ति का उपयोग किए जाने की जानकारी सामने आई थी। संभावित दुर्घटना की आशंका को देखते हुए मनपा ने भवन की जलापूर्ति बंद करने का निर्णय लिया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर शांतिनगर पुलिस की मौजूदगी में प्रभाग समिति क्रमांक-2 की अतिक्रमण हटाओ टीम, जलापूर्ति विभाग और अन्य कर्मचारियों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सात अवैध नल कनेक्शन काट दिए। मनपा अधिकारियों ने बताया कि बारिश के मौसम में जर्जर इमारतों के गिरने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ऐसे भवनों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने खतरनाक घोषित इमारतों में रह रहे लोगों से जल्द सुरक्षित स्थान पर जाने और भवन खाली करने की अपील की है। मनपा ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में भी इस प्रकार की कार्रवाई और तेज की जाएगी।

कुख्यात बिल्डर गिरफ्तार, चार पर केस

दो साल से फरार चल रहे सलमान डोलारे को दबोचा

गिरफ्तारी में बाधा डालने वालों पर भी कार्रवाई

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

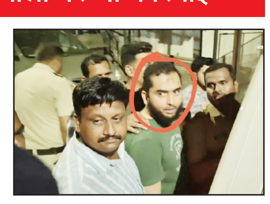

पिछले दो वर्षों से पुलिस और क्राइम ब्रांच की गिरफ्त से दूर चल रहा कुख्यात बिल्डर सलमान डोलारे आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया। जोन-3 पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया।

छापेमारी में गिरफ्तारी

पुलिस को सूचना मिली थी कि डोलारे कल्याण के दूध नाका क्षेत्र स्थित खोटाल मंजिल इमारत की चौथी मंजिल पर छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने संयुक्त छापेमारी कर उसे हिरासत में ले लिया। डोलारे पर आरक्षित भूखंडों पर अवैध निर्माण और लोगों के साथ धोखाधड़ी करने के कई गंभीर आरोप हैं।

कई मामले दर्ज

पुलिस के अनुसार सलमान डोलारे के खिलाफ महात्मा फुले और बाजारपेठ पुलिस थानों में 12 से अधिक मामले दर्ज हैं। उस पर फर्जी दस्तावेज, नकली हस्ताक्षर और जाली मुहरों के माध्यम से आरक्षित भूखंडों पर अवैध इमारतें खड़ी करने के आरोप हैं। जमीन सौदों में लोगों को ठगने और अवैध निर्माण से जुड़े कई मामलों में भी उसका नाम सामने आया है।

तनाव और मुकदमा

गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस कार्रवाई में बाधा डालने और माहौल बिगाड़ने के आरोप में खोटाल परिवार के चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

राकेश राजपुरोहित ने संभाला जिला कांग्रेस अध्यक्ष पद

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

मीरा-भायंदर जिला कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष राकेश राजपुरोहित ने रविवार को मेवाड़ वाटिका, मीरा रोड में आयोजित समारोह में पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आनंद सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे, जबकि वरिष्ठ नेता मुजफ्फर हुसैन ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। हाल ही में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए गए राकेश राजपुरोहित क्षेत्र में जलापूर्ति की समस्या को लेकर किए गए जनआंदोलन के कारण चर्चा में रहे हैं। अपने संबोधन में आनंद सिंह ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और जनसेवा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करना होगा। अध्यक्षीय भाषण में राकेश राजपुरोहित ने कहा कि पद मिलने के बाद भी वे स्वयं को जनता का कार्यकर्ता मानते हैं। उन्होंने विश्वास दिलाया कि मीरा-भायंदर की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता भंवरसिंह राजपुरोहित, नगरसेवक जय ठाकुर, पूर्व शहर अध्यक्ष प्रमोद सावंत, नगरसेवक अनिल सावंत, पूर्व शहर अध्यक्ष झुबेर इनामदार एवं कांग्रेस नेता हीरा देवसी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच पर दिनेश चंद्र उपाध्याय (एम.टेक.), जगदीश पुरोहित बसंत (आदर्श होटल्स परिवार), अर्जुनसिंह तिंवरी (अध्यक्ष, राजपुरोहित समृद्धि फाउंडेशन) आदि उपस्थित रहे।

शॉर्ट स्टोरी

एनएच-48 पर सुरक्षा सुविधाओं की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-48) पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं, यातायात अव्यवस्था और पैदल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विलास तरे ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक सुधार कार्यों की मांग की है। विधायक तरे ने एनएचएआई के मुख्य महाप्रबंधक (तकनीकी) एवं क्षेत्रीय अधिकारी अंशुमाली श्रीवास्तव से मुलाकात कर पालघर तालुका के हलोली-पाडोसपाडा, वसई के शिरसाड-भांबटपाडा तथा ब्रह्मा सेल पेट्रोल पंप क्षेत्र सहित विभिन्न स्थानों पर पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित व्यवस्था करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में बड़ी आबादी निवास करती है और स्कूली छात्र, बुजुर्ग, महिलाएं तथा मरीज प्रतिदिन जान जोखिम में डालकर सड़क पार करने को मजबूर हैं। ज्ञापन में संबंधित स्थानों पर फुट ओवरब्रिज अथवा सुरक्षित अंडरपास निर्माण की मांग की गई है। साथ ही ससूनवघर से तलासरी के आच्छाड तक पूरे मार्ग का सर्वेक्षण कर जरूरत वाले स्थानों पर पैदल पुल बनाने का प्रस्ताव भी रखा गया। विधायक ने सड़क की खराब स्थिति, गड्ढों, बढ़ते ट्रैफिक जाम और दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा उपायों की कमी पर भी चिंता जताई। इस पर एनएचएआई अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि आईआईटी मुंबई की रिपोर्ट के आधार पर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, मुंबई-वडोदरा एक्सप्रेसवे शुरू होने के बाद एनएच-48 पर यातायात का दबाव कम होने से विकास कार्यों को गति मिलेगी।

बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

वर्ली स्थित श्री सिद्धि सागर हाउसिंग सोसायटी में रविवार को श्री साईं सेवकरी न्यास और नारायण हेल्थ के सहयोग से 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। शिविर में बच्चों के दांत, कान और आंखों की जांच की गई। साथ ही बच्चों के लिए आर्ट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छह प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कैंप को सफल बनाने में डॉ. हेमाची जैन, डॉ. झरना शाह, डॉ. समरीन खान तथा नारायण हेल्थ के मार्केटिंग मैनेजर विराज वर्मा का विशेष योगदान रहा। आयोजन में संस्था के अध्यक्ष राजेंद्र अच्युत खानविलकर, श्री साईं सेवकरी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनायक पाटिल, महिला मंडल की धनश्री पेजे, नितिन सागवेकर, राजेश ठाकुर और सुरेश गोराटे सहित कई सेवाकार्यों से जुड़े लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर राजेंद्र अच्युत खानविलकर ने उपस्थित चिकित्सकों को शॉल और पौधा भेंट कर सम्मानित किया। बड़ी संख्या में सोसायटी के निवासी और बच्चों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वृक्षारोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शिवसेना प्रणीत राष्ट्रीय शिवस्वराज्य सेना एवं वर्ल्ड वाइड ह्यूमन राइट्स ए.एफ. के संयुक्त तत्वावधान में परेल स्थित प्रिं. वामनराव महाडिक उद्यान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और वृक्षारोपण को सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम शिवसेना के वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। वर्ल्ड वाइड ह्यूमन राइट्स ए.एफ. के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. अविनाश सकुंडे तथा राष्ट्रीय शिवस्वराज्य सेना के अध्यक्ष जितेंद्र दगडूदादा सकपाळ की प्रमुख उपस्थिति में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण, बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और भावी पीढ़ियों के लिए हरित विरासत सुरक्षित रखने की आवश्यकता पर उपस्थित लोगों को मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही वृक्ष संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया। आयोजकों ने बताया कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम को एफ-साउथ विभाग के महानगरपालिका प्रशासन का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

अपात्र फेरीवालों को क्यूआर कोड न देने की मांग

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई महानगरपालिका द्वारा बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश और वर्ष 2014 के सर्वेक्षण के आधार पर फेरीवालों को क्यूआर कोड जारी करने की प्रक्रिया शुरू किए जाने के बीच चेंबूर मर्चेंट एसोसिएशन ने अपात्र फेरीवालों को क्यूआर कोड न देने की मांग उठाई है। इस संबंध में एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगरसेविका एवं एम-पश्चिम प्रभाग समिति की अध्यक्ष आशाताई सुभाष मराठे तथा लाइसेंस इंस्पेक्टर रमेश साल्वे से उनके कार्यालय में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि केवल पात्र फेरीवालों को ही नियमों के तहत लाइसेंस और क्यूआर कोड जारी किए जाएं। एसोसिएशन का कहना है कि अपात्र फेरीवालों को अनुमति मिलने से शहर में यातायात, फुटपाथों पर अतिक्रमण और व्यापारिक क्षेत्रों में अव्यवस्था की समस्या और गंभीर हो सकती है। प्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई की मांग की। बैठक में चेंबूर मर्चेंट एसोसिएशन के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे और उन्होंने प्रशासन से नियमों का सख्ती से पालन कराने की अपील की।

शिवसेना में जा सकते हैं भरत गंगोत्री

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

उल्हासनगर की राजनीति में इन दिनों इस बात की चर्चा तेज है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व नगरसेवक भरत गंगोत्री जल्द ही शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों के अनुसार उनका प्रवेश उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति में होने की संभावना है। भरत गंगोत्री ने उल्हासनगर में एनसीपी संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे लंबे समय से कलानी समूह के राजनीतिक विरोधी माने जाते हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पार्टी लाइन से अलग जाकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। बाद में उन्हें पुनः पार्टी में शामिल कर जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। राजनीतिक सूत्रों का कहना है कि हाल के दिनों में समर्थकों के दबाव और बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच गंगोत्री का झुकाव शिवसेना की ओर बढ़ा है। यदि उनका प्रवेश होता है तो उल्हासनगर की राजनीति में नए समीकरण बन सकते हैं और स्थानीय राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो सकती हैं।

औद्योगिक क्षेत्र में सड़क निर्माण शुरू

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

पैनल नंबर 7 स्थित औद्योगिक क्षेत्र में वर्षों से लंबित सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ पूर्व विधायक पप्पू कलानी और महापौर अश्विनी निकम ने भूमि पूजन कर किया। भूमि पूजन के साथ ही सड़क निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया, जिससे स्थानीय उद्योगपतियों और नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जगी है। क्षेत्र की खराब सड़कों के कारण उद्योगों के संचालन, माल परिवहन और दैनिक यातायात में लंबे समय से परेशानी हो रही थी। मानसून से पहले सड़क निर्माण और मरम्मत की मांग लगातार उठाई जा रही थी। स्थानीय नागरिकों और उद्यमियों ने कई बार प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित किया था। जानकारी के अनुसार सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के प्रयासों से क्षेत्र के विकास के लिए लगभग 40 करोड़ रुपए की निधि उपलब्ध कराई गई है। इसी निधि से एक करोड़ रुपए की लागत वाली सड़क निर्माण परियोजना का कार्य शुरू किया गया है। स्थानीय व्यापारियों और उद्योगपतियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि सड़क बनने से यातायात सुगम होगा और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में राजेंद्र चौधरी, अरुण आशान, जमनादास पुरास्वानी, दुर्गा राय, संघमित्रा हजारे, कमलेश निकम और पितु राजवानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

हिंदमाता एंकर: महाराष्ट्र के विकास का कड़वा सच चिंता का कारण बना, महाराष्ट्र सरकार किसान हित में लगातार कर रही है प्रयास

51 लाख करोड़ की इकॉनमी, पर हर 3 घंटे में एक किसान की मौत!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

एक तरफ गगनचुंबी इमारतें, बुलेट ट्रेन के सपने और 51 लाख करोड़ रुपए की विशाल अर्थव्यवस्था का गौरव है, तो दूसरी तरफ उसी मिट्टी को अपने खून-पसीने से सींचने वाले किसान की खामोश चीखें। यह एक ऐसा विरोधाभास है जो दिल को झकझोर देता है भारत की आर्थिक प्रगति का इंजन कहा जाने वाला महाराष्ट्र, आज अपने ही अन्नदाताओं के लिए कब्रगाह साबित हो रहा है। जिस राज्य का देश की जीडीपी में 14% योगदान है, उसी राज्य में हर तीन घंटे में एक किसान अपनी जान दे रहा है। विकास की इस चमक के पीछे विदर्भ और मराठवाड़ा के खेतों में फैला अंधियारा आज एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

आर्थिक आंकड़ों की चमक और धरातल का अंधेरा

महाराष्ट्र वर्तमान में भारत की सबसे बड़ी राज्य अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिसका सकल राज्य घरेलू उत्पाद वर्ष 2025-26 के लिए 51,00,597 करोड़ रुपए अनुमानित है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय भी राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक 3,47,903 रुपए है। लेकिन इस समृद्धि के समानांतर, आंकड़ों का दूसरा पहलू अत्यंत भयावह है। ठउफ्फ के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1995 से 2023 के बीच भारत में 3.9 लाख से अधिक किसानों और खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की, जिसमें महाराष्ट्र लगातार शीर्ष पर रहा है। वर्ष 2025 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में ही राज्य में 767 किसान आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जिसका अर्थ है कि औसतन हर 3 घंटे में एक किसान ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इसमें से विदर्भ का हिस्सा सबसे अधिक रहा, जहां अकेले पश्चिमी विदर्भ के पांच जिलों ने 33% (257 मामले) आत्महत्याएं दर्ज कीं। मराठवाड़ा में भी स्थिति गंभीर रही, जहां इसी अवधि में 192 मामले सामने आए।

क्यों परेशान है किसान?

वर्ष 2023 में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा गया जब आत्महत्या करने वालों में खेती करने वाले मालिकों (4,690) की तुलना में खेतिहर मजदूरों (6,096) की संख्या अधिक थी। मजदूरी में असुरक्षा, मौसमी बेरोजगारी और बढ़ती खाद्य कीमतों ने भूमिहीन मजदूरों को आर्थिक रूप से तोड़ दिया है। 2026 के खरीफ सीजन में किसान तीन तरफा मार झेल रहे हैं। मध्य पूर्व में तनाव के कारण उर्वरकों की कीमतों में 40% तक की वृद्धि हुई है, जिससे प्रति एकड़ खेती की लागत 4,000 से बढ़कर 6,000 रुपए तक पहुंच गई है। वहीं, सोयाबीन जैसे उत्पादों की बाजार कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी नीचे गिर गई हैं। बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि और सूखे जैसी आपदाओं ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है। वर्ष 2025-26 में कपास उत्पादन में 47.4% की भारी गिरावट देखी गई, जो 90 लाख मीट्रिक टन से घटकर केवल 51 लाख मीट्रिक टन रह गया। किसान आत्महत्या का मुख्य कारण कर्ज का बोझ पाया गया है, जो बैंक और साहूकारों दोनों से लिया जाता है।

सरकारी प्रयास और भविष्य की राह

संकट को दूर करने के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 7.69 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया है। इसमें कृषि क्षेत्र के लिए कुछ महत्वपूर्ण पहल की गई हैं। किसानों को 7.5 एचपी तक के पंपों के लिए मुफ्त बिजली देने हेतु 20,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। खेती में तकनीक को बढ़ावा देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पायलट प्रोजेक्ट और नवाजी देशमुख कृषि संजीवनी परियोजना के दूसरे चरण पर निवेश किया जा रहा है। नदी जोड़ने वाली बड़ी सिंचाई परियोजनाओं (जैसे वैगंगा-नलगंगा) पर 88,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च करने की योजना है ताकि सूखा प्रभावित क्षेत्रों को राहत मिल सके। महाराष्ट्र का संकट यह दर्शाता है कि केवल जीडीपी की वृद्धि कृषि क्षेत्र की खुशहाली की गारंटी नहीं है। जब तक किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य और विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र नहीं मिलता, तब तक यह आर्थिक महाशक्ति अपने अन्नदाताओं के बोझ तले दबी रहेगी।

ट्रिपल अटैक की चपेट में मुंबई

टैंकर और बेस्ट की हड़ताल और बेतहाशा गर्मी मार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की झीलें और बांध पहले से ही कम जल स्तर की समस्या से जूझ रहे हैं, जिसके कारण बीएमसी ने पूरे शहर में पानी की कटौती लागू कर रखी है। इसी बीच, सेंट्रल ग्राउंड वॉटर अथॉरिटी के नए नियमों को 'सख्ती और चुनिंदा' तरीके से लागू करने के विरोध में मुंबई वॉटर टैंकर एसोसिएशन ने अनिश्चितकालीन हड़ताल का एलान कर दिया है। एसोसिएशन का कहना है कि कुआं ऑपरेटरों को जारी नोटिसों और भारी जुर्माने के कारण उनका 80 साल पुराना यह व्यवसाय अब पूरी तरह संकट में है। इस हड़ताल के कारण सबसे बड़ा झटका मुंबई की बड़ी-बड़ी निर्माण परियोजनाओं, झुग्गी बस्तियों, होटलों और बीएमसी के अस्पतालों की आवश्यक जलापूर्ति को लगने वाला है। पानी के इस गहरे संकट पर विपक्ष ने मौजूदा महायुति सरकार की घेराबंदी शुरू कर दी है।

आदित्य ठाकरे का सरकार पर हमला

शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तीखा हमला बोलते हुए लिखा कि मुंबई में कहने को तो 10% पानी की कटौती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ इलाकों में इससे कहीं ज्यादा भयावह है। उन्होंने सीधे तौर पर भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि अगर बीजेपी सरकार ने साल 2022 में उनके डिसेलिनेशन प्रोजेक्ट (समुद्री पानी को मीठा बनाने की परियोजना) को रद्द नहीं किया होता, तो वह साल 2025 तक चालू हो जाता और आज मुंबईकरों को पानी के लिए तरसना नहीं पड़ता। ठाकरे ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से इन नियमों में तुरंत हस्तक्षेप और ढील देने की मांग की है।

'बीईएसटी' बसों के थम सकते हैं चक्के

पानी के इस हाहाकार के बीच मुंबई की दूसरी सबसे बड़ी लाइफलाइन 'बेस्ट' बस सेवा में भी एक बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बेस्ट के ट्रांसपोर्ट और बिजली विभागों की एडमिनिस्ट्रेटिव व फाइनेंशियल हालत लगातार खराब होने, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से रिटायर्ड कर्मचारियों का बकाया एरियर न मिलने के कारण मजदूरों में भारी गुस्सा है। बेस्ट की 12 अलग-अलग लेबर यूनियनों ने मिलकर एक 'एक्शन कमेटी' का गठन किया है और अपनी मांगों को पूरा करने के लिए प्रशासन को 18 जून तक का अंतिम समय दिया है। कमेटी ने साफ चेतावनी दी है कि यदि तय समय सीमा में ठोस समाधान नहीं निकला, तो पूरे मुंबई में बेस्ट बसों की अनिश्चितकालीन हड़ताल कर दी जाएगी।

सीएम की हाई-लेवल मीटिंग

इस दोहरे प्रशासनिक संकट के बीच प्रकृति की मार भी मुंबई पर भारी पड़ रही है। आमतौर पर 10 जून तक मुंबई में दस्तक देने वाला मानसून 8 जून बीत जाने के बाद भी सक्रिय नहीं हुआ है, जिससे उमस और तापमान में कोई गिरावट नहीं आई है। इस बीच, प्रशासनिक मोर्चे पर स्थिति को संभालने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक अहम बैठक की। मुख्यमंत्री ने बेस्ट बस डिपो के आधुनिकीकरण और पुनर्विकास के मद्देनजर निर्देश दिए कि कोई भी नीति बनाते समय आम लोगों के हित और कर्मचारियों के कल्याण को सर्वोपरि रखा जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि बेस्ट को संकट से उबारना केवल किसी एक संस्था की नहीं, बल्कि राज्य सरकार और बीएमसी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुंबई के ऐतिहासिक जिमखानों पर सरकारी शिकंजा!

• लीज रिन्यूअल के लिए महाराष्ट्र सरकार ने तैयार की सख्त शर्तें

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के ऐतिहासिक जिमखानों और क्लबों के लिए आने वाले दिनों में नियम और शर्तें काफी बदल सकती हैं। महाराष्ट्र सरकार ने सरकारी जमीन पर बने 16 जिमखानों की लीज (पट्टा) के नवीनीकरण के लिए कई नई और सख्त शर्तें प्रस्तावित की हैं। इन प्रस्तावों के तहत सरकार क्लबों के प्रशासन और संचालन में अधिक भूमिका चाहती है। यदि ये प्रस्ताव लागू होते हैं, तो मुंबई के कई प्रतिष्ठित जिमखानों की कार्यप्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित नियमों में प्रत्येक जिमखाना की प्रबंधन समिति में जिला कलेक्टर को पदेन सदस्य के रूप में शामिल करने का सुझाव दिया गया है। इतना ही नहीं, कलेक्टर द्वारा दी गई सिफारिशों को क्लबों के लिए बाध्यकारी बनाने की भी योजना है। इसके अलावा जिला कलेक्टर को हर साल कम से कम पांच लोगों को स्थायी सदस्यता या सेवा सदस्यता को स्थायी सदस्यता में बदलने की सिफारिश करने का अधिकार भी दिया जा सकता है।

ब्रिटिश शासन के दौरान दिया गया था पट्टे पर

महाराष्ट्र सरकार ने यह भी प्रस्ताव रखा है कि जिमखाना परिसर का उपयोग हर वर्ष अधिकतम पांच दिनों तक सरकारी कार्यक्रमों और सार्वजनिक आयोजनों के लिए किया जा सके। चुनाव, प्राकृतिक आपदा या अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में भी सरकार इन परिसरों का उपयोग कर सकेगी। मुंबई के 16 जिमखाने ऐसी जमीनों पर बने हैं जो कलेक्टर के स्वामित्व में हैं और जिन्हें ब्रिटिश शासन के दौरान पट्टे पर दिया गया था। इनमें बॉम्बे जिमखाना, इस्लाम जिमखाना, पारसी जिमखाना और हिंदू जिमखाना जैसे प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। इनमें से कई संस्थाओं की लीज अवधि समाप्त हो चुकी है और उनका नवीनीकरण लंबित है। राजस्व से जुड़े नियमों में भी बड़े बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। नई व्यवस्था के तहत जिमखानों को खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए प्रति वर्ष अधिकतम 45 दिनों की अनुमति होगी। साथ ही आयोजनों के लिए प्रतिदिन 50 हजार रुपए से लेकर 1.5 लाख रुपए तक का लाइसेंस शुल्क भी देना पड़ सकता है। वर्तमान में जिमखाने केवल नाममात्र का लीज किराया देते हैं और आयोजनों के लिए कोई लाइसेंस शुल्क नहीं चुकाते।

हर 5 वर्ष में की जाएगी समीक्षा

सरकार बाजार दरों के आधार पर लीज किराया तय करने पर भी विचार कर रही है, जिसकी समीक्षा हर पांच वर्ष में की जाएगी। इस संबंध में राजस्व एवं वन विभाग ने जुलाई 2025 में पहली अधिसूचना जारी की थी। इसके बाद फरवरी 2026 में राज्य सरकार ने जिमखानों और क्लबों की मौजूदा नीतियों की समीक्षा के लिए एक अध्ययन समूह का गठन किया। जिमखाना प्रतिनिधियों का कहना है कि वे सरकार के साथ बातचीत कर रहे हैं ताकि कोई ऐसा समाधान निकले जिससे क्लबों की स्वायत्तता भी बनी रहे और सरकार की अपेक्षाएं भी पूरी हो सकें। उनका तर्क है कि मुंबई के जिमखाने केवल खेल गतिविधियों के केंद्र नहीं हैं, बल्कि शहर की खेल और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा भी हैं। वहीं कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार को लीज नवीनीकरण के दौरान उचित शर्तें लगाने का अधिकार है, लेकिन क्लबों के आंतरिक प्रबंधन में हस्तक्षेप को लेकर कानूनी विवाद खड़े हो सकते हैं।

मुंबई में बंदूकों पर 'नो एंट्री'

पुलिस ने रद्द किए 524 हथियार लाइसेंस

ढाई साल में सिर्फ 87 को हरी झंडी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई जैसे घने और संवेदनशील महानगर में सार्वजनिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए मुंबई पुलिस ने हथियार संस्कृति को हतोत्साहित करने का मन बना लिया है। पिछले ढाई वर्षों के भीतर शहर में कुल 1 हजार 538 लाइसेंसी हथियारों की फाइलों को दोबारा खोला गया और उनकी पात्रता की बारीकी से जांच की गई। पुलिस कमिश्नरेट द्वारा की गई इस व्यापक और गहन समीक्षा के बाद कुल 524 हथियार धारकों के लाइसेंस नियमों के उल्लंघन या पात्रता की कमी के कारण रद्द कर दिए गए हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में सबसे अधिक 255 लाइसेंस निरस्त किए गए, जबकि वर्ष 2025 में 242 और चालू वर्ष 2026 में 31 मार्च तक 27 और लाइसेंसों को रद्द सूची में डाल दिया गया है।

नए आवेदनों पर पुलिस का कड़ा पहरा

एक तरफ जहां पुराने और संदिग्ध लाइसेंसों को तेजी से निरस्त किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ नए हथियार लाइसेंस हासिल करना अब मुंबई में लगभग नामुमकिन सा हो गया है। पिछले ढाई सालों में पुलिस के पास आए हजारों आवेदनों में से केवल 87 आवेदकों को ही आत्मरक्षा के लिए असलहा रखने की अनुमति दी गई है। साल दर साल के आंकड़ों को देखें तो वर्ष 2024 में महज 17, वर्ष 2025 में कुछ ढील के साथ 66 और वर्ष 2026 में 31 मार्च तक केवल 4 नए हथियार लाइसेंस ही जारी किए जा सके हैं। पुलिस उपायुक्त स्तर के अधिकारियों की देखरेख में अब हर एक आवेदन की कड़ाई से स्क्रूटनी की जा रही है।

पुलिस प्रशासन हुआ और भी सख्त

मुंबई पुलिस के इस आक्रामक रुख के पीछे पूर्व में हुई कुछ गंभीर और झकझोर देने वाली आपराधिक घटनाएं भी हैं। शिवसेना के नेता अभिषेक घोसालकर की सरेआम हुई हत्या के बाद लाइसेंसी हथियारों के दुरुपयोग का मुद्दा बेहद गरमा गया था। इस वीभत्स हत्याकांड से सबक लेते हुए मुंबई पुलिस ने तुरंत कदम उठाए और त्वरित जांच के बाद वीआईपी सुरक्षा तथा अन्य कारणों का हवाला देकर हथियार रखने वाले 22 रसूखदार लोगों के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए थे। इस घटना के बाद से ही शहर के सभी थानों को अपने-अपने क्षेत्रों में लाइसेंसी हथियारों की नियमित निगरानी के निर्देश दिए गए हैं।

आपराधिक रिकॉर्ड का हो रहा है कड़ा सत्यापन

हथियार लाइसेंस के नवीनीकरण और नए आवेदनों को लेकर मुंबई पुलिस ने जो नई गाइडलाइन अपनाई है, उसके तहत अब 'बैकग्राउंड वेरिफिकेशन' को सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यदि किसी लाइसेंस धारक के खिलाफ कोई छोटा सा भी आपराधिक मामला दर्ज होता है, तो उसका लाइसेंस तुरंत निलंबित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाती है। इसके अलावा, आवेदक को पुलिस के समक्ष यह ठोस सबूत के साथ साबित करना होता है कि उसकी जान को वास्तव में कोई बड़ा और वास्तविक खतरा है। केवल स्टेटस सिंबल या प्रभाव जमाने के लिए बंदूक रखने का शौक पालने वालों के आवेदनों को पुलिस सीधे सिरे से खारिज कर रही है।

मुंबई मेट्रो-1 ने पूरे किए शानदार 12 साल!

125 करोड़ यात्रियों की बनी लाइफलाइन

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई की पहली मेट्रो सेवा मुंबई मेट्रो-1 ने सफल संचालन के 12 वर्ष पूरे कर लिए हैं। जून 2014 में शुरू हुई इस सेवा ने अब तक 125 करोड़ से अधिक यात्रियों को सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक सफर उपलब्ध कराया है। मेट्रो ने 99.99 प्रतिशत समय पालन और शून्य मृत्यु दुर्घटना का रिकॉर्ड कायम कर यात्रियों का भरोसा मजबूत किया है। स्थापना दिवस के अवसर पर मुंबई मेट्रो वन ने 'वन नेशन, वन कार्ड' पहल के तहत एनसीएमसी लांच कर सार्वजनिक परिवहन को और अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे मुंबई सहित देशभर के विभिन्न परिवहन नेटवर्क में यात्रियों को निर्बाध यात्रा और डिजिटल भुगतान की सुविधा मिल सकेगी।

बड़ा रिकॉर्ड दर्ज

एमएमओपीएल के अनुसार पिछले 12 वर्षों में मुंबई मेट्रो-1 ने शहर की शहरी परिवहन व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव लाते हुए लोगों, व्यवसायों और रोजगार के अवसरों को जोड़ने का काम किया है। मेट्रो ने अब तक 15 लाख से अधिक ट्रिप्स संचालित की हैं, जबकि 5.79 लाख यात्रियों की सर्वाधिक एकदिवसीय सवारी का रिकॉर्ड भी दर्ज किया है। इसके अलावा स्टेशनों को आधुनिक रिटेल और यात्री सुविधा केंद्रों के रूप में विकसित किया गया है। इसी के साथ ही यात्रियों की सुविधा के लिए कई तकनीक आधारित नवाचार लागू किए गए हैं। यात्री सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मुंबई मेट्रो-1 को भारत सरकार के आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 'मेट्रो रेल सर्वश्रेष्ठ यात्री सेवा एवं संतुष्टि' उत्कृष्टता पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

मुंबई मेट्रो ने लॉच किया एनसीएमसी कार्ड

मुंबई मेट्रो-1 के स्थापना दिवस के अवसर पर एमएमओपीएल ने एयरटेल पेमेंट्स बैंक के साथ मिलकर सह-ब्रांडेड रुपे 'ऑन-द-गो' नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड पांच किया। यह कार्ड एक ही माध्यम से विभिन्न सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में यात्रा और डिजिटल भुगतान की सुविधा प्रदान करेगा। शुरूआती चरण में इसका उपयोग मुंबई मेट्रों लाइन-1, मेट्रो लाइन 2ए और 7, मेट्रो लाइन-3, बेस्ट बसों और आगामी मोनोरेल नेटवर्क में किया जा सकेगा। एमएमओपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्यामंतक चौधरी ने बताया कि 125 करोड़ से अधिक यात्रियों का भरोसा कंपनी को लगातार बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रेरित करता है।

36 हजार करोड़ की कर्जमाफी से सरकार ने निभाया वादा

अमरावती में बोले चंद्रशेखर बावनकुले

हिंदमाता नेटवर्क @ अमरावती

राज्य सरकार ने चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे के अनुसार किसानों के लिए अब तक की सबसे बड़ी कर्जमाफी लागू की है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार के नेतृत्व में 36 हजार करोड़ रुपए किसानों की कर्जमाफी के लिए मंजूर किए गए हैं इस तरह के वक्तव्य जिले के पालकमंत्री व राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने कहे। वे सोमवार को जिले के दौरे पर थे। मीडिया से बातचीत करते हुए बावनकुले ने कहा कि सरकार किसानों को दोबारा कर्ज के बोझ तले न दबना पड़े, इसके लिए भी नई नीतियां बना रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि महायुति सरकार हमेशा किसानों के साथ खड़ी रही है और आगे भी रहेगी। पालकमंत्री आगामी विधान परिषद चुनाव को लेकर शहर के एक होटल में पहुंचे थे। वे पदाधिकारियों से चर्चा के बाद पत्रकारों से बोल रहे थे। इस समय उनके साथ सांसद डॉ। अनिल बोंडे, प्रविण पोटे, विधायक भारसाकले, डॉ. नितिन धांडे, जयंत डेहनकर सहित भाजपा के पदाधिकारी व अन्य कार्यकर्ता मौजुद थे।

सरकार पूरी तरह मजबूत और एकजुट

बच्चू कडू की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए बावनकुले ने कहा कि महायुति सरकार पूरी तरह मजबूत और एकजुट है। उन्होंने कहा कि देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के निर्विवाद नेता और मुख्यमंत्री हैं तथा उन्हें दिल्ली भेजने का निर्णय लेने का अधिकार किसी को नहीं है।

प्रविण पोटे की जीत बनाएगी नया रिकॉर्ड

विधान परिषद चुनाव को लेकर उन्होंने दावा किया कि भाजपा उम्मीदवार प्रवीण पोटे ऐतिहासिक मतों से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रवीण पोटे सर्वसमावेशक उम्मीदवार हैं और उनके विजय का नया रिकॉर्ड बनेगा।

नवनीत राणा कभी नहीं छोड़ेंगी भाजपा

पूर्व सांसद नवनीत राणा के संबंध में बावनकुले ने कहा कि वह भाजपा की निष्ठावान और कट्टर हिंदुत्ववादी नेता हैं। उन्होंने कहा कि नवनीत राणा कभी भाजपा नहीं छोड़ेंगी और पार्टी उचित समय पर उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर निर्णय करेगी।

बाबा कोकणी पुलिस हिरासत में

जमीन विवाद में कोयते से जानलेवा हमला करने का प्रयास

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

जमीन के स्वामित्व अधिकार को लेकर चल रहे न्यायालयीन विवाद के चलते एक व्यक्ति पर कोयते से जानलेवा हमला करने का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया है। इस प्रकरण में भद्रकाली पुलिस ने आरोपी अब्दुल लतीफ यासीन कोकणी उर्फ बाबा कोकणी को हिरासत में लेकर उसके विरुद्ध मामला दर्ज किया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद क्षेत्र में काफी चर्चा रही। इस मामले में समी जैनुल आबेदिन कोकणी (उम्र 42, फाल्के रोड, पुराना नाशिक) ने भद्रकाली पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता और आरोपी के बीच कोकणीपुरा स्थित एक जमीन के स्वामित्व को लेकर न्यायालय में मामला लंबित है। इसी विवाद की रंजिश में यह घटना घटी। शिकायतकर्ता समी कोकणी 3 जून की रात लगभग साढ़े 9 बजे कोकणीपुरा स्थित अपनी नानी के घर जा रहे थे। उसी दौरान आरोपी बाबा कोकणी मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और उन्हें धमकाते हुए अपशब्द कहे। इसके बाद वह वहां से चला गया, लेकिन कुछ देर बाद हाथ में कोयता लेकर दोबारा लौट आया।

न्यायालयीन विवाद के बीच जान से मारने की धमकी

आरोप है कि उसने समी कोकणी और उनकी पत्नी के साथ गाली-गलौज करते हुए आज खत्म कर देता हूं कहकर कोयते से हमला करने का प्रयास किया। लेकिन समी कोकणी ने सतर्कता दिखाते हुए पीछे हटकर खुद को बचा लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटनास्थल पर मौजूद शिकायतकर्ता के ममेरे भाई साजिद इब्नेअली खतीब ने तत्काल हस्तक्षेप कर उन्हें सुरक्षित घर के भीतर पहुंचाया।

भद्रकाली पुलिस ने दर्ज किया मामला

शिकायत के अनुसार, इसके बाद भी आरोपी हाथ में कोयता लेकर चौक में खड़ा रहा और जान से मारने की धमकियां देता रहा। भद्रकाली पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है तथा आगे की जांच जारी है। जमीन विवाद से जुड़े इस घटनाक्रम के बाद कोकणीपुरा क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया था।

944 करोड़ का फोर लेन हाईवे एनएच-753एल बनकर तैयार!

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

भारतमाला परियोजना के तहत विकसित किया जा रहा एनएच-753एल बोरगांव-शाहपुर फोरलेन हाईवे महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच संपर्क को अधिक तेज और सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। लगभग 944 करोड़ रुपए की लागत से बन रहे इस 47 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है और करीब 85 प्रतिशत काम पूरा हो गया है। हाईवे के शुरू होने के बाद न केवल दोनों राज्यों के बीच यात्रा का समय कम होगा, बल्कि खंडवा और बुरहानपुर जैसे कृषि प्रधान जिलों के लिए विकास, व्यापार और आय बढ़ाने के नए अवसर भी पैदा होंगे।

किसानों को होगा सीधा फायदा

यह फोरलेन हाईवे किसानों के लिए बड़ी राहत साबित होगा। खंडवा और बुरहानपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर केला, कपास, सोयाबीन और गेहूं का उत्पादन किया जाता है। वर्तमान में किसानों को अपनी उपज बाजारों तक पहुंचाने के लिए संकरी और खराब सड़कों का उपयोग करना पड़ता है, जिससे परिवहन में अधिक समय और खर्च लगता है। नए हाईवे के चालू होने के बाद कृषि उपज कम समय में मंडियों और प्रमुख बाजारों तक पहुंच सकेगी। इससे परिवहन लागत कम होगी और किसानों को अपनी फसलों का बेहतर मूल्य मिलने की संभावना बढ़ेगी। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस परियोजना से पूरे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

केला उत्पादकों को मिलेगा सबसे ज्यादा लाभ

खंडवा और बुरहानपुर देश के प्रमुख केला उत्पादक जिलों में शामिल हैं। इस क्षेत्र में हर वर्ष 17 लाख मीट्रिक टन से अधिक केले का उत्पादन होता है। यहां से प्रतिदिन लगभग 140 ट्रक विभिन्न बाजारों और बंदरगाहों के लिए रवाना होते हैं। अब तक खराब सड़क व्यवस्था के कारण परिवहन में अधिक समय और खर्च लगता था, लेकिन फोरलेन हाईवे के पूरा होने के बाद माल ढुलाई तेज और आसान हो जाएगी। इससे केले के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होने की उम्मीद है।

व्यापार और उद्योग को मिलेगा नया बल

1 रेलवे ओवरब्रिज, 7 बड़े पुल, 20 छोटे पुल, 98 पुलिया, 14 अंडरपास, 26 किलोमीटर लंबा बायपास, 19 किलोमीटर लंबी सर्विस रोड, यह मार्ग महाराष्ट्र के मुक्ताईनगर से जुड़ेगा और इंदौर, खंडवा, बुरहानपुर, जलगांव, छत्रपति संभाजीनगर सहित कई महत्वपूर्ण शहरों को मजबूत सड़क नेटवर्क से जोड़ेगा। इसके चलते माल परिवहन तेज होगा, व्यापारियों की लागत कम होगी और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही नए उद्योगों, निवेश और व्यावसायिक अवसरों को भी बढ़ावा मिलेगा। यह फोरलेन हाईवे केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि भविष्य में एक महत्वपूर्ण आर्थिक कॉरिडोर के रूप में विकसित हो सकता है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और छोटे शहरों को बड़े बाजारों से सीधा जुड़ाव मिलेगा।

अकोला में चार दिनों में पहुंचेगा 7101 मीट्रिक टन यूरिया

किसानों को बड़ी राहत, प्रशासन सतर्क

हिंदमाता नेटवर्क @ अकोला

खरीफ सीजन की तैयारियों के बीच अकोला जिले के किसानों के लिए राहतभरी खबर है। आगामी चार दिनों में जिले में कुल 7,101 मीट्रिक टन यूरिया उर्वरक उपलब्ध कराया जाएगा। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि खाद की उपलब्धता पर्याप्त रहेगी, इसलिए किसानों को घबराकर या आवश्यकता से अधिक यूरिया खरीदने की जरूरत नहीं है। प्रशासन द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, अगले दो दिनों में 5,801 मीट्रिक टन यूरिया जिले में पहुंचने वाला है। इसमें नेशनल फर्टिलाइजर्स लि। (एनएफएल) से 1,976 मीट्रिक टन, राष्ट्रीय केमिकल्स एंड फर्टिलाइजर्स (आरसीएफ) से 2,600 मीट्रिक टन तथा संरक्षित भंडार (बफर स्टॉक) के अंतर्गत स्वीकृत 2,450 मीट्रिक टन में से 1,225 मीट्रिक टन यूरिया शामिल है। इसके अतिरिक्त अगले चरण में नर्मदा बायो केम कंपनी द्वारा 1,300 मीट्रिक टन यूरिया की आपूर्ति की जाएगी। इस प्रकार कुल मिलाकर अगले पांच दिनों में जिले को 7,101 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध होगा, जिससे सभी तहसीलों के किसानों को लाभ मिलेगा।

पर्याप्त भंडार, घबराने की जरूरत नहीं

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अपनी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक खरीदें। विभाग का कहना है कि खाद की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है और जिले में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। अनावश्यक और अग्रिम खरीदारी से अन्य किसानों को परेशानी हो सकती है।

खाद उपलब्धता पर प्रशासन की नजर

कृषि विकास अधिकारी डॉ. तुषार जाधव ने बताया कि जिले को स्वीकृत आवंटन के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें और आवश्यकता के अनुसार ही यूरिया खरीदें। प्रशासन की ओर से खाद वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि खरीफ सीजन के दौरान किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

हिंदमाता एंकरः जानिए ठाणे के सोहनलाल जैन मामले का पूरा सच

बेटे की अंतर-जातीय शादी पर पूरे परिवार का बहिष्कार

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

ठाणे के पांचपाखाडी, नामदेववाडी इलाके में रहने वाले सोहनलाल जैन और उनके परिवार को पिछले लगभग एक साल से अपने ही समुदाय द्वारा कठोर सामाजिक बहिष्कार का सामना करना पड़ रहा है। इस विवाद की मुख्य वजह उनके बेटे द्वारा किया गया अंतर-जातीय या अंतर-पंथीय विवाह है।

छप्पन बागड़ ट्रस्ट का दमनकारी फरमान

पीड़ित परिवार के अनुसार, छप्पन बागड़ नामक ट्रस्ट ने उनके खिलाफ यह दमनकारी फरमान जारी किया है। इस बहिष्कार की योजना विवाह से पहले ही बना ली गई थी। शादी से पहले एक बैठक आयोजित की गई जिसमें पूरे समाज को सख्त निर्देश दिए गए कि कोई भी इस विवाह समारोह में शामिल न हो। जो लोग इस चेतावनी के बावजूद शादी में शामिल हुए, उन पर 11,000 से 15,000 रुपए तक का भारी जुमार्ना लगाया गया और उनसे जबरन लिखित माफीनामा भी लिया गया। ट्रस्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति इस परिवार को किसी कार्यक्रम में आमंत्रित करता है, तो उसे भी समाज से बहिष्कृत कर दिया जाएगा।

करीबी रिश्तेदार मिलने से कतराते हैं

इस बहिष्कार का असर इतना व्यापक है कि परिवार के करीबी रिश्तेदार भी उनसे सीधे मिलने से कतराते हैं। सूत्रों के अनुसार, यदि कभी उन्हें किसी निजी पारिवारिक कार्यक्रम में बुलाया भी जाता है, तो उनसे शर्त रखी जाती है कि वे घर के भीतर ही रहें और सार्वजनिक रूप से बाहर न निकलें। हाल ही में मुंबई में आयोजित जैन समुदाय के एक बड़े सम्मेलन में भी इस परिवार को पूरी तरह अनदेखा किया गया और आमंत्रित नहीं किया गया।

वसूली, धमकी और अपमानजनक व्यवहार के आरोप

कानूनी स्थिति की बात करें तो सोहनलाल जैन ने ठाणे के नौपाड़ा पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उनके कानूनी सलाहकार का तर्क है कि यह मामला महाराष्ट्र सामाजिक बहिष्कार विरोधी कानून 2016 के तहत एक गंभीर और संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। शिकायत में वसूली, धमकी और अपमानजनक व्यवहार के भी आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, पीड़ित परिवार का यह गंभीर आरोप है कि पुलिस ने शिकायत मिलने के बावजूद अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की है और न ही दोषियों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई की है। यह मामला समाज में व्याप्त रूढ़िवादी प्रथाओं और कानून के प्रवर्तन में होने वाली सुस्ती को उजागर करता है।

नागपुर में हिंदू दिखने के लिए उतारे जूते

मंदिर में जोड़े हाथ और उड़ा ले गए माता का मंगलसूत्र

हिंदमाता नेटवर्क @ नागपुर

मंदिर से सोने का हार चुराने के लिए चोरों ने पहचान छिपाने की नाकाम कोशिश की लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। घटना महाराष्ट्र के नागपुर में मौजूद धंतोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र के तहत आने वाले यशवंत स्टेडियम इलाके का है। दो मुस्लिम चोर जूते उतारकर मंदिर में घुसे। देवी मां को प्रणाम किया और फिर उनके गले से हार लेकर फरार हो गए। पूरा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया। जांच में पुलिस को जानकारी मिली कि खुद को हिंदू बताने के लिए चोरों ने देवी मां के सामने हाथ जोड़े थे, ताकि सबको लगे कि चोर हिंदू थे। लेकिन दोनों चोरों की यह शातिर तरकीब काम नहीं आई और दोनों को पुलिस ने पकड़ लिया। उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों चोरों के नाम इरफान शेख और सोहेल लाला शेख बताए गए हैं। सीसीटीवी में गुमराह करने के लिए उन्होंने मंदिर में हाथ भी जोड़े थे।नागपुर पुलिस ने देवी के मंदिर से सोने के गहने चुराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उन्होंने कई चोरियां करना कबूल किया है। पुलिस ने चोरों के पास से करीब 50 हजार रुपए जब्त किए हैं। दरअसल, 'मां भवानी देवी' मंदिर से मंगलसूत्र चोरी होने की घटना 1 जून को हुई थी। इसकी जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

दैनिक हिंदमाता मिरर
पैनी नजर, पुख्ता खबर
ठाणे, मंगलवार 9 जून, 2026
माइंड MIRROR

विचार प्रवाह

सत्य एक डेबिट कार्ड है- पहले कीमत चुकाएं और बाद में आनंद लें। झूठ एक क्रेडिट कार्ड है- पहले आनंद लें और बाद में कीमत चुकाएं।

– ब्रह्माकुमारी शिवानी

संपादकीय

कॉकरोच पार्टी के मुद्दों पर विचार की जरूरत

मुख्य न्यायाधीश की कॉकरोच वाली टिप्पणी के प्रतिरोध में व्यंग्यात्मक रूप में अस्तित्व में आई कॉकरोच जनता पार्टी ने आखिरकार आभासी दुनिया से निकलकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर दस्तक दे ही दी। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के दिल्ली पहुंचने और हजारों युवाओं की भागीदारी के बाद शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ प्रदर्शन समाप्त हो गया। सीजेपी का आरोप है कि नीट परीक्षा रद्द होने के बाद कई छात्रों ने आत्महत्या की है। पिछले दिनों सीजेआई द्वारा 'फेक डिग्री वाले युवाओं' की तुलना कॉकरोच से करने के बाद ऑनलाइन व्यंग्यात्मक आंदोलन के जमीन पर उतरने और विपक्षी दलों के समर्थन ने निश्चय ही सरकार की चिंता बढ़ाई है। ऑनलाइन मूवमेंट को लाखों युवाओं का समर्थन मिलने के बाद सरकार ने पहले सख्ती भी दिखायी थी। जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद अभिजीत दीपके ने सरकार को सात दिन का समय देने की बात कही। साथ ही इसे महज एक ट्रेलर बताया है। उनकी दलील थी कि यह पार्टी योजनाबद्ध नहीं, स्वतःस्फूर्त पार्टी है और सरकार से नाराज हर छात्र की आवाज बनेगी। पार्टी ने देश में युवाओं को रोजगार न मिलने का आरोप भी लगाया। पार्टी का मानना है कि सरकार शिक्षा व्यवस्था सुधारने में तो नाकाम रही ही है, लेकिन उन परीक्षाओं को भी पारदर्शी ढंग से आयोजित नहीं कर पा रही है, जो देश के लाखों युवाओं का भविष्य तय करते हैं। यह भी कि व्यवस्था की विफलता से लाखों युवाओं के सपने टूटे हैं, जो अब कॉकरोच को प्रतिरोध का प्रतीक बनाकर विरोध जता रहे हैं। राजनीति के पंडित जंतर-मंतर में सीजेपी को प्रदर्शन के लिये अनुमति दिए जाने पर हैरानी जता रहे हैं। उनका मानना है कि पड़ोसी देशों में जेन जी पर हुई सख्ती के बाद उग्र होने वाले आंदोलन सरकार को याद आए हैं, यही वजह है कि उसने कुछ उदारता बरती है। साथ ही यह भी कोशिश है कि देश के लाखों परिवारों से जुड़ा पेपर लीक का गुस्सा किसी तरह शांत हो जाए। यूं तो विषम आर्थिक परिस्थितियों में बेरोजगारी तो बढ़ी है, साथ ही रोजगार देने वाली व्यवस्था की विफलता देश के युवाओं को अशांत कर रही है। वे अपने भविष्य को लेकर खासे चिंतित हैं। इसीलिए शिक्षा और रोजगार देने वाली व्यवस्था का मुद्दा युवाओं को प्रभावित कर रहा है। विपक्षी राजनीतिक दल आरोप लगा रहे हैं कि यह आंदोलन युवा अशांति, जवाबदेही और असहमति की स्वतंत्रता का प्रतीक बन रहा है। तभी युवाओं ने हेय दृष्टि से देखे जाने वाले जीव कॉकरोच यानी तिलचट्टे को जीवटता के प्रतीक के रूप में परिभाषित किया है। यह बताने की कोशिश कि मुश्किल हालात में भी वे अपनी बात को रखते रहेंगे। युवाओं का मानना है कि पार्टी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अंकुश लगाना डिजिटल लोकतंत्र को नियंत्रित करने का प्रयास है। युवाओं की मांग है कि स्वस्थ लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त असहमति को शांतिपूर्ण ढंग से स्वीकार किया जाए। कहा जा रहा है कि कॉकरोच आंदोलन ने लोकतंत्र के सभी हितधारकों मसलन राजनीतिक वर्ग, नौकरशाही, न्यायपालिका तथा मीडिया को आत्मनिरीक्षण का मौका दिया है।

आज का इतिहास

- 1964 - लाल बहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने।
- 1999 - कुली ओडैजो (द. अफ्रीका) माउंट एवरेस्ट पर दक्षिण तथा उत्तर दोनों छोर से चढ़ाई करने वाली विश्व की प्रथम महिला बनीं, युगोस्लाविया एवं नाटो के बीच कोसोवो में सर्बियाई सैनिक वापस बुलाने पर सहमति।
- 2001 - ईरान में मोहम्मद खातमी की पुनः जीत, बेनजीर भुट्टो को तीन साल की सजा।
- 2006 - म्यूनिख में विश्व कप फुटबाल की रंगारंग शुरूआत।
- 2008 -केंद्रशासित क्षेत्र प्रशासन ने चंडीगढ़ को तम्बाकू मुक्त घोषित किया। अमेरिका की एक ऊर्जा कम्पनी ने पवन ऊर्जा के टरबाइन निर्मित करने वाली कम्पनी सुजलान एनर्जी लिमिटेड के 160 मेगावाट्स खरीदने का आर्डर रद्द कर दिया। फिल्म अभिनेता शाहरुख खान ने नौवें इंटरनेशनल इण्डियन फिल्म एकेडमी (आईफा) पुरस्कार समारोह में फिल्म 'चक दे इण्डिया' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता।
- 1959 - डॉ. किरण मार्टिन - बच्चों की चिकित्सक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं।
- 1913 - चौधरी दिगम्बर सिंह - स्वतंत्रता सेनानी और प्रसिद्ध नेता।
- 1949 - किरण बेदी, भारत की प्रथम महिला आइ.पी.एस
- 1975 - अमीषा पटेल, हिन्दी चलचित्र अभिनेत्र।
- 1981 - अनुष्का शंकर, भारतीय संगीतकार।
- 1985 - सोनम कपूर, हिन्दी चलचित्र अभिनेत्री।
- 1942 - अनिल मनीभाई नाईक - भारतीय उद्योगपति और भारतीय इंजीनियरिंग समूह 'लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड' के अध्यक्ष हैं।
- 1931 - नंदिनी सतपथी - उड़ीसा की महिला मुख्यमंत्री तथा लेखिका।
- 1912 - वसन्त देसाई - भारतीय सिनेमा जगत के प्रसिद्ध संगीतकार थे।
- 1909 - लक्ष्मण प्रसाद दुबे - छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता सेनानियों में से एक।
- 1933 - अजित शंकर चौधरी - सुप्रसिद्ध भारतीय कवि, संस्मरणकार, कहानीकार, उपन्यासकार तथा सहृदय समीक्षक थे।
- 1900 - बिरसा मुंडा - आदिवासी नेता और लोकनायक।
- 1931 - हरि किशन सरहदी - भारत के प्रसिद्ध शहीद स्वतंत्रता सेनानी।
- 1934 - दिनेश चंद्र मजूमदार - भारत के अमर शहीद प्रसिद्ध क्रांतिकारी।
- 1936 - अब्बास तैयबजी - भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारी थे।
- 1990 - असद भोपाली - प्रसिद्ध गीतकार और शायर थे।
- 1991 - राज खोसला - हिंदी फिल्मों में शीर्ष निर्देशक, निर्माणकर्ता और पटकथाकारों में से एक थे।
- 1993 - सत्यन बोस, हिन्दी चलचित्र निर्देशक (चलती का नाम गाड़ी)।
- 1994 - धीरेन्द्र ब्रह्मचारी - भारतीय योगाचार्य थे। उनका बचपन का नाम 'धीरचन्द्र चौधरी' था।
- 1995 - एन.जी. रंगा - भारत के स्वतंत्रता सेनानी, सांसद तथा प्रसिद्ध किसान नेता
- 2011 - मकबूल फि दा हुसैन - महाराष्ट्र के प्रसिद्ध चित्रकार

होर्मुज पर ट्रंप की हार

ईरान-अमेरिका गतिरोध, समझौते की उलझन

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 23 मई को इंटरनेट मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में दावा किया था कि ईरान के साथ शांति समझौते पर सहमति लगभग बन चुकी है, जिसमें होर्मुज जलमार्ग का खुलना भी शामिल है। इस बात को करीब दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन न समझौता हुआ है और न होर्मुज खुला है। कभी ट्रंप कहते हैं कि वे ईरान के प्रस्तावों पर विचार कर रहे हैं। कभी कहते हैं वे उनसे संतुष्ट नहीं हैं। कभी कहते हैं उन्हें कोई जल्दी नहीं है। कभी कहते हैं कि समझौते के लिए ईरानी अयातुल्ला से भी मिलना पड़े तो वे तैयार हैं। कभी दूसरे देशों से कहते हैं कि होर्मुज खुलवाने में मदद करें। कभी कहते हैं उन्हें किसी की जरूरत नहीं है।

आर्थिक दबाव की जंग

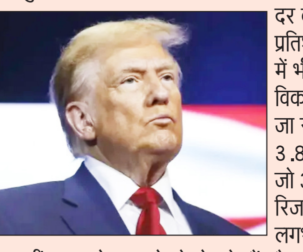

कूटनीति और रणनीति के जानकार भी इसे लेकर असमंजस में हैं। कुछ का मानना है कि युद्ध में जितनी हार-जीत होनी थी, वह हो चुकी। अब होर्मुज बंद रहने की चोट कौन कितनी देर तक बर्दाश्त कर पाता है, इसकी आजमाइश चल रही है। दुनिया के 38 विकसित लोकतंत्रों के संगठन ओईसीडी ने इसके चलते आर्थिक संकट की चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यदि एक महीने के भीतर होर्मुज नहीं खुला तो दुनिया की अर्थव्यवस्था दो साल के लिए धीमी पड़ जाएगी। दुनिया की आर्थिक विकास दर 3.4 प्रतिशत से घटकर इस वर्ष 2.1 प्रतिशत रह जाने और अगले वर्ष 1.8 प्रतिशत रह जाने की आशंका है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी विकास दर के अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत और महंगाई की दर का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर लिया है। अमेरिका में भी पहली तिमाही के आधार पर विकास दर 1.6 प्रतिशत आंकी जा रही है, जबकि महंगाई दर 3.8 प्रतिशत पर जा पहुंची है, जो अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की सहजता के अनुमान से लगभग दोगुनी है। तेल के दाम भी दोगुने हो चुके हैं और उसकी आपूर्ति भी बाधित है। यह सब देखकर ईरान को लगता है कि जैसे-जैसे नवंबर के मध्यावधि चुनाव नजदीक आएंगे, वैसे-वैसे ट्रंप का धीरज डगमगाएगा और वे उसकी शर्तों पर समझौते को बेबस हो जाएंगे।

ईरान की रणनीति

दूसरी ओर, ट्रंप को लगता है कि ईरानी लोगों की सहनशक्ति पहले जवाब देगी। वहां हर चीज की किल्लत हो चुकी है और महंगाई की दर 77 प्रतिशत से ऊपर चली गई है। एक डालर 18 लाख रियाल का हो गया है। होर्मुज की नाकेबंदी के कारण ईरान अपना तेल नहीं बेच पा रहा, जिसे तेल भंडारों और तेल के जहाजों में जमा किया जा रहा है, लेकिन ऐसी भंडारण क्षमताओं की भी एक सीमा है। उनके भर जाने के बाद तेल निकालना रोकना होगा। रोकने पर कुओं में हवा भर सकती है और वे बंद हो सकते हैं। इसलिए देर-सबेर उसे अमेरिका की शर्तें मानने को विवश होना पड़ेगा। वहीं, ईरानी विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान ने लड़ाई शुरू होने से पहले ही करीब 125 अरब बैरल तेल जहाजों में भरकर मलेशिया और चीन के तटों के समीपवर्ती समुद्र में भेज दिया था, ताकि वे अमेरिका के हाथ न लगें। ईरान उस तेल को बेचकर तीन-चार महीने और गुजार सकता है।

नेतन्याहू की भूमिका

इस क्रम में इजरायली विशेषज्ञों का मानना है कि गतिरोध की असली जड़ नेतन्याहू हैं। वे नहीं चाहते कि ईरान का 465 किलोग्राम संवर्धित यूरेनियम जब्त किए बिना और हिजबुल्ला और हाउती जैसे प्यादे संगठनों की जड़ें उखाड़े बिना ट्रंप कोई शांति समझौता कर बैठें। इसलिए वे ट्रंप के बार-बार युद्धविराम के एलान के बावजूद अपने हमले नहीं रोक रहे हैं। वे हिजबुल्ला को ईरान से भी बड़ा खतरा मानते हैं, क्योंकि ईरान तो हजार किलोमीटर दूर है, लेकिन हिजबुल्ला तो ऐन इजरायल की सीमा पर है। ईरान के लिए हिजबुल्ला ऐसा हथियार है जिसके सहारे उसने लेबनान को उपनिवेश जैसा बना लिया है और वहां से इजरायल और सीरिया दोनों पर अंकुश रखता है। यहां संभव यह भी है कि नेतन्याहू ट्रंप की मिलीभगत से ही हिजबुल्ला का हमास जैसा हाल करने पर तुले हों। ईरान पर संवर्धित यूरेनियम उनके हवाले करने और होर्मुज जलमार्ग खोलने का दबाव बढ़ाने के लिए यह चाल चली जा रही हो।

रणनीतिक विफलता

जो भी हो, अब तो अमेरिका के दक्षिणपंथी रणनीतिकार भी मानने लगे हैं कि इस युद्ध में ट्रंप मात खा गए हैं। ब्रूकिंग्स संस्थान के वरिष्ठ सदस्य और नव-अमेरिकी शताब्दी परियोजना के सह संस्थापक राबर्ट केगन के लेख-'चेकमेट इन ईरान' की काफी चर्चा हो रही है, जिसमें उन्होंने ईरान युद्ध को अमेरिकी रणनीति की सबसे बड़ी हार सिद्ध किया है। उनका तर्क है कि 37 दिनों के हवाई हमलों से ईरान के शीर्ष नेतृत्व और सैन्य क्षमता का बड़ी हद तक क्षय करके भी अमेरिका उससे कोई बड़ी रियायत लेने में नाकाम रहा है। ईरान न तो संवर्धित यूरेनियम देने को तैयार है, न परमाणु संवर्धन का अधिकार छोड़ने को और न ही प्यादे संगठनों का समर्थन बंद करने को। ऊपर से उसने होर्मुज जलमार्ग पर अपना अधिकार और जमा लिया है जिसकी वजह से पूरे विश्व में ऊर्जा का और आर्थिक विकास की दर धीमी पड़ने का संकट खड़ा हो गया है।

साख पर संकट

विश्व का एक चौथाई तेल, पांचवें हिस्से की गैस, एक तिहाई उर्वरक, आधा सल्फर और एक तिहाई हीलियम होर्मुज से गुजरते हैं। इसका बंद होना विश्व आपूर्ति तंत्र के समक्ष अब तक की सबसे गंभीर रुकावट है, जिसे ट्रंप चाहकर भी खुलवा नहीं पा रहे हैं। केगन का मानना है कि इस युद्ध में अमेरिका की साख पर सबसे बड़ा आघात हुआ है। ईरान ने अपने सस्ते और कामचलाऊ हथियारों से साबित कर दिया कि अमेरिका की अरबों-खरबों के शस्त्रास्त्रों से लैस महाबली सेना खाड़ी के मित्र देशों की रक्षा करना तो दूर अपने ठिकानों की रक्षा भी नहीं कर पाई। अमेरिका की साख को इतना बट्टा बुडापेस्ट विज्ञप्ति में यूक्रेन की रक्षा का वचन देकर उसे रूस से बचाने के लिए न आने पर भी नहीं लगा था, जितना खाड़ी देशों की रक्षा न कर पाने से लगा है। अब यदि खाड़ी के देश भी होर्मुज को खुला रखने और सुरक्षित रहने के लिए ईरान से कोई तालमेल करने पर बाध्य हो जाएं तो किसी को हैरत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि लगता नहीं कि ईरान अब होर्मुज के हथियार को छोड़ेगा। ट्रंप चाहें तो दोबारा हमले शुरू कर सकते हैं, पर उनसे होने वाली बबार्दी होर्मुज के नियंत्रण और परमाणु कार्यक्रम के अधिकार पर अड़े रहने के ईरान के इरादों को पक्का ही करेगी, कमजोर नहीं।

आंखनदेखी

इंग्लैंड के कुम्ब्रिया में आयोजित प्रसिद्ध एप्पलबी हॉर्स मेले के दौरान एक छोटा बच्चा बैरलनुमा घोड़ा-गाड़ी की सीढ़ियों के नीचे बैठा दिखाई दिया। मेले में पारंपरिक घोड़ा-गाड़ियां, घुड़सवारी और ग्रामीण संस्कृति की झलक देखने को मिली, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

8वीं की छात्रा से गैंगरेप... घर से बुलाकर ले गई थी सहेली

● शराब पिलाकर 3 लड़कों से कराई दरिंदगी, विश्वासघात और हैवानियत की खौफनाक साजिश

हिंदमाता नेटवर्क @ पश्चिम बंगाल

पश्चिम बर्धमान जिले के दुर्गापुर में एक 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) का रूह कंपा देने वाला मामला सामने आया है। कक्षा 8 में पढ़ने वाली इस मासूम को उसकी ही एक सहेली ने झांसे में लेकर दरिंदों के हवाले कर दिया। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य साजिशकर्ता महिला और होटल मैनेजर सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 1:30 बजे बुदबुद इलाके की रहने वाली सिमरन तमांग नाम की युवती उनकी बेटी को बहला-फुसलाकर घर से ले गई थी। आरोप है कि एक चार पहिया वाहन के अंदर नाबालिग को जबरन नशीली दवा मिली शराब पिलाई गई। जब बच्ची सुध-बुध खो बैठी, तो उसे दुर्गापुर के सिटी सेंटर स्थित कविगुरु इलाके के एक होटल में ले जाया गया। वहां पहले से मौजूद राज मल्लिक, शेख अजारुद्दीन और उनके साथियों ने अचेत अवस्था में मासूम के साथ सामूहिक बलात्कार किया।

बाईपास पर लावारिस छोड़ा, टोटो चालक ने बचाया

■ वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी बच्ची को बुदबुद बाईपास के पास बदहवास और लाचार हालत में फेंककर फरार हो गए। शनिवार रात करीब 10:30 बजे एक ई-रिक्शा (टोटो) चालक ने बच्ची को इस हालत में देखा और सुरक्षित उसके घर पहुंचाया। परिजनों को जब इस खौफनाक साजिश का पता चला, तो उन्होंने तुरंत पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां फिलहाल उसका इलाज चल रहा है।

पीड़िता के पिता का बयान

■ पीड़िता के पिता ने कहा, 'सिमरन तमांग मेरी बेटी को घर से फुसलाकर ले गई थी। उसे नशीली दवा देकर बेहोश किया गया और राज मल्लिक, शेख अजारुद्दीन और एस.के. दास ने उसके साथ गैंगरेप किया। मेरी बेटी अभी अस्पताल में है। मैं मुख्यमंत्री से गुहार लगाता हूं कि इन दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले और उन्हें मृत्युदंड (फांसी) दिया जाए।

एक्स फाइल

4 गिरफ्तार, फॉरेंसिक जांच शुरू

■ घटना की सूचना मिलते ही आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट की टीम तुरंत एक्शन में आई। पुलिस कमिश्नर प्रणब कुमार ने बताया कि मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपी सिमरन तमांग (साजिशकर्ता), दो नामजद आरोपी (राज मल्लिक और शेख अजारुद्दीन) और संबंधित होटल का मैनेजर।

ये हैं फरार

■ एक अन्य आरोपी (एस.के.दास) अभी भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। कमिश्नर ने पुष्टि की है कि पीड़िता का मेडिकल परीक्षण करा लिया गया है और फॉरेंसिक टीम ने होटल के कमरे व घटनास्थल से वैज्ञानिक सबूत और नमूने इकट्ठा कर लिए हैं।

बीजेपी नेता ने की 'एनकाउंटर' की मांग

■ इस घटना को लेकर स्थानीय स्तर पर भारी आक्रोश है। पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे भाजपा नेता पारिजात गांगुली ने कानून-व्यवस्था को लेकर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'एस.के. अजारुद्दीन, राज मल्लिक और सिमरन तमांग ने जो किया है, वह बर्दाश्त के बाहर है। ऐसे बलात्कारियों को जेल में बिठाकर मुफ्त की रोटियां नहीं तोड़नी चाहिए। अगर पुलिस ने इन्हें सुबह पकड़ा है, तो दोपहर या शाम तक इनका एनकाउंटर कर दिया जाना चाहिए ताकि अपराधियों में खौफ पैदा हो।'

■ हालांकि, पुलिस की भूमिका पर संतोष व्यक्त करते हुए गांगुली ने कहा कि पुलिस अपना काम मुस्तैदी से कर रही है और मुख्यमंत्री व पुलिस मंत्री ने दोषियों को पाताल से भी ढूंढ निकालने की पूरी आजादी दी है। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

प्रेरक प्रसंग

चालाक कौआ और लालची शेर

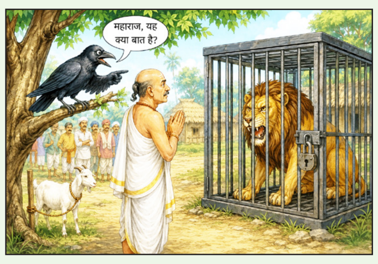

सुंदरवन नाम के एक गांव के पास एक घना और विशाल जंगल था। उस जंगल में सभी जानवर शांति से रहते थे। एक दिन दूर के जंगल से भटकता हुआ एक शक्तिशाली शेर वहां आ पहुंचा। शुरूआत में तो उसने जंगल में रहना शुरू किया, लेकिन जल्द ही वह जानवरों का शिकार करने लगा। उसकी दहाड़ सुनते ही पूरे जंगल में डर का माहौल बन जाता था। कोई भी जानवर सुरक्षित महसूस नहीं करता था। धीरे-धीरे शेर का साहस इतना बढ़ गया कि वह जंगल से निकलकर गांव के आसपास भी आने लगा। वह कभी बकरियों को उठा ले जाता तो कभी खेतों में काम कर रहे लोगों को डराकर भगा देता। गांव के लोग और जंगल के जानवर सभी उसकी हरकतों से परेशान हो गए। एक दिन गांव के मुखिया ने सभी लोगों की बैठक बुलाई। सबने मिलकर शेर से छुटकारा पाने की योजना बनाई। काफी सोच-विचार के बाद गांव के किनारे एक गहरा गड्ढा खोदा गया और उसके ऊपर घास-फूस बिछा दी गई। पास में एक बकरी बांध दी गई ताकि उसकी आवाज सुनकर शेर वहां आ जाए। रात होते ही बकरी मिमियाने लगी। उसकी आवाज सुनकर भूखा शेर तेजी से उस दिशा में दौड़ा। जैसे ही वह बकरी की ओर बढ़ा, घास से ढका गड्ढा टूट गया और शेर सीधे उसमें जा गिरा। गांव वाले पहले से तैयार थे। उन्होंने शेर को बाहर निकालकर एक मजबूत लोहे के पिंजरे में बंद कर दिया। अब शेर अपनी आजादी के लिए लोगों से विनती करने लगा। कई दिन बीत गए, लेकिन कोई भी उसकी बातों में नहीं आया। एक सुबह एक विद्वान ब्राह्मण उसी रास्ते से गुजर रहे थे। शेर ने बड़ी दयनीय आवाज में कहा, "महात्मन! मुझ पर दया कीजिए। मैं अपनी गलती समझ चुका हूं। अगर आप मुझे मुक्त कर देंगे तो मैं कभी किसी को नुकसान नहीं पहुंचाऊंगा और यहां से बहुत दूर चला जाऊंगा।" ब्राह्मण का हृदय दयालु था। उन्हें शेर पर तरस आ गया। उन्होंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया। लेकिन बाहर निकलते ही शेर की नीयत बदल गई। उसने गुर्राते हुए कहा, "मैं कई दिनों से भूखा हूं। अब मैं तुम्हें खाकर अपनी भूख मिटाऊंगा।"

■ यह सुनकर ब्राह्मण घबरा गए। तभी पास के पेड़ पर बैठा एक बुद्धिमान कौआ यह सब देख रहा था। उसने नीचे आकर पूछा, "महाराज, यह क्या बात हुई?" ब्राह्मण ने पूरी कहानी बता दी। कौए ने आश्चर्य जताते हुए कहा, "मुझे तो विश्वास ही नहीं होता कि इतना बड़ा शेर इस छोटे से पिंजरे में बंद था।" शेर ने गर्व से कहा, "यदि विश्वास नहीं है तो मैं तुम्हें दिखा देता हूं।"

■ इतना कहकर वह फिर से पिंजरे के अंदर चला गया। उसी क्षण कौए ने ब्राह्मण को संकेत किया। ब्राह्मण ने तुरंत दरवाजा बंद कर दिया। शेर फिर से कैद हो गया और जोर-जोर से दहाड़ने लगा, लेकिन अब कोई उसकी मदद करने वाला नहीं था। ब्राह्मण ने कौए का धन्यवाद किया और उसकी बुद्धिमानी की खूब प्रशंसा की। इसके बाद वे सुरक्षित अपने घर लौट गए।

राशिफल

मेष– लाभ के अवसर हाथ आएंगे। शत्रु परेशान करेंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे।

वृषभ–यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे। ज्ञानीजनों से मुलाकात होगी। शांति बनाना आवश्यक है। अकारण भय व्याप्त होगा।

मिथुन– कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे।

कर्क– राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी, गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें। समय पक्ष का है। स्त्री सुख, यात्रा में हानि, दुख।

सिंह– चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। 'आ बैल मुझे मार' की सथिति निर्मित न होने दें। अकारण भय बना रहेगा। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या– कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। दुखद समाचार मिलने की संभावना है। अस्वस्थता होगी। कुसंग से हानि, कुछ लाभ के आसार दिखेंगे।

तुला–संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निवृत्ति नहीं होगी। कलह से बचना होगा। अधिकार के लिए प्रयत्न करना होगा।

वृश्चिक– रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनोनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। चिंताएं बढ़ेंगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा। राज्य से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। लाभ होगा। शत्रु परेशान करेंगे। कुछ नुकसान होगा।

धनु– दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाएं। परिस्थितियां अनुकूल होंगी। कुछ विरोध होगा। विरोधी अपमान करेंगे।

मकर– मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पूछ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धन मिलने की परिसथिति निर्मित होगी। अंतरप्रेरणा से कार्य करें। धनागम के अवसर बढ़ेंगे।

कुंभ– भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रु शांत होंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे। धनागम होगा। शरीर शिथिल होगा। शत्रु शांत रहेंगे। लाभ-हानि बराबर रहेंगे।

मीन–यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बंधेगी। शत्रु षड्यंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है। पराक्रम दिखलाने का अवसर है। लाभ होगा। रिश्वत न लें। नम्रता बनाए रखें।

भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार, तेजी से बढ़ रही न्यूक्लियर ताकत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत के परमाणु हथियारों की संख्या बढ़कर अब 190 हो गई है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। पिछले साल भारत के पास अनुमानित 180 परमाणु हथियार थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत लगातार अपने परमाणु कार्यक्रम को आधुनिक बना रहा है और नई तकनीकों के जरिए रणनीतिक क्षमता मजबूत कर रहा है। SIPRI Yearbook 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतिस्पर्धा के दौर में प्रवेश कर रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं।

चीन और पाकिस्तान बना बड़ी वजह

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का परमाणु आधुनिकीकरण मुख्य रूप से चीन को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। चीन लगातार अपने परमाणु भंडार का विस्तार कर रहा है और उसके पास अब करीब 620 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। वहीं पाकिस्तान भी अपने परमाणु कार्यक्रम को मजबूत कर रहा है। SIPRI के मुताबिक भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने की कोशिश कर रहा है।

MIRV और लंबी दूरी की मिसाइलों पर फोकस

भारत अब नई पीढ़ी की परमाणु तकनीकों पर तेजी से काम कर रहा है। इनमें सबसे अहम है MIRV तकनीक। इसके जरिए एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु वारहेड ले जा सकती है और अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। भारत कैनिस्टराइज्ड मिसाइल सिस्टम भी विकसित कर रहा है, जिससे मिसाइलों को तेजी से लॉन्च किया जा सकेगा और उनकी सुरक्षा भी बढ़ेगी। भारत के मिसाइल बेड़े में पृथ्वी-II, अग्नि-I, अग्नि-II, अग्नि-III, अग्नि-IV और अग्नि-V जैसी मिसाइलें शामिल हैं। नई अग्नि-P मिसाइल को ज्यादा सटीक और आधुनिक माना जा रहा है।

समुद्र में बढ़ी परमाणु ताकत

रिपोर्ट में भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है। भारत की परमाणु पनडुब्बियां, खासकर INS अरिहंत, अब देश की 'सेकंड स्ट्राइक क्षमता' का बड़ा आधार बन रही हैं। SIPRI का अनुमान है कि भारत अब शांति काल में भी सीमित संख्या में परमाणु हथियारों को बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बियों पर तैनात करने लगा है। इससे दुश्मन के पहले हमले के बाद भी जवाबी कार्रवाई की क्षमता बनी रहती है।

पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार

रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के पास करीब 170 परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान छोटे और सामरिक परमाणु हथियारों पर ज्यादा ध्यान दे रहा है, जबकि भारत लंबी दूरी और सुरक्षित जवाबी हमला करने की क्षमता विकसित कर रहा है।

दुनिया में बढ़ रहा परमाणु खतरा

SIPRI ने चेतावनी दी है कि वैश्विक स्तर पर परमाणु हथियारों का खतरा फिर बढ़ रहा है। जनवरी 2026 तक दुनिया में कुल 12,187 परमाणु हथियार मौजूद थे। इनमें से हजारों हथियार तत्काल इस्तेमाल की स्थिति में रखे गए हैं। SIPRI के निदेशक करीम हग्गाग ने कहा कि देशों की बढ़ती परमाणु निर्भरता भविष्य में बड़े संकट और गलत आकलन का कारण बन सकती है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

आपसी सहमति से बनाए गए संबंध चरित्र हनन का आधार नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना में पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि दो आपसी सहमति वाले अविवाहित बालिगों के बीच शारीरिक संबंध अकेले किसी व्यक्ति के चरित्र पर सवाल खड़ा करने का आधार नहीं हो सकता। कोर्ट ने एक उम्मीदवार के सिलेक्शन रद करने के फैसले को पलट दिया।

नैतिकता का आधार गलत

जस्टिस मनमोहन और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि तेलंगाना स्टेट लेवल पुलिस रिक्रूटमेंट बोर्ड द्वारा उम्मीदवार का प्रोविजनल सिलेक्शन रद करना गलत था। उम्मीदवार के खिलाफ 2014 में दर्ज आपराधिक मामले में एक महिला के साथ शादी का झूठा वादा करके संबंध बनाने का आरोप था, जिसका 2015 में लोक अदालत में समझौता हो गया था। उम्मीदवार ने एप्लीकेशन फॉर्म में इसकी पूरी जानकारी भी दी थी। कोर्ट ने सफा किया कि दो आपसी सहमति वाले अविवाहित बालिगों के बीच शारीरिक संबंध अकेले उस व्यक्ति के चरित्र के बारे में गलत राय बनाने का आधार नहीं हो सकता और न ही होना चाहिए। ऐसा कोई कानून नहीं है जो दो बालिगों को अपनी पसंद का रिश्ता बनाने से रोकता हो।

हर रिश्ता शादी में नहीं बदलता

बेंच ने जोर देकर कहा कि हर रिश्ता शादी में नहीं बदलता। इसलिए, केवल इसलिए कि रिश्ता शादी तक नहीं पहुंचा, यह मान लेना गलत है कि एक पक्ष ने दूसरे को धोखा दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि शादी का वादा करके रेप के मामले में लोक अदालत में समझौता अपराध स्वीकार करने का मतलब नहीं है। नियोक्ता सिर्फ समझौते के आधार पर गलत निष्कर्ष नहीं निकाल सकता, जब तक कि दबाव या धमकी का कोई सबूत न हो।

पड़ोसी थे, लंबे समय से जान-पहचान

कोर्ट ने गौर किया कि उम्मीदवार और शिकायतकर्ता पड़ोसी थे और कई सालों से एक-दूसरे को जानते थे। रिकॉर्ड में कोई सबूत नहीं मिला कि समझौते के लिए दबाव डाला गया हो। कोर्ट ने कहा कि धोखाधड़ी का आरोप केवल शिकायतकर्ता की गवाही से साबित हो सकता है। अब क्योंकि शिकायतकर्ता ने मामले को आगे नहीं बढ़ाया, भर्ती बोर्ड के पास उम्मीदवार के चरित्र पर सवाल उठाने का कोई आधार नहीं था।

नियोक्ताओं के लिए नया सिद्धांत

सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे सभी मामलों के लिए सिद्धांत तय किया कि नकारात्मक राय तभी बनाई जा सकती है जब ठोस सबूत हों कि अपराध हुआ था और उम्मीदवार उससे जुड़ा था। इस मानक को लागू करते हुए कोर्ट ने उम्मीदवार के सिलेक्शन रद्द करने के फैसले को पलट दिया।

होर्मुज संकट के बीच बड़ा हादसा

ओमान तट पर तेल टैंकर में आग; 24 भारतीय नाविक हैं सवार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

होर्मुज स्ट्रेट में तनाव कम होने के फिलहाल कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं। इसी बीच ओमान के तट के निकट एक भारतीय नाविक वाले तेल टैंकर में आग लगने की खबर है। जहाज पर सवार सभी 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए जा रहे हैं। शिपिंग मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से जानकारी देते हुए कहा कि ओमान के तट पर मेडागास्कर ध्वज वाला तेल टैंकर 'मारिवेक्स' में आग लग गई है। जहाज पर सवार 24 भारतीय नाविक पूरी तरह सुरक्षित हैं। मंत्रालय के संघीय बंदरगाह एवं जहाजरानी निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि आग स्थानीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे लगी। उन्होंने कहा कि जहाज पर इस समय कोई माल नहीं था। ओपेश शर्मा ने आगे बताया कि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। सभी 24 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय, विदेशों में भारतीय दूतावास, भारतीय नौसेना तथा रक्षा मंत्रालय के साथ पूर्ण समन्वय स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, घटना ओमान तट से करीब 15 समुद्री मील दूर हुई।

■ अचानक हुए जोरदार विस्फोट ने जहाज के इंजन रूम को निशाना बनाया। विस्फोट के बाद जहाज में भीषण आग भड़क उठी, जिससे पूरे समुद्री क्षेत्र में हड़कंप मच गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, विस्फोट से इंजन रूम में बड़ा छेद हो गया, जिस कारण जहाज का संतुलन बिगड़ गया। स्थिति गंभीर होते ही चालक दल ने आपातकालीन रडर संदेश भेजा। फिलहाल हताहत की खबर नहीं है।

तुर्की में 10 महीने बाद राहत

इसी बीच, तुर्की के मारमारा सागर में 10 महीने से फंसे चार भारतीय नाविकों को आखिरकार जहाज से उतार लिया गया है। ये नाविक मंगोलियाई ध्वज वाले कंटेनर जहाज एजरा सी (AZRA C) पर सवार थे, जो अगस्त 2025 से इस्तांबुल के पास लंगर डाले खड़ा था। जहाज के कथित मालिकों को जनवरी 2026 में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी गिरोह से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद जहाज और उस पर सवार चालक दल अनिश्चितकाल तक फंस गए थे। इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के तुर्की प्रतिनिधि सेलाहट्टिन पोलाट ने एएफपी को बताया कि नाविकों की लंबी मुश्किलें अब खत्म हो गई हैं। आईटीएफ और मरीन एम्प्लॉइज सॉलिडैरिटी एसोसिएशन ने इन नाविकों को पानी और अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई थी। पोलाट ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के अनुसार जहाज पर हर समय पर्याप्त चालक दल होना चाहिए, लेकिन यहां ऐसा नहीं हुआ। नया दल नहीं आया और पुराने दल को नहीं बदला गया। आईटीएफ के आंकड़ों के अनुसार, 2025 अब तक जहाज परित्याग के मामलों का सबसे बुरा वर्ष रहा है। इस साल 410 जहाजों पर सवार 6,233 नाविक प्रभावित हुए, जिनमें सबसे अधिक संख्या भारतीय नाविकों की है। तुर्की में पिछले साल सबसे ज्यादा 61 ऐसे मामले दर्ज किए गए। वर्तमान में मारमारा सागर में 15 विदेशी ध्वज वाले जहाज लंगर डाले हुए हैं, जिन्हें परित्यक्त श्रेणी में रखा गया है। यह क्षेत्र बोस्फोरस और डार्डानेल्स के बीच स्थित है, जो काला सागर और भूमध्य सागर को जोड़ता है।

सजा पूरी फिर भी कैद

बांग्लादेश की जेलों में फंसे 148 भारतीय

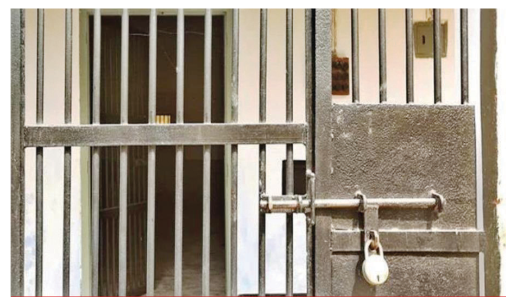

वर्षों से कर रहे घर वापसी का इंतजार

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लगभग 150 भारतीय अपनी जेल की सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बांग्लादेश की जेलों में बंद हैं, क्योंकि प्रक्रिया से संबंधित देरी के कारण उनकी स्वदेश वापसी नहीं हो पा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक जेल अधिकारी ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि छह महीने पहले प्रकाशित जेल आंकड़ों के अनुसार, बांग्लादेश की जेलों में 152 विदेशी कैदी बंद हैं, जिनमें 148 भारतीय शामिल हैं। ये सभी अपनी सजा पूरी कर चुके हैं, फिर भी जेल में हैं।

उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है

अधिकारी ने कहा कि इनमें से कई विदेशी कैदियों ने वर्षों पहले अपनी सजा पूरी कर ली थी, लेकिन पहचान सत्यापन की प्रक्रिया, नौकरशाही से जुड़ी अड़चनों और राजनयिक स्तर पर निष्क्रियता के कारण इनकी रिहाई और वापसी में देरी हो रही है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में इन भारतीय को अवैध रूप से सीमा पार करने जैसे आरोपों में गिरफ्तार किया गया था। समाचार पोर्टल बीडीन्यूज24 ने सोमवार को खबर दी कि दक्षिण-पश्चिमी शरियतपुर जिला जेल में ही 17 भारतीय कैदी अपनी सजा पूरी करने के बावजूद अब भी बंद हैं। जेल अधिकारियों के अनुसार, उनकी स्वदेश वापसी की प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो सकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन कैदियों की पहचान का सत्यापन नहीं हो पाया है और भारतीय दूतावास से कई बार संपर्क करने के प्रयासों का भी कोई जवाब नहीं मिला। जेलर पापिया सुल्ताना ने बताया कि 2022 और 2023 में पद्मा ब्रिज के पास अलग-अलग समय पर 20 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया था और बाद में अदालत के आदेश पर उन्हें जेल भेज दिया गया।

टीएमसी के 20 सांसद बनाएंगे ममता को छोड़कर अलग गुट, एनडीए को दे सकते हैं समर्थन

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद से तृणमूल कांग्रेस में विद्रोह की लपटें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं क्योंकि 58 विधायकों की बगावत के बाद अब टीएमसी के संसदीय दल तक भी ये विरोध की आग पहुंच गई है। तृणमूल कांग्रेस में टूट की अटकलों पर सोमवार को पार्टी की लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने मुहर लगा दी है। सांसद काकोली घोष ने कहा है कि मेरे साथ टीएमसी के करीब 20 सांसदों ने भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को समर्थन देने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि ये बैठक असंतुष्ट सांसदों के एक समूह ने बंद कमरे में बैठक की, जिसने पार्टी में असंतोष के स्तर को उजागर किया है।

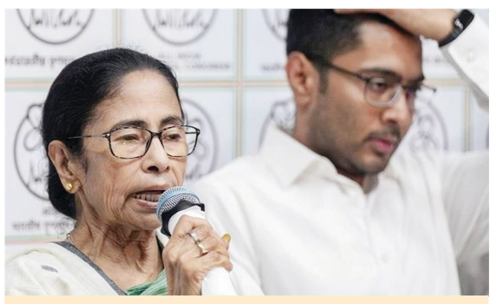

करीब 20 सांसद इस अनौपचारिक बैठक की

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, रविवार देर रात दिल्ली में एक अज्ञात स्थान पर करीब 20 सांसद इस अनौपचारिक बैठक में शामिल हुए। इस घटनाक्रम ने उन अटकलों को हवा दे दी है कि हाल ही में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक दल को तोड़ने वाली यह बगावत अब पार्टी के संसदीय दल के भीतर भी आकार ले सकती है। बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले सूत्रों के अनुसार, सांसदों ने भविष्य की संभावित रणनीतियों पर चर्चा की और पार्टी की मौजूदा संसदीय नेतृत्व संरचना पर अपनी नाराजगी जताई।

असंतुष्ट सांसदों का दावा चुनावी हार को स्वीकार नहीं रही है पार्टी

हालांकि, बैठक में कोई औपचारिक फैसला नहीं लिया गया, लेकिन इस तरह के विकल्पों पर विचार-विमर्श करना ही तृणमूल के सांसदों के एक वर्ग में गहरे असंतोष को उजागर करता है। बैठक के बारे में जानकारी रखने वाले तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि बैठक मूलत: भविष्य की रणनीतियों पर केंद्रित थी। कई सांसदों ने चिंता जताई कि नेतृत्व पार्टी की चुनावी हार के कारणों को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। सोमवार को सोशल मीडिया पर बैठक की एक तस्वीर सामने आई, जिसमें तृणमूल के कई लोकसभा सदस्य एक मेज के इर्द-गिर्द बैठे दिख रहे हैं।

लोगों का दावा 20 सांसद बैठक में रहे शामिल

हालांकि इस तस्वीर की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सका। सूत्रों का दावा है कि तस्वीर में दिख रहे लोगों से कहीं अधिक, करीब 20 सांसद इस बैठक में शामिल थे। बैठक के दौरान उस वक्त माहौल गर्म हो गया, जब एक सांसद ने बिना बताए बैठक की तस्वीरें खींच लीं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में शामिल कुछ सांसदों ने बिना सहमति के तस्वीरें लेने पर आपत्ति जताई और इसे लेकर वहां मौजूद लोगों के बीच थोड़ी नोकझोंक भी हुई।

अभिषेक बनर्जी 'इंडिया' की बैठक में रहे शामिल

बाद में ये तस्वीरें राजनीतिक गलियारों में फैल गईं, जिससे बगावत के दायरे व गंभीरता को लेकर अटकलों को और हवा मिल गई। रविवार की बैठक में शामिल कुछ सांसद सोमवार को भी आपस में संपर्क में रहे और दिल्ली में एक केंद्रीय सरकारी कार्यालय में भी चर्चा की। यह बैठक ऐसे वक्त हुई, जब ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली में मौजूद थे। टीएमसी का शीर्ष नेतृत्व इसी मंच के जरिए पश्चिम बंगाल में जारी उथल-पुथल के बावजूद संगठनात्मक मजबूती का संदेश देने की कोशिश कर रहा था। ये घटनाक्रम विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद तृणमूल कांग्रेस विधायक दल में बगावत के कुछ ही दिनों बाद सामने आए हैं। पार्टी के 58 विधायकों ने पार्टी नेतृत्व की लाइन से अलग रुख अपनाते हुए विपक्ष के नेता पद के लिए रिताब्रता बनर्जी का समर्थन किया था। पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार शोभनदेव चट्टोपाध्याय को खारिज कर दिया था।

मैं तृणमूल के साथ रहूंगा

हालांकि, तृणमूल के वरिष्ठ सांसद सौगत राय ने बड़े पैमाने पर पार्टी छोड़ने की अटकलों को खारिज करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, "मैंने सुना है कि कुछ सांसदों ने कल रात अलग बैठक की। बैठक में क्या हुआ, यह वही बता सकते हैं। उन लोगों ने मुझसे कोई संपर्क नहीं किया।" भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा तृणमूल सांसदों से संपर्क किए जाने की खबरों पर राय ने कहा कि उनसे भी संपर्क किया गया था, लेकिन उन्होंने पेशकश को ठुकरा दिया। चार बार के सांसद राय (78) ने कहा, "मैंने उनसे दो टूक कह दिया कि मैं तृणमूल के साथ रहूंगा। इस उम्र में खेमा बदलना मेरे लिए संभव नहीं।

पढ़ाई में आड़े नहीं आएगी आर्थिक तंगी: सीएम योगी

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए। जनता दर्शन के दौरान एक छात्रा ने उच्च शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। छात्रा ने बताया कि उसने इंटरमीडिएट अच्छे अंकों से उत्तीर्ण किया है और वह बीटेक करना चाहती है, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण आगे की पढ़ाई में कठिनाई आ रही है।

छात्रा की मार्कशीट देख बोले सीएम योगी

छात्रा की बात सुनने के बाद मुख्यमंत्री ने उसकी मार्कशीट देखी और उसे पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देते हुए लखनऊ के किसी अच्छे संस्थान में प्रवेश दिलाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद छात्र की शिक्षा में आर्थिक बाधा नहीं आने देगी। जनता दर्शन में कुछ फरियादियों ने पुलिस की कथित लापरवाही और अवैध कब्जों से संबंधित मामलों में उचित कार्रवाई नहीं होने की शिकायत की।

अवैध कब्जे और पुलिसिया लापरवाही पर एक्शन

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निष्पक्ष जांच कर पीड़ितों को न्याय दिलाने तथा दोषियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने फरियादियों को समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा भी दिलाया। कार्यक्रम में कुछ लोग ऐसे भी पहुंचे, जिन्होंने अपनी शिकायत सीधे मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। इस पर मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने पहले जिला या मंडल स्तर के अधिकारियों को अपनी समस्या बताई थी। कई लोगों ने बताया कि वे सीधे जनता दर्शन में आए हैं।

स्थानीय स्तर पर ही सुलझाएं समस्याएं

मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि भीषण गर्मी के दौरान अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहले जिला एवं मंडल स्तर के अधिकारियों से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि अनेक शिकायतों का निस्तारण स्थानीय स्तर पर ही किया जा सकता है।

हिंदमाता एंकरः 10 जून से शुरू होने वाली यात्रा के लिए वीजा जारी

गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस पर पाकिस्तान जाएंगे 737 भारतीय सिख

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

गुरु साहिबान की धरती से जुड़े ऐतिहासिक गुरुद्वारों में मत्था टेकने की इच्छा रखने वाले भारतीय सिख श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। पाकिस्तान ने गुरु अर्जन देव जी के शहीदी गुरुपर्व के अवसर पर 737 भारतीय सिख श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया है, जिससे वे पाकिस्तान में आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। Pakistan High Commissionद्वारा जारी बयान के अनुसार, भारतीय श्रद्धालु 10 जून से 19 जून 2026 तक पाकिस्तान में रहेंगे और विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेंगे। यह वीजा भारत और पाकिस्तान के बीच धार्मिक स्थलों की यात्रा से संबंधित द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत जारी किए गए हैं।

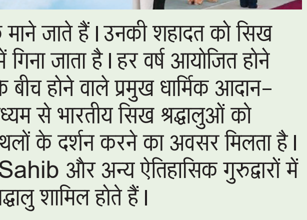

■ श्रद्धालु पाकिस्तान में स्थित उन ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन करेंगे, जो Guru Arjan Dev J के जीवन, शिक्षाओं और शहादत से जुड़े हुए हैं। गुरु अर्जन देव जी सिख इतिहास में त्याग, सेवा, सहिष्णुता और आध्यात्मिकता के प्रतीक माने जाते हैं। उनकी शहादत को सिख इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में गिना जाता है। हर वर्ष आयोजित होने वाली यह यात्रा भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले प्रमुख धार्मिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में से एक है। इसके माध्यम से भारतीय सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान स्थित अपने पवित्र धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का अवसर मिलता है। विशेष रूप से Gurdwara Dera Sahib और अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों में आयोजित कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं।

■ हालांकि भारत और पाकिस्तान के बीच राजनीतिक संबंधों में समय-समय पर तनाव देखने को मिलता है, लेकिन धार्मिक यात्राओं को लेकर दोनों देशों के बीच विशेष व्यवस्थाएं लागू हैं। इन्हीं व्यवस्थाओं के तहत सिख, हिंदू और अन्य धार्मिक समुदायों के श्रद्धालुओं को पवित्र स्थलों की यात्रा के लिए वीजा जारी किए जाते हैं। 737 श्रद्धालुओं को वीजा जारी होने के बाद सिख संगतों में खुशी का माहौल है। गुरु अर्जन देव जी के शहीदी गुरुपर्व पर पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारों में मत्था टेकना लाखों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा विषय माना जाता है। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि दोनों देशों के लोगों के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संपर्क को भी मजबूत करती है।

ईरान ने इजराइल पर हमले रोके: लेबनान को लेकर खतरनाक चेतावनी दी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने सोमवार को घोषणा की कि वह फिलहाल इजराइल के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई रोक रहा है। हालांकि तेहरान ने स्पष्ट कर दिया कि यदि इजराइल ने लेबनान में अपनी सैन्य कार्रवाई जारी रखी, तो ईरान पहले से कहीं अधिक कठोर और विनाशकारी जवाब देगा। यह घोषणा ईरान के आपातकालीन सैन्य मुख्यालय Khatam al-Anbiya Headquarters की ओर से जारी बयान में की गई। ईरानी सैन्य कमान ने अपने बयान में कहा कि सशस्त्र बलों की सैन्य कार्रवाई समाप्त करने की घोषणा की जाती है। चेतावनी भी दी गई कि यदि इजराइल की आक्रामकता और शत्रुतापूर्ण गतिविधियां जारी रहती हैं, विशेष रूप से दक्षिणी लेबनान में, तो ईरान की प्रतिक्रिया पहले से अधिक कठोर और विनाशकारी होगी।

■ यह घोषणा ऐसे समय आई है जब हाल ही में ईरान ने लगभग दो महीने बाद पहली बार इजराइल की ओर मिसाइलें दागी थीं। ईरान के इस हमले के बाद क्षेत्र में युद्ध फैलने की आशंका बढ़ गई थी। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति Donald Trump ने सार्वजनिक रूप से इजराइल से जवाबी कार्रवाई न करने की अपील की थी और तत्काल युद्धविराम का समर्थन किया था। स्थिति केवल ईरान और इजराइल तक सीमित नहीं है। दक्षिणी लेबनान में इजराइली सेना और Hezbollah के बीच लगातार संघर्ष जारी है। हाल के दिनों में हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल पर रॉकेट दागे।

जिम में प्यार का खेल, फिर बना दिया मुसलमान

शामली में करोड़पति का बेटा आयुष बना रहमान, पाकिस्तान से जुड़ा तार

हिंदमाता नेटवर्क @ शामली

उत्तर प्रदेश के शामली जिले से धर्मांतरण का एक ऐसा सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने पुलिस और खुफिया विभाग के होश उड़ा दिए हैं। यहां एक प्रसिद्ध दवा व्यापारी के इकलौते और उच्च शिक्षित बेटे आयुष मलिक को सोची-समझी साजिश के तहत प्रेम जाल में फंसाकर रहमान बना दिया गया। आरोप है कि इस पूरे खेल के पीछे न सिर्फ करोड़ों की संपत्ति कब्जाने का मकसद था, बल्कि इसके तार पाकिस्तान के कट्टरपंथी यूट्यूब नेटवर्क और दिल्ली-मुंबई के मौलानाओं से भी जुड़े हैं। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने त्वरित एक्शन लेते हुए मुख्य आरोपी महिला जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी और उसके पिता इस्लाम कुरैशी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, इस मामले में 3 मौलवियों समेत कुल 10 लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि बाकी फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है, जबकि पूरे नेक्सस का पर्दाफाश करने के लिए एसपी शामली ने स्वाट का गठन कर दिया है।

इस्लाम अपनाने का दबाव

पीड़ित पिता देवराज मलिक का आरोप है कि इन आरोपियों ने न सिर्फ उनके बेटे का धर्म परिवर्तन कराया, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों पर भी इस्लाम अपनाने का दबाव बनाया। जब इसका विरोध किया गया, तो पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी मिली। आरोपी पिछले करीब पांच वर्षों से उनके पुत्र की सारी कमाई हड़प रहे हैं। देवराज मलिक ने इस मामले में कुछ बाहरी और संदिग्ध लोगों के भी शामिल होने की आशंका व्यक्त की है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तत्काल संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

दाढ़ी बढ़वाई, टोपी पहनाई, ऐसे खुला राज

पीड़ित के पिता देवराज मलिक का आरोप है कि करीब 4 साल पहले चांदनी और उसके परिवार ने चोरी-छिपे आयुष से निकाहनामा पढ़वा लिया था। इसके बाद आयुष का नाम बदलकर उस्मान अंसारी उर्फ रहमान रख दिया था। पिछले 6 महीनों से आयुष का पूरा रहन-सहन और पहनावा बदलने लगा था। उसने अपनी दाढ़ी बढ़ा ली थी और वह सिर पर टोपी व कुर्ता-पायजामा पहनकर मेडिकल स्टोर पर बैठने लगा था। इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर आयुष की एक तस्वीर भी वायरल हुई, जिसमें वह मस्जिद के भीतर नमाज पढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। जब यह बात हिंदू संगठनों के ध्यान में आई, तो उन्होंने इस पर कड़ा विरोध जताया और जिम ट्रेनर के घर के बाहर धरने की चेतावनी दे डाली।

जांच में सामने आया खतरनाक पाकिस्तानी कनेक्शन

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा पुलिस की पूछताछ और जांच में हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आयुष का माइंड डाइवर्ट यानी ब्रेनवाश करने के लिए एक डिजिटल साजिश रची गई थी। आरोपियों ने आयुष के मोबाइल और यूट्यूब पर पाकिस्तान के कट्टरपंथी इस्लामिक वक्ता डॉ। इसरार अहमद का यूट्यूब चैनल लॉगिन कर दिया था। आयुष को लगातार डॉ। इसरार अहमद की तकरीरें और विवादित स्पीच सुनाई जाती थीं, जिससे उसका पूरी तरह ब्रेनवाश कर दिया गया। हिंदू संगठनों का आरोप है कि यह सिर्फ एक प्रेम प्रसंग का मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बहुत बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा था, जो युवाओं को निशाना बना रहा है।

जिम से शुरू हुई लव और धर्मांतरण की कहानी

यह पूरा मामला शामली के सदर कोतवाली क्षेत्र के दयानंद नगर और काजीवाड़ा मोहल्ले से संबंधित है। दयानंद नगर के रहने वाले देवराज मलिक शामली जिले के केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं और उन्होंने शनिवार देर शाम कोतवाली में शिकायत देकर एक बड़ी साजिश का खुलासा किया। उनका बड़ा दवा कारोबार है। उनका 27 साल का इकलौता बेटा आयुष मलिक बी-फार्मा करने के बाद अपना मेडिकल स्टोर चलाता था। पुलिस जांच के मुताबिक, इस पूरी कहानी की शुरुआत करीब 5 साल पहले हुई थी। आयुष ने अपनी फिटनेस के लिए कुरैशी प्लस नाम की एक जिम में जाना प्रारंभ किया था। इसी जिम में कुरैशी बस्ती की रहने वाली 25 वर्षीय चांदनी कुरैशी जिम ट्रेनर थी। आरोप है कि चांदनी ने एक सोची-समझी साजिश के तहत आयुष को अपने प्रेम जाल में फंसाया और फिर धीरे-धीरे उस पर धर्म बदलने का दबाव डालने लगी।

बीजेपी की 'C टीम' है कॉकरोच जनता पार्टी

सस्पेंडेड अधिकारी अलंकार अग्निहोत्री का बयान

हिंदमाता नेटवर्क @ बलरामपुर

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान सस्पेंडेड बरेली सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री ने कहा कि 'कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी)' भाजपा की 'C टीम' है। उन्होंने दावा किया कि सीजेपी दरअसल बीजेपी ही है और इस मुद्दे पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के प्रमुख अग्निहोत्री ने कहा कि एक ओर सत्ताधारी दल सीजेपी को देशद्रोही बताता है, वहीं दूसरी ओर उसके नेताओं का भव्य स्वागत किया जाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सीजेपी नेता अभिजीत दीपके के स्वागत में एयरपोर्ट पर सैकड़ों वाहन पहुंचे और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति भी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अग्निहोत्री ने राम मंदिर में दान के करोड़ों रुपये के कथित गायब होने पर भी चिंता जताई और कहा कि देश के मंदिरों और धार्मिक संस्थानों की धनराशि के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सनातन के नाम पर आस्था से जुड़ी संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने काशी, अयोध्या, मथुरा और वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों के विकास मॉडल पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इन स्थानों की आध्यात्मिक आत्मा को नजरअंदाज कर केवल कंक्रीट कॉरिडोर बनाए जा रहे हैं। इस बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर दान राशि को लेकर सामने आई रिपोर्टों पर अदालत से संज्ञान लेने की मांग की है। वहीं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि आंतरिक ऑडिट जारी है और अब तक कोई ठोस अनियमितता सामने नहीं आई है। अग्निहोत्री ने पुलिस एनकाउंटर नीति पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कानून प्रक्रिया के बिना कोई कार्रवाई उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में शक्तियों का दुरुपयोग हो रहा है और जातीय आधार पर भी भेदभाव के मामले सामने आए हैं। गौरतलब है कि अलंकार अग्निहोत्री को 26 जनवरी को अनुशासनहीनता के आरोप में उत्तर प्रदेश सरकार ने सस्पेंड कर दिया था। बाद में उन्हें शामली जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय से अटैच किया गया था।

41 किलो गांजे के साथ तीन तस्करों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

आजमगढ़ के कप्तानगंज पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 41 किलो 170 ग्राम अवैध गांजे के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद गांजे की अनुमानित बाजार कीमत लगभग छह लाख पचास हजार रुपये है। पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के निर्देश पर जनपद में अपराधों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

शॉर्ट स्टोरी

पटना से फरार हुए खान सर, एसआईटी छापेमारी जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंगेर

बिहार की राजधानी पटना में पिछले कुछ दिनों से कोचिंग जगत से जुड़ा एक विवाद लगातार सुर्खियों में है। छात्रों के बीच लोकप्रियता को लेकर चर्चा में रहने वाले खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक फैजल खान उर्फ खान सर पटना से फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक विशेष जांच दल लगातार छापेमारी कर रहा है। अधिकारियों का कहना है कि फैजल खान की तलाश में पटना और आसपास के जिलों में दबिश दी जा रही है। इस बीच खान सर सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। इस मामले में पुलिस ने केस डायरी कोर्ट में जमा कर दी है। शुरुआत में यह मामला खान ग्लोबल स्टडीज पर कथित हमले और फायरिंग से जुड़ा बताया जा रहा था। इसी आधार पर ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद को गिरफ्तार भी किया गया। लेकिन फिर सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ और पूरा घटनाक्रम नई दिशा में मुड़ गया। वायरल वीडियो में कथित तौर पर खान ग्लोबल स्टडीज से जुड़े सुरक्षा कर्मी हथियार चलाते दिखाई दिए। वीडियो सामने आने के बाद पटना पुलिस ने मामले को नए सिरे से खंगालना शुरू किया। जांच टीम सीधे कोचिंग संस्थान पहुंची और वहां से दो सुरक्षा गार्डों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने दोनों हथियारों को जब्त कर फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेज दिया। तकनीकी जांच, सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर पुलिस ने फैजल खान के खिलाफ भी कदमकुआं थाने में मामला दर्ज किया। इस विवाद की जड़ बिहार पुलिस भर्ती परीक्षा के परिणाम से जुड़ी बताई जा रही है। 27 मई को रिजल्ट घोषित होने के बाद कई कोचिंग संस्थानों ने अपने-अपने छात्रों की सफलता का दावा किया। खान ग्लोबल स्टडीज और ज्ञान बिंदु कोचिंग, दोनों ने बड़ी संख्या में छात्रों के चयन होने का दावा करते हुए प्रचार अभियान शुरू किया।

'वसूली धंधा, मक्कारी फितरत..', आरजेडी पर भड़कीं रोहिणी

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) द्वारा विधान परिषद चुनाव के लिए सुनील कुमार सिंह को उम्मीदवार बनाए जाने के बाद पार्टी के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी और पार्टी नेता रोहिणी आचार्य ने इस फैसले पर अप्रत्यक्ष रूप से सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखी पोस्ट साझा की है। उनकी पोस्ट को पार्टी के भीतर असंतोष और आंतरिक मतभेदों के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। रोहिणी आचार्य ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में किसी का नाम लिए बिना ऐसे व्यक्ति को उम्मीदवार बनाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने लिखा- गुटबाजी - भीतरघात - विश्वासघात, मक्कारी जिसकी फितरत, विरोधियों से जिसकी मिलीभगत, नजदीकियों की बात बता कर उगाही - वसूली करना जिसका धंधा, जो अपनी झूठी धौंस जताने के लिए पार्टी कार्यालय में पार्टी के कार्यकर्ताओं - पदाधिकारियों को सामने बिठा कर बहन - बेटियों के बारे में ओछी- अमर्यादित बातें है करता, उसको कैसे उसके ही द्वारा उम्मीदवार बना दिया गया। जिसे सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे ले जाने, पार्टी की बेहतरी की जिम्मेदारी लालू जी ने सौंपी? समर्पित - निष्ठावान कार्यकर्ताओं - नेताओं का टोंटा पड़ गया क्या? ऐसे ही लोगों की वजह से वर्षों से मजबूती के साथ खड़े कार्यकर्ताओं- समर्थकों में विक्षोभ - असंतोष भी है और ऐसे ही लोगों की वजह से हुआ नुकसान भी दिख ही चुका है बीते वर्ष के नवंबर के महीने में.. पार्टी की स्थापना के समय से लेकर आज तक पार्टी के साथ मजबूती से खड़े एक नहीं अनेकों समर्पित, सम्मानित, जमीन से जुड़े कट्टर लालूवादी अल्पसंख्यक चेहरे हैं, यादव , दलित , पिछड़े व वंचित समाज से आने वाले वरिष्ठ व युवा लोग हैं, ऐसे लोगों की अनदेखी गंभीर चिंता का विषय है और पार्टी हित में तो कतई नहीं है।

पवन सिंह की एंट्री, कुशवाहा की टेंशन! क्या एनडीए छोड़ेंगे उपेंद्र?

हिंदमाता नेटवर्क @ पटना

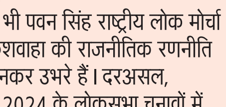

बिहार की राजनीति में पावर स्टार पवन सिंह एक बार फिर सक्रिय हो गए हैं। चौंकाने वाली बात ये है कि इस बार भी पवन सिंह राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा की राजनीतिक रणनीति के लिए चुनौती बनकर उभरे हैं। दरअसल, कहा जाता है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में काराकाट सीट पर उपेंद्र कुशवाहा की हार में पवन सिंह का अहम रोल था। इसके बाद अब बिहार विधान परिषद चुनावों को लेकर उनकी उम्मीदों को एक और झटका लगा है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि बिहार सरकार में मंत्री और उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को विधान परिषद भेजा जा सकता था। उम्मीद थी कि खाली 9 सीटों में से एक उन्हें मिलेगी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने दीपक प्रकाश की जगह पवन सिंह को मैदान में उतारकर राजनीतिक समीकरण बदल दिए। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी ने प्रस्ताव दिया था कि उपेंद्र कुशवाहा अपनी पार्टी का बीजेपी में विलय कर लें। हालांकि, शुरुआती सहमति के बावजूद यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई। इसके बाद से यह अटकलें तेज हो गई हैं कि विधान परिषद के लिए उम्मीदवारों के चयन के दौरान बीजेपी ने कुशवाहा खेमे को उचित महत्व नहीं दिया। दीपक प्रकाश ने दो बार मंत्री पद की शपथ ली है, जबकि वे अभी तक न तो विधानसभा के सदस्य हैं और न ही विधान परिषद के। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, कोई व्यक्ति बिना किसी सदन का सदस्य बने अधिकतम छह महीने तक मंत्री रह सकता है। इसके बाद, विधानसभा या परिषद का सदस्य बनना अनिवार्य हो जाता है। नतीजतन, दीपक प्रकाश के सामने अब ऐसी सदस्यता हासिल करने की चुनौती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि उपेंद्र कुशवाहा अब मुश्किल स्थिति में हैं। अगर वे एनडीए से अलग होने का फैसला करते हैं, तो सवाल उठ सकता है कि क्या उनकी पार्टी के विधायक उनके साथ बने रहेंगे।

सूर्या हत्याकांड के बाद एक्शन में प्रशासन

14 दुकानों पर चला बुलडोजर

हिंदमाता नेटवर्क @ गाजियाबाद

गाजियाबाद के खोड़ा थाना क्षेत्र में हुए सूर्या चौहान हत्याकांड के बाद सोमवार को प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने मोदीनगर के बेगमाबाद में बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम अजीत सिंह के निर्देशन में नगर पालिका की भूमि पर अवैध रूप से निर्मित 14 दुकानों को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। इस अवैध कब्जे के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों पर 2 करोड़ 23 लाख रुपये का भारी जुमार्ना भी लगाया है। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखने के लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था, जिसके चलते बिना किसी बड़े विरोध के ध्वस्तीकरण की यह पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई।

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ कड़ी चेतावनी

मौके पर मौजूद एसडीएम अजीत सिंह ने बताया कि नगर पालिका की सरकारी भूमि पर किए गए इन अवैध कब्जों को नियमानुसार हटाया गया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और आने वाले दिनों में भी ऐसी सख्त कार्रवाइयां जारी रहेंगी। इस दौरान डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्र नाथ तिवारी भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए पुलिस टीम के साथ अलर्ट मोड पर रहे।

दो दिन का नोटिस और देर रात तक अफरा-तफरी

प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, इस कार्रवाई से पहले ही सभी संबंधित दुकानदारों को नोटिस जारी कर दो दिन का समय दिया गया था। तय समय सीमा खत्म होने से पहले ही कई लोगों ने कार्रवाई के डर से देर रात अपने स्तर पर ही दुकानों का सामान और ढांचा हटाना शुरू कर दिया था। इसके बावजूद, जो भी अवैध निर्माण मौके पर शेष रह गए थे, उन्हें सोमवार सुबह पहुंची नगर पालिका और राजस्व टीम ने बुलडोजर की मदद से पूरी तरह ढहा दिया।

लखनऊ के दारोगा भी सेफ नहीं! जालसाजों ने मोबाइल हैक कर पार किए 164000 रुपए

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में लोगों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार पुलिस भी सुरक्षित नहीं है। लखनऊ की दारोगा के साथ हुए धोखे की कहानी चर्चा में है। महिला दारोगा का आरोप है कि जालसाजों ने उनके खाते से पैसे उड़ा लिए हैं। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, घटनाक्रम के बाद सवाल उठने लगे हैं कि जब पुलिस अधिकारी के साथ ऐसा धोखा हो सकता है तो आम जनता के पैसे कैसे सुरक्षित रह सकेंगे?

महिला दरोगा द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया कि साइबर ठगों ने उनका मोबाइल हैक कर लिया था। इसके बाद उनके बैंक खाते से 1.64 लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित महिला बीकेटी थाना में दरोगा के पद पर तैनात हैं।

कैसे पता चला?

4 जून को दोपहर करीब 1:45 बजे महिला दारोगा का फोन अचानक ऑटो अपडेट होने लगा। पीड़िता को लगा कि मोबाइल अपडेट हो रहा है, लेकिन लगभग एक घंटे तक चली इस प्रक्रिया के बाद उन्हें ज्ञात हुआ कि फोन अपडेट न होकर फॉर्मेट हो गया है। इसके बाद फोन चालू होने पर जानकारी मिली कि उनके बैंक ऑफ बड़ौदा खाते से 99,000 रुपये एवं भारतीय स्टेट बैंक खाते से 65,000 रुपये गूगल पे के माध्यम से निकाल लिए गए हैं। 65,000 रुपये गूगल पे के माध्यम से तथा 99,000 रुपये शुभम भारती एवं आकाश कुमार के बैंक खातों में ट्रांसफर किए गए। इस पर तत्काल उप निरीक्षक द्वारा साइबर शिकायत दर्ज कर दोनों खाते फ्रीज करा दिए गए। इसके बाद जानकारी हुई कि 99 हजार रुपये शुभम के खाते में गए थे।

आजमगढ़ के चर्चित हत्याकांड में एक लाख का इनामी मुठभेड़ में ढेर

एसटीएफ व पुलिस को सफलता; तीन दर्जन एफआईआर थे

हिंदमाता नेटवर्क @ आजमगढ़

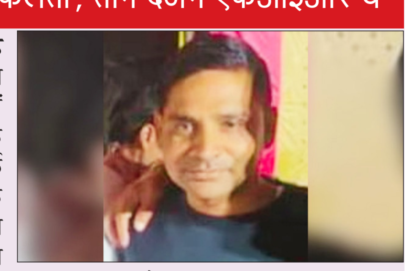

आजमगढ़ के मुबारकपुर क्षेत्र के चर्चित दुधिया पृथ्वीराज यादव हत्याकांड में वांछित चल रहे एक लाख रुपये के इनामी अपराधी भानू प्रताप सिंह उर्फ बब्लू सिंह के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद आजमगढ़ पुलिस ने राहत की सांस ली है। लंबे समय से फरार चल रहा यह कुख्यात अपराधी जिले की पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ था। उस पर हत्या, लूट, डकैती और संगठित अपराधों समेत कई गंभीर मामलों में मुकदमे दर्ज थे। एसपी डॉ। अनिल कुमार गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र के विधानापार गांव निवासी भानू प्रताप सिंह आजमगढ़ के थाना मुबारकपुर में दर्ज बहुचर्चित हत्या मामले में वांछित था। आरोप था कि उसने सुपारी लेकर पिपरापुर निवासी दुधिया कारोबारी पृथ्वीराज यादव की हत्या कराई थी। इस मामले में उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा। आरोपी की गिरफ्तारी पर पहले आजमगढ़ पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था।

एसटीएफ व पुलिस को सफलता

आजमगढ़ में उसके खिलाफ हत्या, लूट, अपहरण, हत्या के प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज थे। वहीं गोरखपुर, संतकबीरनगर, मऊ, अंबेडकरनगर और बस्ती समेत विभिन्न जनपदों में भी उसके खिलाफ गंभीर अपराधों के मामले पंजीकृत थे। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार उसके खिलाफ तीन दर्जन से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। रविवार को अयोध्या में एसटीएफ फील्ड यूनिट प्रयागराज और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने उसे घेर लिया। पुलिस के मुताबिक घेराबंदी के दौरान उसने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में वह घायल हो गया। अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसपी डॉ अनिल कुमार ने बताया कि भानू प्रताप सिंह के मारे जाने से आजमगढ़ के चर्चित पृथ्वीराज यादव हत्याकांड की जांच और उससे जुड़े आपराधिक नेटवर्क के कई पहलुओं को स्पष्ट करने में मदद मिलेगी। साथ ही जिले में सक्रिय अपराधियों के बीच भी इसका बड़ा संदेश गया है।

पुलिस एनकाउंटर में कॉन्ट्रैक्ट किलर भानु प्रताप सिंह ढेर

1.68 लाख का था ईनामी, 40 से अधिक मामलों में था नामजद

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने सोमवार तड़के एक बड़े एनकाउंटर को अंजाम दिया है। एटीएस ने 1.65 लाख के इनामी बदमाश भानु प्रताप सिंह को मुठभेड़ में मार गिराया है। भानु प्रताप सिंह कई संगीन मामलों में वांक्षित था, उस पर 40 से अधिक हत्या, रंगदारी, डकैती और कॉन्ट्रैक्ट किलिंग का मामले दर्ज थे। जानकारी के मुताबिक, भानु प्रताप सिंह के खिलाफ आजमगढ़ पुलिस गोरखपुर पुलिस और अम्बेडकरनगर पुलिस में कई मामले दर्ज थे। अपराधी सुपारी किलिंग के लिए पूर्वांचल के इलाके में बदनाम थी। पुलिस ने उस पर अलग-अलग मामलों में कुल एक लाख 65 हजार का इनाम घोषित कर रखा था। मुठभेड़ में भानु प्रताप सिंह बुरी तरह घायल हो गया था, पुलिस उसे अस्पताल ले गई जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

अयोध्या में मुठभेड़ के बाद मौत

जानकारी के मुताबिक, कुख्यात बदमाश भानु प्रताप सिंह पर गोरखपुर, आजमगढ़ और अंबेडकरनगर पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कुल 1 लाख 65 हजार रुपए का ईनाम रखा था। जानकारी के अनुसार, पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी। इसी बीच यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स को उसके अयोध्या में छिपी होने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम उसे पकड़ने पहुंची, और घेराबंदी करनी शुरू की, खुद को घिरता देख उसने पुलिस पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रबाई में फायरिंग की, जिसमें वो बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस एनकाउंटर के बाद उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने जारी किया बयान

उत्तर प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने बताया कि, भानु प्रताप सिंह कॉन्ट्रैक्ट किलिंग, डकैती और अन्य गंभीर अपराधों के 40 से अधिक मामलों में वांछित था। एसटीएफ की प्रयागराज यूनिट के साथ हुई मुठभेड़ में भानु प्रताप सिंह घायल हो गया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए अयोध्या मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

हिंदमाता एंकरः फिजियोथेरेपी के बहाने चांदनी ने आयुष से नजदीकियां बढ़ाईं और उसे अपने जाल में फंसा लिया, इसके बाद आयुष उसी जिम में जाने लगा जहां चांदनी ट्रेनर थी

चांदनी का वो मायाजाल! इसलिए करोड़पति आयुष को हुस्न के जाल में फंसाया

हिंदमाता संवाददाता @ शामली

शामली के मोहल्ला दयानंद नगर निवासी बी-फार्मा ग्रेजुएट आयुष मलिक का धर्म परिवर्तन कराने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी चांदनी कुरैशी और उसके पिता इस्लाम को गिरफ्तार किया है। आयुष के पिता देवराज मलिक ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके बेटे को सुनियोजित तरीके से ब्लैकमेल कर इस्लाम अपनाने पर मजबूर किया गया। साल 2018 में अस्पताल में मुलाकात के बाद चांदनी ने आयुष को अपने प्रभाव में लिया और 2023 में दिल्ली ले जाकर उसका नाम मोहम्मद अली रख दिया। पुलिस ने इस मामले में चांदनी के परिवार के सदस्यों और मौलवियों समेत 9 नामजद और 2 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

फिजियोथेरेपी के बहाने बुना प्रेम जाल

आयुष के पिता शामली के बड़े दवा व्यापारी हैं और उनकी संपत्ति करीब 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की है। साल 2018 में आयुष के पैर में फ्रैक्चर हुआ था, तब अस्पताल में उसकी मुलाकात फिजियोथेरेपिस्ट और जिम ट्रेनर चांदनी कुरैशी से हुई। चांदनी का भाई आश मोहम्मद आयुष के मेडिकल स्टोर पर काम करता था, जिसे उनकी संपत्ति की पूरी जानकारी थी। फिजियोथेरेपी के बहाने चांदनी ने आयुष से नजदीकियां बढ़ाईं और उसे अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद आयुष उसी जिम में जाने लगा जहां चांदनी ट्रेनर थी।

पाकिस्तानी मौलाना के वीडियो से किया 'ब्रेनवॉश'

पुलिस जांच और शिकायत के अनुसार, चांदनी ने आयुष का पूरी तरह से ब्रेनवॉश किया था। वह आयुष को पाकिस्तान के मौलाना इसरार अहमद के वीडियो देखने के लिए प्रेरित करती थी। आयुष अब खुद को कट्टर मुस्लिम मानने लगा है। वह पांच वक्त की नमाज पढ़ता है और उसने लंबी दाढ़ी रख ली है। साल 2023 में आरोपी उसे दिल्ली ले गए, जहां कथित तौर पर उसका धर्म परिवर्तन और निकाह कराया गया। हालांकि, पुलिस को अब तक निकाह से जुड़ा कोई आधिकारिक दस्तावेज नहीं मिला है।

50 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश

पुलिस का दावा है कि यह धर्मांतरण केवल धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह आर्थिक लाभ के लिए रची गई साजिश थी। आरोपियों की नजर आयुष के 20 करोड़ के शोरूम और शामली की अन्य बेशकीमती संपत्तियों पर थी। पिता का आरोप है कि उन्हें 4 साल पुराना फर्जी निकाहनामा दिखाकर करोड़ों की संपत्ति के लिए मजबूर किया जा रहा था और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। फिलहाल आयुष अपने परिवार के साथ है और उसे हिंदू धर्म गुरुओं से मिलवाया जा रहा है।

एसआईटी गठित, मौलवियों की तलाश जारी

शामली के एसपी अभिषेक सिंह (एन।पी। सिंह) ने बताया कि मामले की गहराई से जांच के लिए एसआईटी और एलआईयू की टीमें गठित की गई हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। चांदनी और उसके पिता की गिरफ्तारी के बाद अब पुलिस फरार चल रहे अन्य परिजनों और दिल्ली के उन अज्ञात मौलवियों की तलाश कर रही है जिन्होंने इस कथित धर्मांतरण में भूमिका निभाई थी।

फिलीपींस में 7.8 तीव्रता का भूकंप, 15 मौतें

तटीय इलाकों में सुनामी का अलर्ट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

फिलीपींस के दक्षिणी द्वीप मिंदानाओ में सोमवार को 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। देशभर में भूकंप से जुड़ी घटनाओं में 15 लोगों की मौत हुई है। अकेले दक्षिणी शहर जनरल सैंटोस में पांच लोग मारे गए। भूकंप के बाद फिलीपींस और इंडोनेशिया के कई तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र किनारे रहने वाले लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के मुताबिक, भूकंप जमीन से सिर्फ 10 किमी की गहराई पर आया। कम गहराई पर आए भूकंप से जमीन ज्यादा हिलती है और सुनामी का खतरा बढ़ जाता है। जीएफजेड ने पहले इसकी तीव्रता 7.3 बताई थी, फिर इसे 8.2 किया गया और बाद में संशोधित कर 7.8 बताया गया। भूकंप के झटकों से कई इमारते मलबे में बदल गईं। एक स्कूल की इमारत भी गिरती हुई नजर आई।

फिलीपींस में क्यों आते हैं भूकंप

फिलीपींस दुनिया के उन देशों में है जहां प्राकृतिक आपदाएं ज्यादा होती हैं। यह देश प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर में स्थित है, जहां भूकंप और ज्वालामुखी फटने की घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। इसके अलावा यहां हर साल करीब 20 तूफान और चक्रवात भी आते हैं, जिससे लोगों को बार-बार मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए सुनामी का अलर्ट

भूकंप के तुरंत बाद अमेरिकी सुनामी वॉर्निंग सिस्टम ने अलर्ट जारी किया। इसमें कहा गया कि क्षेत्र के तटीय इलाकों में खतरनाक समुद्री लहरें पहुंच सकती हैं। इसके बाद इंडोनेशिया की जियो फिजिक्स एजेंसी ने भी देश के उत्तर-पूर्वी तटीय क्षेत्रों के लिए सुनामी चेतावनी जारी कर लोगों से सतर्क रहने को कहा। फिलीपींस की सरकारी एजेंसी फिवोल्क्स ने चेतावनी दी है कि प्रभावित तटीय क्षेत्रों में सामान्य ज्वार से एक मीटर ऊंची सुनामी लहरें उठ सकती हैं।

आफ्टरशॉक की चेतावनी भी जारी

फिवोल्क्स ने यह भी कहा कि इस शक्तिशाली भूकंप से नुकसान हो सकता है और आने वाले घंटों तथा दिनों में तेज आफ्टरशॉक (भूकंप के बाद के झटके) भी आ सकते हैं। फिलहाल राहत और आपदा एजेंसियां समुद्र के जलस्तर पर नजर रख रही हैं और हालात की निगरानी कर रही हैं। अधिकारियों ने लोगों से कहा है कि वे सतर्क रहें, अफवाहों पर ध्यान न दें और सिर्फ सरकारी निर्देशों का पालन करें।

भारत को लेकर बदले चीन के सुर, कहा- हम दुश्मन नहीं, एक-दूसरे के लिए मौका हैं!

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच रिश्तों को लेकर बीजिंग ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण बयान जारी किया है। उसकी तरफ से कहा गया है कि दोनों देशों को सही रणनीतिक सोच पर कायम रहना चाहिए। बीजिंग ने कहा कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी या प्रतिरोधी ताकतें नहीं हैं, बल्कि सहयोगी साझेदार हैं और एक-दूसरे के विकास के लिए अवसर हैं, खतरा नहीं। दरअसल, चीन की यह प्रतिक्रिया रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की हालिया टिप्पणी के बाद आई है। पुतिन ने भारत और चीन के साथ रूस के मजबूत रिश्तों का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच संवाद और सहयोग की सराहना की थी। इसी टिप्पणी को लेकर जब बीजिंग में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान से सवाल किया गया था। इस पर लिन जियान ने भारत और चीन को 'सहयोगी साझेदार' बताते हुए रिश्तों को दीर्घकालिक और रणनीतिक नजरिए से आगे बढ़ाने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में चीन-भारत सीमा पर स्थिति सामान्य रूप से स्थिर है। दोनों देशों के बीच संवाद का चैनल सुचारु रूप से काम कर रहा है। दोनों देश एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि चीन और भारत को सहयोगी साझेदार के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। दोनों देशों को एक-दूसरे के विकास को अवसर के रूप में देखना चाहिए, न कि खतरे के रूप में। उनके मुताबिक, दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी वाले देशों के बीच स्थिर और सकारात्मक संबंध न केवल दोनों देशों बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने आगे कहा कि दोनों पक्षों को अपने संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आपसी विश्वास को मजबूत करना, सहयोग का विस्तार करना और मतभेदों को उचित तरीके से संभालना समय की जरूरत है। उनके मुताबिक, ऐसा करके चीन और भारत अपने संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास को आगे बढ़ा सकते हैं। भारत की ओर से अक्सर पाकिस्तान और चीन की करीबी साझेदारी को लेकर जताई जाने वाली चिंताओं पर भी बीजिंग ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चीन, भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ संवाद बनाए रखने का पक्षधर है। लिन जियान ने कहा कि बीजिंग दोनों देशों के बीच बातचीत और परामर्श के माध्यम से अपने मतभेदों का समाधान निकालने के लिए प्रोत्साहित करता है। उनका कहना था कि चीन क्षेत्र में शांति, स्थिरता और संतुलन बनाए रखने के लिए रचनात्मक भूमिका निभाने का इच्छुक है। भारत, चीन और रूस के त्रिकोणीय संबंधों पर भी चीन ने सकारात्मक संकेत दिए।

ओमान तट के पास जहाज में लगी आग, सभी 24 भारतीय नाविक सुरक्षित

रेस्क्यू जारी

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ओमान के तट के पास होर्मुज जलडमरूमध्य के पास सोमवार (8 जून) को एक वाणिज्यिक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध ड्रोन या मिसाइल हमला हुआ। इस जहाज पर कम से कम 24 भारतीय नाविक सवार थे। बताया जा रहा है कि हमले के बाद जहाज के इंजन रूम में जोरदार विस्फोट हुआ जिससे भीषण आग लग गई। इस दौरान चालक दल के बीच अफरा-तफरी मच गई। यह घटना पश्चिम एशिया में बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के बीच घटी है, जहां ईरान और इजराइल के बीच फिर से जंग शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक पलाऊ के झंडे वाला यह मालवाहक जहाज ओमान के तट से करीब 15 समुद्री मील की दूरी पर था तभी उस पर हमला हुआ। धमाका इतना तेज था कि जहाज के इंजन रूम में बड़ा छेद हो गया। जिससे जहाज में तेजी से पानी भरने लगा और उसका संतुलन बिगड़ गया। विस्फोट के बाद इंजन रूम में भीषण आग लग गई।

चालक दल ने किए आपातकालीन कॉल

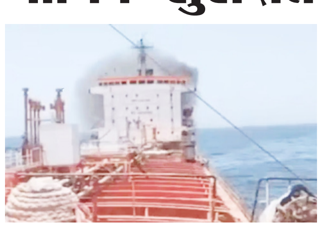

स्थिति बिगड़ने पर चालक दल ने आपातकालीन कॉल किए। फॉरवर्ड सीमेन्स यूनियन ऑफ इंडिया (एफएसयूआई) ने हमले की पुष्टि की है। यूनियन ने बताया कि जहाज पर भारतीय नाविक थे। सूत्रों के मुताबिक हमले में जहाज की लाइफबोट भी क्षतिग्रस्त हो गई। इससे नाविकों को बाहर निकालने में परेशानी हो रही है। अभी राहत और बचाव कार्य जारी है।

एमटी मारिवेक्स नामक जहाज में लगी आग

शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के शिपिंग डिवीजन के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि आज दोपहर करीब 1:30 बजे एमटी मारिवेक्स नामक जहाज में आग लगने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि शुरूआती जानकारी के मुताबिक जहाज पर कुल 24 भारतीय नाविक (सीफेरर्स) मौजूद थे। राहत की बात यह है कि अब तक मिली जानकारी के अनुसार सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

हालात पर रखी जा रही नजर

नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। इस मामले में विदेश मंत्रालय, विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों, भारतीय नौसेना और रक्षा मंत्रालय के साथ कॉर्डिनेशन किया जा रहा है।

परमाणु की धौंस दिखाने वाले पाकिस्तान को बड़ा झटका

एक साल में नहीं बन पाया एक भी हथियार

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

परमाणु हथियारों को लेकर अक्सर धमकी देने वाले पाकिस्तान को बड़ा झटका लगा है। स्वीडन के शोध संस्थान एसआईपीआरआई (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की 2026 रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान ने पिछले एक साल में अपने परमाणु हथियारों की संख्या में कोई बढ़ोतरी नहीं की। जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच उसके परमाणु वॉरहेड की संख्या 170 पर ही स्थिर रही। इसके उलट भारत और चीन ने अपने परमाणु जखीरे का विस्तार किया। एसआईपीआरआई के आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पास जनवरी 2025 में 180 परमाणु वॉरहेड थे, जो जनवरी 2026 तक बढ़कर 190 हो गए। यानी भारत ने एक साल में 10 नए परमाणु वॉरहेड जोड़े। वहीं चीन ने अपने वॉरहेड की संख्या 600 से बढ़ाकर 620 कर ली, यानी उसने एक साल में 20 नए परमाणु हथियार बढ़ाए।रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में आने वले दशक में इजाफा हो सकता है।

रिपोर्ट में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र

रिपोर्ट में मई 2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र है। एसआईपीआरआई के मुताबिक, भारत ने पाकिस्तान के कुछ एयरबेस और मिसाइल ठिकानों पर हमला किया था, जिनका संबंध परमाणु कार्यक्रम से हो सकता था। हालांकि दोनों देशों ने हालात को बड़े युद्ध में बदलने से रोकने की कोशिश की। दुनिया भर की बात करें तो जनवरी 2026 तक कुल 12,187 परमाणु हथियार मौजूद थे।

भारत का ध्यान लंबी दूरी की मिसाइलों पर

रिपोर्ट के मुताबिक, चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों और मिसाइल सिस्टम को आधुनिक बना रहा है। एसआईपीआरआई का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में चीन का परमाणु जखीरा लगातार बढ़ता रहेगा। रिपोर्ट कहती है कि भारत की परमाणु रणनीति अभी भी पाकिस्तान के साथ उसकी प्रतिद्वंद्विता से प्रभावित है। लेकिन अब भारत का ध्यान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित करने पर भी है, जो चीन के किसी भी हिस्से तक पहुंच सकें। इसलिए भारत का परमाणु आधुनिकीकरण अब चीन को ध्यान में रखकर भी किया जा रहा है। जनवरी 2026 तक चीन के पास 620, भारत के पास 190 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु वॉरहेड थे। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के 34 और भारत के 12 परमाणु वॉरहेड तैनात स्थिति में थे। पाकिस्तान का कोई भी वॉरहेड तैनात श्रेणी में नहीं दिखाया गया है। हालांकि पाकिस्तान के कुल परमाणु हथियारों की संख्या 170 ही रही, लेकिन उसने 2025 में नए मिसाइल सिस्टम विकसित करने और न्यूक्लियर जमा करने का काम जारी रखा।

जल्द ईरान छोड़ें भारतीय भारत सरकार ने जारी किया इमरजेंसी अलर्ट

यात्रा न करने की भी सलाह

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान-इजरायल के बीच युद्धविराम पूरी तरह से टूट चुका है। सोमवार, 8 जून 2026 को दोनों देशों के बीच नए सिरे से शुरू हुई सीधी सैन्य कार्रवाई के बाद भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षा को लेकर एक बड़ी एडवाइजरी जारी की है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी भारतीयों को जल्द से जल्द ईरान छोड़ने की सख्त हिदायत दी है।

भारतीय नागरिकों के लिए दूतावास का अलर्ट

तेहरान में भारतीय दूतावास द्वारा जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि क्षेत्र में हालिया घटनाक्रमों और तेजी से बिगड़ते सुरक्षा हालातों को देखते हुए, कोई भी भारतीय नागरिक फिलहाल ईरान की यात्रा न करे। दूतावास ने कहा है, जो भारतीय नागरिक वर्तमान में ईरान में रह रहे हैं, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे किसी भी तरह तुरंत देश से बाहर निकलें। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब रविवार देर रात से शुरू हुए मिसाइल हमलों ने पूरे क्षेत्र में युद्ध का माहौल बना दिया है।

ईरान और इजरायल के बीच सीधी भिड़ंत

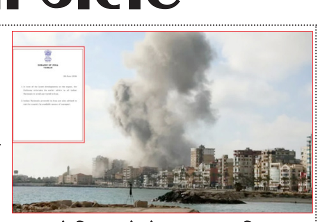

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता के नतीजों से पहले ही रविवार रात ईरान ने इजरायल पर बड़ा हमला कर दिया। ईरान का दावा है कि उसने लेबनान पर हालिया इजरायली हमलों के जवाब में यह मिसाइल कार्रवाई की है। इसके कुछ ही घंटों बाद, सोमवार तड़के इजरायल ने भी कड़ा पलटवार किया और तेहरान सहित ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों पर भीषण हवाई हमले शुरू कर दिए। इन हमलों के बाद पश्चिम एशिया में तनाव और गहरा गया है और एक पूर्ण युद्ध का खतरा मंडराने लगा है।

धमाकों से दहला ईरान

ईरानी सरकारी टेलीविजन के अनुसार, सोमवार सुबह तेहरान, इस्फहान, करज और तबरीज जैसे प्रमुख शहरों में शक्तिशाली धमाकों की आवाजें सुनी गईं। तेहरान के पश्चिमी हिस्से में रहने वाले प्रत्यक्षदर्शियों ने कम से कम एक बड़े विस्फोट की पुष्टि की है, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। इजरायली हमलों के मद्देनजर, ईरान ने सुरक्षा कारणों से तेहरान के इमाम खुमैनी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के आसपास के पूरे हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने यह भी जानकारी दी है कि इजरायल ने सोमवार सुबह के हमले में बैलिस्टिक मिसाइलों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया है।

अब लाल सागर में इजराइली जहाजों की एंट्री बंद

आए तो हमला करेंगे हूतियों का बड़ा ऐलान

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

यमन के बड़े हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में इजराइल से जुड़े जहाजों के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने का ऐलान किया है। हूतियों ने कहा है कि वे अमेरिका और इजराइल की कार्रवाई का जवाब देने का अधिकार रखते हैं और अब इजराइली जहाज उनके लिए सैन्य लक्ष्य माने जाएंगे। सोमवार को जारी बयान में हूतियों ने कहा कि दुश्मन की हर गतिविधि हमारी सशस्त्र सेनाओं के निशाना पर होगी। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब ईरान से जुड़ा अमेरिका-इजराइल संघर्ष चौथे महीने में पहुंच चुका है। क्षेत्र में बढ़ता तनाव युद्धविराम और शांति समझौते की कोशिशों को भी प्रभावित कर रहा है। लाल सागर दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है। यह रास्ता बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट के जरिए अदन की खाड़ी और हिंद महासागर से जुड़ता है। होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ते संकट के बीच यह मार्ग तेल और दूसरे सामानों की सप्लाई के लिए और भी महत्वपूर्ण बन गया है।

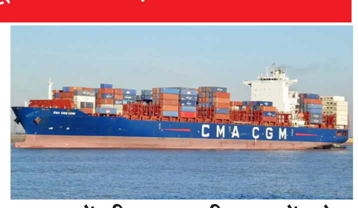

2023 में भी इजराइली जहाजों को निशाना बनाया था

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान युद्ध के कारण होर्मुज स्ट्रेट लगभग बंद होने की स्थिति में पहुंच गया है। इससे मिडिल ईस्ट के कई देशों को अपने उत्पाद दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक रास्ते तलाशने पड़ रहे हैं। हूतियों ने पहली बार अक्टूबर 2023 में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद इजराइल से जुड़े जहाजों पर हमले शुरू किए थे।

बाब-अल-मंदेब पर संकट बरकरार

मौजूदा अमेरिका-इजराइल और ईरान संघर्ष में हूती सीधे तौर पर ज्यादा शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन उन्होंने कई बार चेतावनी दी है कि वे बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद कर सकते हैं। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर इस इलाके में फिर से हमले बढ़ते हैं, तो वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है।

हिंदमाता एंकर अगर 2030 तक चीन के पास 1,000 से ज्यादा परमाणु वॉरहेड भी हो जाएं, तब भी यह संख्या रूस और अमेरिका के मौजूदा भंडार की लगभग एक-चौथाई ही होगी

हर 18 दिन में एक परमाणु हथियार बना रहा चीन, कब तक रूस और अमेरिका को चुनौती देगा?

हिंदमाता नेटवर्क @ बीजिंग

चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों की ताकत बढ़ा रहा है। एसआईपीआरआई (स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट) की नई रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी 2026 तक चीन के पास 620 परमाणु वॉरहेड हो गए हैं। जनवरी 2025 में यह संख्या 600 थी। यानी चीन ने एक साल में 20 नए वॉरहेड जोड़े। इस हिसाब से वह लगभग हर 18 दिन में एक नया परमाणु वॉरहेड अपने जखीरे में शामिल कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक चीन सिर्फ वॉरहेड की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि अपने पूरे परमाणु हथियार कार्यक्रम को आधुनिक बना रहा है। एसआईपीआरआई का अनुमान है कि अगले 10 सालों में चीन का परमाणु जखीरा लगातार बढ़ता रहेगा। हालांकि चीन का कहना है कि उसकी परमाणु नीति पूरी तरह रक्षात्मक है। वह नो फर्स्ट यूज यानी पहले परमाणु हमला नहीं करने की नीति का पालन करता है और सिर्फ अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी न्यूनतम परमाणु ताकत रखता है।

चीन के पास यूएस से ज्यादा आईसीबीएम

जनवरी 2026 तक चीन के पास 775 जमीन आधारित मिसाइल साइलो थे। ये ऐसे ठिकाने हैं, जहां से लंबी दूरी की मिसाइलें दागी जा सकती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के पास अब इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चरों की संख्या रूस और अमेरिका से भी ज्यादा हो गई है। अनुमान है कि इस दशक के अंत तक चीन के आईसीबीएम भंडार रूस और अमेरिका के बराबर पहुंच सकते हैं। एसआईपीआरआई का कहना है कि चीन के अधिकांश परमाणु हथियार अभी भी मिसाइलों से अलग रखे जाते हैं। लेकिन अब चीन कुछ मोबाइल मिसाइल यूनिटों में शांति काल के दौरान भी वॉरहेड तैनात करने लगा है। जनवरी 2025 में चीन के पास करीब 24 तैनात परमाणु वॉरहेड थे, जो 2026 में बढ़कर लगभग 34 हो गए। रिपोर्ट में अमेरिकी सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि चीन ने अपने तीन नए मिसाइल साइलो क्षेत्रों में रखी करीब 100 मिसाइलों में से कुछ पर परमाणु वॉरहेड लगाए हो सकते हैं। इसके अलावा एक परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी पर भी परमाणु हथियार तैनात होने की संभावना जताई गई है।

चीन ने परमाणु क्षमता वाली मिसाइलें बढ़ाई

चीन ने पिछले साल सैन्य परेड में नई इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइलें, पनडुब्बी से दागी जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलें और हवाई हमले में इस्तेमाल होने वाली परमाणु क्षमता वाली मिसाइलें भी प्रदर्शित की थीं। उसने डीएफ-26 मिसाइलों की संख्या बढ़ाई है और अपने बॉम्बर विमानों को भी परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम बनाया है।

कब तक रूस-यूएस की बराबरी करेगा चीन?

रिपोर्ट के मुताबिक, अगर 2030 तक चीन के पास 1,000 से ज्यादा परमाणु वॉरहेड भी हो जाएं, तब भी यह संख्या रूस और अमेरिका के मौजूदा भंडार की लगभग एक-चौथाई ही होगी। एसआईपीआरआई ने यह भी बताया कि दुनिया के सभी 9 परमाणु हथियार संपन्न देश- अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल अपने परमाणु हथियारों को लगातार आधुनिक बना रहे हैं। जनवरी 2026 तक दुनिया में कुल 12,187 परमाणु वॉरहेड मौजूद थे, जिनमें से 9,745 सैन्य इस्तेमाल के लिए रखे गए थे। दुनिया में कुल परमाणु हथियारों की संख्या पिछले साल 12,241 थी, जो घटकर 12,187 रह गई। इसकी वजह यह है कि रूस और अमेरिका ने अपने कुछ पुराने परमाणु हथियार नष्ट कर दिए। लेकिन एक चिंता की बात यह है कि तुरंत इस्तेमाल के लिए तैयार परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ गई है।

बिजनेस वर्ल्ड

तो क्या 62% लोग नहीं ले पाएंगे होम लोन? 730 से कम सिबिल स्कोर होने पर होगी दिक्कत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अगर आपका सिबिल स्कोर 730 से कम है तो आने वाले समय में होम लोन, ऑटो लोन और एजुकेशन लोन लेना पहले के मुकाबले ज्यादा मुश्किल हो सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के नए 'ईसीएल डायरेक्शन-2026' के लागू होने के बाद बैंक जोखिम वाले ग्राहकों को कर्ज देने में अधिक सतर्कता बरतेंगे। बैंकिंग सेक्टर के जानकारों का मानना है कि कम क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को या तो लोन मिलने में दिक्कत होगी या फिर उन्हें ज्यादा ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़ेगा। कई मामलों में बैंक अतिरिक्त गारंटी या कोलेटरल की भी मांग कर सकते हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात है कि देश में करीब 62 फीसदी लोन आवेदकों का सिबिल स्कोर 730 से कम है। ऐसे में अगले साल से बड़ी संख्या में लोगों के लिए होम, ऑटो और एजुकेशन लोन हासिल करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। आरबीआई का 'एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) डायरेक्शन-2026' 1 अप्रैल 2027 से लागू होगा। वर्तमान व्यवस्था में बैंक किसी लोन के एनपीए बनने के बाद उसके लिए प्रावधान करते हैं। आमतौर पर ये स्थिति तब आती है, जब ग्राहक 90 दिनों तक किश्त नहीं चुकाता। नई व्यवस्था में बैंकों को संभावित डिफॉल्ट का अनुमान पहले ही लगाना होगा और उसके हिसाब से अलग से रकम रखनी होगी। यानी लोन डूबने का इंतजार नहीं किया जाएगा और संभावित नुकसान के लिए पहले से तैयारी करनी होगी। जानकारों का मानना है कि इस व्यवस्था से बैंकिंग सेक्टर के मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है और कुल मिलाकर करीब 42 हजार करोड़ रुपये तक का असर पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, नए नियम लागू होने के बाद बैंक उन ग्राहकों से ज्यादा ब्याज वसूल सकते हैं जिनमें डिफॉल्ट का जोखिम अधिक है। वहीं, बेहतर क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को ब्याज दरों में रियायत और बेहतर शर्तों पर लोन मिलने की संभावना बढ़ सकती है। इसी वजह से बैंक 730 या उससे ज्यादा सिबिल स्कोर वाले ग्राहकों पर ज्यादा फोकस करेंगे। इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक देश में करीब 7 करोड़ ऐसे ग्राहक हैं जिनका क्रेडिट स्कोर 730 या उससे ज्यादा है। जानकारों का मानना है कि ईसीएल फ्रेमवर्क बैंकिंग सिस्टम को मजबूत बनाने और जोखिम की पहचान पहले करने की दिशा में बड़ा कदम है। हालांकि इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ सकता है, जिनका क्रेडिट स्कोर कमजोर है।

वॉर ने 100 दिन में साफ किए 8 लाख करोड़! क्या मंदी में जा रहा बाजार?

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

मिडिल ईस्ट में वॉर को 100 दिन बीत चुके हैं। जिसका असर दुनिया के तमाम लोगों पर पड़ा है। जहां एक ओर महंगाई बढ़ रही है। साथ ही दुनियाभर के शेयर बाजारों में लगातार गिरावट देखने को मिली है। इन 100 दिनों में इस वॉर का सबसे ज्यादा नुकसान भारत को हुआ है। जहां के शेयर बाजार में 8 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को को मिल चुकी है। वहीं दूसरी ओर शेयर बाजार निवेशकों को 8.40 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। वैसे भारत के शेयर बाजार को इन 100 के दिनों के दौरान दोहरी चुनौती का सामना करना पड़ा है। सबसे बड़ी चुनौती जियोपॉलिटिकल टेंशन की रही, जिसकीद वजह से खाड़ी देशों का कच्चा तेल 96 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। दूसरी सबसे बड़ी चुनौती विदेशी निवेशकों की शेयर बाजार से बिकवाली रही। जिन्होंने मौजूदा साल में 28 अरब डॉलर की बिकवाली कर ली है। यह बिकवाली भारत की कॉर्पोरेट कमाई के अनुमानों में लगातार कटौती के साथ हो रही है। वेस्ट एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से एनालिस्ट्स ने कैलेंडर ईयर 2026 एमएससीआई इंडिया के मुनाफे के अनुमान को 16 फीसदी से घटाकर 13 फीसदी कर दिया है। नैस्डैक में 4.18 फीसदी की भारी गिरावट के बाद स्थानीय मार्केट में आई इस गिरावट ने ग्लोबल मार्केट को हिला दिया है और दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे टेक्नोलॉजी-प्रधान हब में भी हलचल मचा दी है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट डॉ। वीके विजयकुमार ने कहा कि इस हफ़्ते बाजार के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं। वेस्ट एशिया में संघर्ष बढ़ने और लेबनान में इजराइल की कार्रवाई के जवाब में ईरान द्वारा इजराइल पर मिसाइल दागने से क्रूड की कीमतें बढ़ गई हैं। ब्रेंट क्रूड 96 डॉलर के पार चला गया है। अमेरिका से आए जॉब्स के आंकड़े अच्छे हैं, इसलिए फेडरल रिजर्व दरों में कटौती नहीं करेगा जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप चाहते हैं। कुछ समय तक दरों में कोई बदलाव न होने की संभावना है।

अदाणी ग्रुप की बड़ी कामयाबी, अर्जेंटीना से मिला एलएनजी एक्सपोर्ट का 10 साल का बड़ा ठेका

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

अदाणी ग्रुप के लिए वैश्विक और घरेलू दोनों मोर्चों से बेहद सकारात्मक खबरें आ रही हैं। एक तरफ जहां ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने अर्जेंटीना के पहले लिक्विफाइड नेचुरल गैस एक्सपोर्ट प्रोजेक्ट के लिए 10 साल का बड़ा मरीन सर्विसेज कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है, वहीं दूसरी तरफ भारतीय शेयर बाजार में बड़े संस्थागत निवेशकों ने ब्लॉक डील के जरिए अडानी ग्रुप की कंपनियों में 15,000 करोड़ रुपए से ज्यादा के शेयर खरीदे हैं। अमेरिकी डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस द्वारा चेयरमैन गौतम अदाणी पर लगे आरोपों को वापस लेने के बाद से निवेशकों का भरोसा काफी मजबूत हुआ है, जिससे ग्रुप का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन बढ़कर लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया है। अडानी पोर्ट्स की सब्सिडियरी कंपनी अदाणी हार्बर इंटरनेशनल ने अर्जेंटीना स्थित मेरिडियन ग्रुप के साथ मिलकर एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी टेंडर जीता है। यह ठेका साउथर्न एनर्जी एसए द्वारा दिया गया है, जो अर्जेंटीना के सैन मटियास गल्फ में देश का पहला फ्लोटिंग एलएनजी प्रोजेक्ट विकसित कर रही है। यह प्रोजेक्ट गोलर एलएनजी और पैन अमेरिकन एनर्जी का एक जॉइंट वेंचर है। इस 10 साल के समझौते के तहत अडानी का कंसोर्टियम वहां टगबोट ऑपरेशंस, लॉजिस्टिक्स और क्रू ट्रांसफर जैसी महत्वपूर्ण मरीन सेवाएं प्रदान करेगा। इसके लिए चार विशेष टगबोट और अन्य जहाजों को तैनात किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट सितंबर 2027 से चालू होने की उम्मीद है और इसके पहले फेज में हर साल 2.45 मिलियन टन एलएनजी का उत्पादन किया जाएगा। खास बात यह है कि साल 2027 से अर्जेंटीना से भारत को हर साल 10 मिलियन टन तक एलएनजी एक्सपोर्ट करने की योजना है, जिसमें यह प्रोजेक्ट एक मजबूत कड़ी साबित होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिल रही सफलताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में भी बड़े संस्थागत निवेशकों ने अडानी ग्रुप पर बड़ा दांव लगाया है। पिछले महीने ग्रुप की बड़ी लिस्टेड कंपनियों में 15,000 करोड़ रुपए से अधिक की ब्लॉक डील्स देखी गईं।

और सस्ता हो गया सरिया, सस्ते में बनकर तैयार होगा घर, खरीदकर रख लें

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आज के समय में अपना घर बनवाना सबसे महंगे सौदों में शामिल हो चुका है। पहले जमीन खरीदने के लिए मोटी रकम खर्च करनी होती है, फिर उसपर अपने सपनों का आशियाना खड़ा करने के लिए हाउस कंस्ट्रक्शन पर तगड़ा पैसा खर्च होता है। ऐसे में घर तैयार करवाने का प्लान कर रहे ज्यादातर इसमें इस्तेमाल होने वाले सरिया, सीमेंट, ईंट समेत अन्य बिल्डिंग मैटेरियल्स के सस्ता होने का इंतजार करते हैं। अगर आप भी ऐसा कर रहे हैं, तो फिलहाल ये रंग लाया है, क्योंकि मुबई से गोवा तक तमाम शहरों में सरिया का दाम गिर गया है। गौरतलब है कि सरिया का घर बनवाने में बड़ा रोल होता है, जहां एक ओर ये घर की मजबूती के लिए सबसे जरूरी बिल्डिंग मैटेरियल में शामिल है, तो वहीं ये खचीर्ला भी है और इसकी कीमत में उतार-चढ़ाव आपके हाउस कंस्ट्रक्शन पर होने वाले खर्च का बोझ घटा-बढ़ा देता है। बीते कुछ समय से टीएमटी सरिया का प्राइस लगातार टूटता हुआ नजर आ रहा है। तमाम शहरों में ये सस्ता हो गया है। मई महीने में तेज गिरावट के बाद जून महीने की शुरूआत से ही ये टूटता नजर आया है। अलग-अलग शहरों में इसकी कीमत में आए बदलाव पर नजर डालें, तो.. इन शहरों के अलावा देश के कई अन्य शहरों में भी इस जरूरी बिल्डिंग मैटेरिल की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। सरिया का भाव दिल्ली में गिरकर 47,200 रुपये, जयपुर में 46,300 रुपये, इंदौर में 48,100 रुपए, कोलकाता में 41,500 रुपये प्रति मीट्रिक टन हो गया है। सरिया प्राइस में हर रोज बदलाव होता है और इसकी अपडेटेड कीमतें अपने शहर में आप आसानी से पता कर सकते हैं। इसके लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं, बल्कि मोबाइल या लैपटॉप पर जान सकते हैं। इसके लिए आपको आयरनमार्ट की वेबसाइट पर जाना होगा और इसमें टीएमटी सरिया के लेटेस्ट रेट अपडेट की पूरी जानकारी मिल जाएगी। बता दें कि वेबसाइट पर बताई गई कीमतें सरिया पर लगने वाले 18 फीसदी जीएसटी से अलग होती हैं और इसके जुड़ने से ये बढ़ जाती हैं।

हिंदमाता मिरर
दैनिक ठाणे, मंगलवार 9 जून, 2026
पैनी नजर, पुख्ता खबर
GAME & GLAMOUR

शिल्पा शेट्टी इन बिजनेस से कमाती हैं तगड़ा पैसा

बॉलीवुड की मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है। 90 के दशक में उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम कर दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी। अपनी बेहतरीन अदाकारी और फिटनेस के लिए पहचानी जाने वाले शिल्पा आज भी मनोरंजन जगत की चर्चित हस्तियों में शामिल हैं। वर्षा के सफल करोयर के दौरान उन्होंने न केवल लोकप्रियता हासिल की बल्कि करोड़ो की सम्पति भी बनाई। उनके जन्मदिन के खास मौके पर जानते हैं कितनी है उनकी नेटवर्थ।

कितनी है शिल्पा शेट्टी की नेटवर्थ ?

रिपोर्ट्स के मुताबिक शिल्पा शेट्टी की नेटवर्थ 150 करोड़ रुपए के आसपास है। इसी के साथ उनको गाड़ियां रखने का भी बहुत शौंक हैं। शिल्पा शेट्टी के पास गाड़ियों का बहुत अच्छा कलेक्शन है, उनके पास 4.03 करोड़ रुपए की फेरारी पोर्टोफिनो ट, 6.25 करोड़ रुपए की लैम्बोर्गिनी एवेंटाडोर, 2.25 करोड़ रुपए की बीएमडब्ल्यू 8, 3.63 करोड़ रुपए की मर्सिडीज-मेबैक GLS 600, 2.88 करोड़ रुपए की लोटस एलेत्रे, 2.81 करोड़ रुपए की मर्सिडीज-AMG G 63, 3.02 करोड़ रुपए की लैंड रोवर रेंज रोवर ऑटोबायोग्राफी और 2.31 करोड़ रुपए पोर्श कायेन GTS है।

बहुत ही आलीशान जिंदगी जीती हैं शिल्पा शेट्टी

आपको बता दें कि शिल्पा शेट्टी बहुत ही लेविश लाइफ जीती हैं। मुंबई के जुहू में एक आलीशान बंगला 'किनारा' है, यहां वो अपने परिवार के साथ रहती हैं। इस घर की कीमत कम से कम 100 करोड़ रुपए है। इंडिया में ही नहीं बल्कि दुबई और यूके में भी उनके पास अपने आलीशान आपर्टमेंट हैं। शिल्पा शेट्टी सिर्फ फिल्मों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि बिजनेस की दुनिया में भी उनकी मजबूत मौजूदगी है। वह डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर (D2C) क्षेत्र में निवेश करती हैं और कई उभरते स्टार्टअप्स का समर्थन करती हैं। शिल्पा हॉस्पिटैलिटी कंपनी बैस्टियन हॉस्पिटैलिटी की सह-मालिक भी हैं। उन्होंने कई लोकप्रिय ब्रांड्स में निवेश किया हुआ है, जिनमें मामाअर्थ जैसे नाम भी शामिल हैं।

टीवी से शिल्पा शेट्टी करती हैं मोटी कमाई

रिपोर्ट्स के मुताबिक शिल्पा शेट्टी एक विज्ञापन के करीब 1 करोड़ के आसपास चार्ज करती हैं। इसके अलावा वो रियलिटी शो में जज की कुर्सी भी संभल रही हैं। शिल्पा शेट्टी ने मनोरंजन और फैशन इंडस्ट्री में भी कई व्यावसायिक निवेश किए हैं। उनका एक विजुअल इफेक्ट्स (VFX) स्टूडियो है, जिसे एसपीएस स्टूडियो के नाम से जाना जाता है। इस प्रोजेक्ट में उन्होंने करोड़ों रुपये का निवेश किया है, जहां फिल्मों और अन्य प्रोडक्शंस के लिए विजुअल इफेक्ट्स से जुड़ा काम किया जाता है। इसके अलावा, शिल्पा फैशन इंडस्ट्री में भी सक्रिय हैं और उनका अपना फैशन लेबल 'ड्रीम एसएस' है, जो उनके बिजनेस पोर्टफोलियो का अहम हिस्सा माना जाता है।

भारत ने दर्ज की अपने टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत

टीम इंडिया ने मुल्लांपुर टेस्ट में अफगानिस्तान को तीसरे ही दिन पारी और 300 रन के अंतर से हरा दिया। ये टेस्ट इतिहास में भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। टेस्ट में आठवीं बार भारत ने पारी और 200+ रनों के अंतर से जीत हासिल की है। भारत ने 8 विकेट के नुकसान पर 564 रन बनाकर अपनी पहली पारी घोषित की थी। केएल राहुल और कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक जड़े थे। साई सुदर्शन और ऋषभ पंत ने 81-81 रन की पारी खेली थी। इनके अलावा वॉशिंगटन सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए थे।

■ जवाब में अफगानिस्तान ने रविवार को दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 5 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाए थे। सोमवार को उसकी पहली पारी 152 रनों पर सिमट गई और भारत ने उसे फॉलो ऑन दिया। अफगानिस्तान की पहली पारी में रहमत शाह ने सबसे ज्यादा 60 रन बनाए। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 20, सेदिकुल्लाह अटल ने 17 और अब्दुल मलिक ने 16 रन बनाए। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे भारतीय ऑलराउंडर मानव सुथार ने पहली पारी में 33 रन देकर 6 विकेट झटके। उनके अलावा प्रसिद्ध कृष्ण ने 3 और वॉशिंगटन सुंदर ने एक विकेट लिया। अफगानिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 112 रन बना सका। इस तरह भारत ने इकलौते टेस्ट मैच को पारी और 300 रनों के विशाल अंतर से जीत लिया। अफगानिस्तान की तरफ से दूसरी पारी में सेदिकुल्लाह अटल ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज ने 24 और रहमत शाह ने 13 रन का योगदान दिया। अफगानिस्तान की तरफ से दूसरी पारी में इन तीनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू पाया। मानव सुथार ने दूसरी पारी में 1 विकेट हासिल किया। वॉशिंगटन सुंदर ने 4, कुलदीप यादव ने 2 और मोहम्मद सिराज ने एक विकेट हासिल किया।

क्या गौतम तिन्ननुरी की फिल्म में नजर आएंगी रश्मिका?

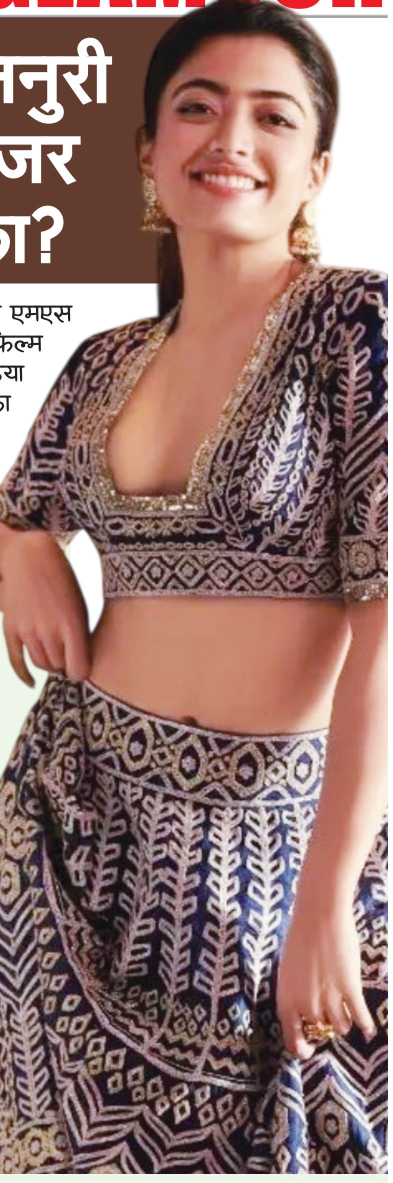

कर्नाटक संगीत की महान गायिका एमएस सुब्बुलक्ष्मी की जिंदगी पर एक बायोपिक फिल्म बनने जा रही है। इसे लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा है। इस फिल्म में रश्मिका मंदाना एमएस सुब्बुलक्ष्मी का किरदार निभा सकती हैं।

मुख्य अभिनेत्री को लेकर सस्पेंस

फिल्म में मुख्य भूमिका कौन निभाएगा, इसे लेकर अभी अलग-अलग जानकारी आ रही हैं। 123 तेलुगु के अनुसार, रश्मिका मंदाना को एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक के लिए चुना गया है। बताया जा रहा है कि हाल ही में इसके लिए उनके घर पर एक लुक टेस्ट भी हुआ है। हालांकि, कुछ समय पहले यह जानकारी आई थी कि रश्मिका या साई पल्लवी की जगह रुक्मिणी वसंत को इस रोल के लिए साइन किया गया है। लेकिन सबसे पहले चर्चा थी कि साई पल्लवी यह किरदार निभाएंगी और उन्होंने इसके लिए कर्नाटक संगीत सीखना भी शुरू कर दिया है। बहरहाल, फिल्म मेकर्स की तरफ से अभी तक किसी भी नाम पर आधिकारिक पुष्टि नहीं दी है।

बायोपिक का निर्देशन

एमएस सुब्बुलक्ष्मी की बायोपिक पर बन रही इस फिल्म का निर्देशन गौतम तिन्ननुरी करेंगे। गौतम तिन्ननुरी को सुपरहिट फिल्म 'जर्सी' बनाने के लिए जाना जाता है। गौतम काफी समय से इस कहानी पर रिसर्च कर रहे हैं।

'कॉकटेल 2' में नजर आएंगी रश्मिका

रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसके लिए रश्मिका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया है। फिल्म 'कॉकटेल 2', 19 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म में शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिकाओं में हैं।

राम चरण ने 'पेद्दि' के साथ दी अपने करियर की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर

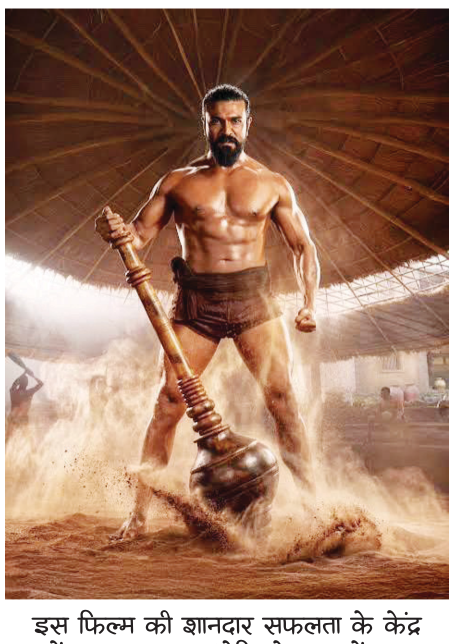

इस फिल्म की शानदार सफलता के केंद्र में राम चरण का 'पेद्दि' के रूप में एक बेहद दमदार और यादगार अभिनय है। इस पहलवान और ग्रामीण नायक की भूमिका को पर्दे पर जीवंत करने के लिए अभिनेता ने एक अद्भुत शारीरिक और भावनात्मक बदलाव किया है।

■ निर्देशक बुची बाबू सना ने खुलासा किया कि राम चरण ने 'दंगल' फिल्म से जुड़े मशहूर कोच के तहत चार महीने से अधिक समय तक कुश्ती का कड़ा प्रशिक्षण लिया। इसके साथ ही उन्होंने इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए आवश्यक शरीर, हाव-भाव और प्रामाणिकता को निखारने में महीनों का समय बिताया। इसका परिणाम एक ऐसा अभिनय है जिसे दर्शक और आलोचक उनके करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन बता रहे हैं, जो तीव्रता, संवेदनशीलता और स्क्रीन पर उनकी जबरदस्त उपस्थिति से भरा हुआ है। मेगा पावर स्टार राम चरण की फिल्म 'पेद्दि' सिनेमाघरों में एक बड़ी लहर बनकर उभरी है। रिलीज के बाद से ही इसने सभी क्षेत्रों में भारी प्रभाव डाला है और रिकॉर्ड संख्या में दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचा है। फिल्म को देखने के लिए थिएटर्स में भारी भीड़ उमड़ रही है और 'हाउसफुल' के बोर्ड लगे हुए हैं। शहरों से लेकर छोटे कस्बों तक, हर जगह सिनेमाघर पूरी तरह भरे हुए हैं। बॉक्स ऑफिस पर इसका प्रदर्शन असाधारण रहा है, जिससे यह साफ होता है कि राम चरण का दर्शकों के बीच कितना जबरदस्त क्रेज है।

आलिया भट्ट-शर्वरी स्टारर 'अल्फा' का टीजर 10 जून को रिलीज

यश राज फिल्म्स 10 जून को आलिया भट्ट और शर्वरी अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'अल्फा' की पहली झलक टीजर के रूप में जारी करने जा रहा है। यह टीजर एक ऐसी लड़की की ओरिजिन स्टोरी पर केंद्रित होगा, जिसे एक खतरनाक किलिंग मशीन बनने के लिए तैयार किया जाता है। वायआरएफ स्पाई यूनिवर्स की यह पहली ऐसी ओरिजिन स्टोरी है, जिसमें मुख्य किरदार एक असैसिन है।

■ अल्फा का टीजर निश्चित रूप से 10 जून को रिलीज होगा। इसके बाद फिल्म के लिए एक आक्रामक मार्केटिंग और प्रमोशनल अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें कहानी को प्रचार का केंद्र बनाया जाएगा। यह अभियान आज के भारत के 'अल्फा एटीट्यूड' को सेलिब्रेट करेगा। आदित्य चोपड़ा और उनकी टीम ने एक बेहद सोच-समझकर बनाई गई रणनीति तैयार की है, जो फिल्म की रिलीज तक कई चरणों में सामने आएगी। सूत्र ने आगे कहा कि अल्फा का पूरा अभियान इस विचार पर आधारित है कि 'अल्फा' सिर्फ एक किरदार या फिल्म का नाम नहीं, बल्कि एक सोच और रवैया है। कई प्रभावशाली सार्वजनिक प्रस्तुतियों, डिजिटल अभियानों, युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों और देशभर में होने वाली चर्चाओं के जरिए आलिया और शर्वरी उस सोच का जश्न मनाएंगी।

■ सूत्र ने यह भी बताया कि अल्फा का अभियान इस तरह से तैयार किया गया है कि लड़कियों को 'अल्फा' होने के विचार का पर्याय बनाया जा सके। आज की लड़कियां अपनी किस्मत खुद लिख रही हैं और सामाजिक दबावों या अपेक्षाओं के दायरे में बंधने से इनकार कर रही हैं। इसलिए दर्शकों को एक मजेदार, कूल, बेबाक और एटीट्यूड से भरपूर अभियान देखने को मिलेगा। 'द रेलवे मेन' फेम शिव रवैल द्वारा निर्देशित 'अल्फा' यश राज फिल्म्स की एक भव्य थिएटर रिलीज फिल्म है, जिसमें बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

1 ओवर में 7 छक्के लगाने वाला दुनिया का एकमात्र बल्लेबाज

क्रिकेट के खेल को अनिश्चितताओं का खेल माना जाता है, क्योंकि यहां कब कौन-सा रिकॉर्ड बन और टूट जाए, ये किसी को भी मालूम नहीं होता। क्रिकेट में एक ओवर में 6 छक्के लगाने का कारनामा दुर्लभ जरूर है, लेकिन अनोखा नहीं है। ऐसे कई बैटर देखने को मिले हैं, जो ये उपलब्धि हासिल कर चुके हैं, लेकिन लिस्ट-ए या वनडे क्रिकेट में लगातार 7 गेंदों पर 7 छक्के लगाने का रिकॉर्ड हो तो वह सिर्फ एक ही बैटर ने किया है। ये रिकॉर्ड किसी और नहीं, बल्कि भारतीय बैटर ऋतुराज गायकवाड़ के नाम दर्ज हैं, जिन्होंने अपनी विस्फोटक बैटिंग से क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया था।

ऋतुराज गायकवाड़ का ये रिकॉर्ड टूट पाना 'असंभव'

दरअसल, ऋतुराज गायकवाड़ ने साल 2022 में विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जिसका टूटना असंभव-सा लगता है। महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बीच खेले गए मैच में उन्होंने यूपी के गेंदबाज शिवा सिंह के एक ओवर में 7 छक्के जड़ दिए थे। पारी का 49वां ओवर लेकर आए शिवा सिंह के सामने ऋतुराज पूरी तरह हावी रहे। ओवर की पहली 6 गेंदों पर उन्होंने लगातार छक्के लगाए। ओवर की छठी गेंद नो-बॉल निकली। इस तरह एक ओवर में उन्होंने 43 रन बटोर लिए। लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में आज तक कोई दूसरा बल्लेबाज यह कारनामा नहीं दोहरा सका है। उस दिन मैच में गायकवाड़ सिर्फ बड़े शॉट्स नहीं खेल रहे थे, बल्कि रनों की बरसात कर रहे थे। उन्होंने 159 गेंदों पर नाबाद 220 रन ठोके थे, जिसमें 10 चौके और 16 छक्के शामिल रहे। महाराष्ट्र की टीम ने 330 रन बनाए, जिसमें गायकवाड़ के बल्ले से अकेले 220 रन निकले।

10 साल बाद लौट रहा है बिग बॉस बांग्ला, सौरव गांगुली संभालेंगे होस्ट की कमान

रियलिटी शो की दुनिया के सबसे बड़े नामों में शुमार बिग बॉस अब एक बार फिर बंगाली दर्शकों के बीच लौटने जा रहा है। पूरे 10 साल के लंबे इंतजार के बाद बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। इस ऐलान के साथ ही शो को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

7 भाषाओं में 69 से ज्यादा सीजन

बिग बॉस भारत के सबसे सफल रियलिटी फ्रेंचाइजी ब्रांड्स में गिना जाता है। यह शो देशभर में 7 अलग-अलग भाषाओं में 69 से अधिक सीजन पूरे कर चुका है। हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी और अन्य भाषाओं में इसकी लोकप्रियता पहले ही साबित हो चुकी है। अब बंगाली दर्शकों को भी एक बार फिर यह मनोरंजन का बड़ा मंच मिलने जा रहा है।

सौरव गांगुली बनेंगे शो के नए होस्ट

इस सीजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि शो को बंगाल के सबसे लोकप्रिय चेहरों में से एक और पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली होस्ट करते नजर आएंगे। निर्माताओं द्वारा जारी किए गए खास वीडियो में सौरव गांगुली की झलक दिखाई गई, जिसने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। घोषणा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि भारत के सबसे बड़े मनोरंजन का मंच अब बंगाल में आ रहा है। मनोरंजन का बॉस - बिग बॉस बांग्ला जल्द आ रहा है।

दर्शकों में बढ़ी उत्सुकता

बिग बॉस बांग्ला की वापसी और सौरव गांगुली की होस्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर चचाएँ तेज हो गई हैं। शो के प्रतियोगियों, प्रीमियर डेट और अन्य जानकारियों का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 इस साल बंगाली टेलीविजन का सबसे बड़ा रियलिटी शो बन सकता है।

एंडेमोल शाइन इंडिया की बड़ी घोषणा

बिग बॉस बांग्ला सीजन 3 को एंडेमोल शाइन इंडिया लेकर आ रहा है, जो Banijay Entertainment का हिस्सा है। कंपनी लंबे समय से भारतीय दर्शकों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफल फॉर्मेट्स को स्थानीय रूप में पेश करती रही है और कई सुपरहिट शोज बना चुकी है।

कई सफल शोज दे चुकी है कंपनी

एंडेमोल शाइन इंडिया और बनिजय एशिया ने पिछले कुछ वर्षों में कई चर्चित वेब सीरीज और शोज दर्शकों को दिए हैं। इनमें The Night Manager, The Trial, Hostages और Call My Agent: Bollywood जैसी सीरीज शामिल हैं। वहीं नॉन-स्क्रिप्टेड कंटेंट में The Kapil Sharma Show, MTV Roadies, Into The Wild with Bear Grylls और Temptation Island India जैसे लोकप्रिय शो भी कंपनी के पोर्टफोलियो का हिस्सा हैं।

जैकी श्रॉफ ने दी चिंता ना करने की सलाह

जैकी श्रॉफ अपनी नई रिलीज हुई फिल्म 'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर पा रही है। इस बीच एक्टर ने बताया है कि आजकल की पीढ़ी कितना तनाव झेल रही है। हालांकि, उन्होंने सलाह दी कि उनको ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। अभिनेता समझदारी भरी सलाह और जिंदगी को लेकर अपने बेफिक्र नजरिए के लिए जाने जाते हैं।

जैकी श्रॉफ ने दी चिंता ना करने की सलाह

बी अ मैन यार पॉडकास्ट के साथ बातचीत में जैकी श्रॉफ ने इस बारे में बात की कि आज की पीढ़ी के पास चिंता करने के लिए कितनी सारी चीजें हैं। हालांकि, एक्टर ने कहा कि जब तक किसी व्यक्ति की सेहत ठीक है, तब तक बाकी सभी तनाव बेकार हैं। उन्होंने कहा कि तनाव नहीं लेने का बेटा। मां का प्रेशर, घर का प्रेशर, काम का प्रेशर, पढ़ाई का प्रेशर, पैसे का प्रेशर, दुनिया का प्रेशर, हेल्थ का प्रेशर नहीं लेने का। जब तक आपकी सेहत ठीक है, आपको किसी और चीज की चिंता करने की जरूरत नहीं है।

खुद को खतरे में ना डालने की दी सलाह

उन्होंने मजाक में कहा कि हेल्थ जब तक है सब सही है। जहां तेरा हेल्थ गया गेम बज गया उन्होंने यह भी मजाक में कहा कि हम सभी जानते हैं कि अंत तो होना ही है, इसलिए खुद को खतरे में डालने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से जितना हो सके उतना जीने की अपील की। उन्होंने आगे कहा कि तो जब मालूम है अपने को अंत तो उसमें अपनी शानपत्ती नहीं करने का। मैं सो जाता हूं। यह सब पिटी-पिटी के चक्कर में बहुत लफड़ा है।

'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' का कलेक्शन

'द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो' 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें जैकी श्रॉफ ने एक सुपरमैन की भूमिका निभाई है। कुल 1.84 करोड़ रुपए कमाए हैं।